www.deshbandhu.co.in खबरें लगातार...

राष्ट्रीय संस्करण

पत्र नहीं मित्र

देशबन्धु

नई दिल्ली, गुरुवार, 11 जुलाई , 2024 | वर्ष-17 | अंक -96 | पृष्ठ - 10 | मूल्य - 3.00 रुपए

ब्रिक्स संसदीय मंच की बैठक में शामिल होंगे... 02

■ बाढ़ की स्थिति से निपटने को सरकार...
■ जनता और सरकार के बीच करूंगा पुल का... 03

■ यूरोपीय संघ को यूक्रेन में लोगों के मारे जाने पर...
■ हूती विद्रोहियों ने तीन अमेरिकी इजरायली जहाजों... 07

जान्हवी कपूर ने 'उलझ' के दो नए पोस्टर किए... 10

सार संक्षेप

नीतीश सबसे कमजोर लाचार, बेबस, असहाय मुख्यमंत्री : तेजस्वी

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के एक कार्यक्रम में इंजीनियर के हाथ जोड़ने और पैर छूने की कोशिश किए जाने पर विपक्ष के नेता तेजस्वी यादव ने जोरदार निशाना साधा है।
राजद नेता तेजस्वी यादव ने कहा कि पूरे विश्व में इतना असहाय, अशक्त, अमान्य, अक्षम, विवश, बेबस, लाचार और मजबूर कोई मुख्यमंत्री नहीं होगा, जो बीडीओ, एसडीओ, थानेदार से लेकर वरीय अधिकारियों और यहां तक कि संवेदक के निजी कर्मचारी के सामने बात-बात पर हाथ जोड़ने और पैर पड़ने की बात करता हो।

सुरक्षा के बीच 4,627 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना

जम्मू। 29 जून को शुरू हुई अमरनाथ यात्रा के लिए कड़ी सुरक्षा के बीच बुधवार को 4,627 तीर्थयात्रियों का एक और जत्था रवाना हुआ। श्री अमरनाथजी श्राइन बोर्ड (एसएएसबी) के अधिकारियों ने कहा, 4,627 यात्रियों का एक और जत्था आज जम्मू के भगवती नगर यात्री निवास से दो सुरक्षा काफिलों में घाटी के लिए रवाना हुआ।

लद्दाख में पहली बार 108 किलो सोना पकड़ा गया

जम्मू। यह सच में हैरान कर देने वाली खबर है कि भारत-तिब्बत सीमा पुलिस (आईटीबीपी) ने अपने इतिहास में शायद पहली बार 108 किलोग्राम से अधिक वजन के 108 सोने के बिस्किट जब्त किए हैं। लद्दाख सेक्टर में दो संदिग्धों के कब्जे से तस्करी का सोना जब्त किया गया। आईटीबीपी के एक अधिकारी ने इसकी पुष्टि की कि आईटीबीपी के समृद्ध इतिहास में यह अब तक की सबसे बड़ी पकड़ है।

हिट एंड रन मामले में मिहिर शाह के पिता पर गाज

मुंबई। वर्ली हिट एंड रन मामले में आरोपी मिहिर के पिता राजेश शाह के खिलाफ शिवसेना ने बड़ी कार्रवाई करते हुए उन्हें उपनेता के पद से हटा दिया है। वो एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में शिवसेना में उपनेता के पद पर तैनात थे, लेकिन बीते दिनों हिट एंड रन मामले में उनके बेटे का नाम सामने आने के बाद चर्चा तेज हो गई थी कि उन्हें कड़ी कार्रवाई का सामना करना पड़ सकता है।

एक परिवार के चार सदस्यों के शव मिलने से सनसनी

सतना। मध्य प्रदेश के सतना जिले में एक परिवार के चार सदस्यों के शव मिलने से सनसनी फैल गई। महिला और उसके दो बच्चों की घर में हत्या की गई है, वहीं पति का रेलवे ट्रैक पर शव मिला है।

लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर भीषण हादसा, 18 की मौत

■ 19 लोग गंभीर रूप से घायल
■ उन्नाव में टैंकर से टकराई बस
■ बिहार से दिल्ली जा रही थी बस

उन्नाव, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर बुधवार को एक भीषण हादसा हो गया, जिसमें 18 लोगों की मौत हो गई और 19 लोग घायल बताए जा रहे हैं। उन्नाव में बांगरमऊ के क्षेत्राधिकारी अरविंद कुमार ने बताया कि जिले में बुधवार को लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर दिल्ली जा रही स्लीपर बस बेहटा मुजावर थाना क्षेत्र में हवाई पट्टी पर टैंकर से टकरा गई। हादसे 18 लोगों की मौत हो गई और 19 लोग गंभीर रूप से घायल हो गए। सभी घायलों को अस्पताल पहुंचाया गया है। हादसे के बाद चीख-पुकार मच गई। उत्तर प्रदेश एक्सप्रेस-वे औद्योगिक विकास प्राधिकरण (यूपीडा) कर्मियों ने पुलिस को हादसे की जानकारी देकर बचाव कार्य शुरू किया। इसी बीच मौके पर पहुंची पुलिस ने राहगीरों की मदद से बस में फंसे लोगों को बाहर निकाला। चश्मदीदों ने बताया कि स्लीपर बस अनियंत्रित होकर टैंकर से टकरा गई, जिससे यह हादसा हुआ है। सूचना पर पहुंची पुलिस रेस्क्यू में जुट गई और उन्नाव के आला अधिकारी भी घटनास्थल पर पहुंच गए।

बुधवार सुबह लगभग 5:15 बजे हुआ हादसा

बेहटा मुजावर पुलिस ने बताया कि यह हादसा आगरा-लखनऊ एक्सप्रेसवे पर सुबह लगभग 5:15 बजे हुआ। बिहार से दिल्ली जा रही डबल डेकर बस के दूध के टैंकर से टक्कर गई।

हादसे पर अखिलेश ने सरकार से पूछे सवाल

लखनऊ। सपा मुखिया अखिलेश यादव ने अपने सोशल मीडिया अकाउंट एक्स पर लिखा, लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए हादसे में 18 लोगों की मौत का कारण भाजपा सरकार की लापरवाही है। यह जांच का विषय है कि एक्सप्रेसवे पर विशेष पार्किंग जोन की व्यवस्था होते हुए भी, कोई वाहन बीच रास्ते में क्यों खड़ा हुआ था। उन्होंने कहा कि सीसीटीवी के लगे रहने के बावजूद खड़े वाहन की निगरानी में चूक कैसे हुई।

मृतक आश्रितों को 2-2 लाख देगी बिहार सरकार

पटना। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने उत्तर प्रदेश के उन्नाव में लखनऊ-आगरा एक्सप्रेसवे पर हुए बस हादसे को लेकर दुख व्यक्त किया है। नीतीश कुमार ने दुर्घटना में बिहार के रहने वाले मृतकों के आश्रितों को दो-दो लाख रुपए का अनुग्रह अनुदान मुख्यमंत्री राहत कोष से देने की घोषणा की है। इस हादसे में 18 लोगों की मौत हो गई है।

हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार को दिया आदेश

एक हफ्ते के अंदर खोला जाए शंभू बॉर्डर

शंभू बॉर्डर पर किसानों का लंबे समय से चल रहा धरना

चंडीगढ़, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने शंभू बॉर्डर खोलने का आदेश दिया है। कोर्ट ने आदेश जारी करते हुए कहा कि एक हफ्ते के अंदर बैरिकेडिंग हटा कर शंभू बॉर्डर को खोला जाए। दरअसल, शंभू बॉर्डर पर किसानों का लंबे समय से प्रदर्शन चल रहा है। इसके कारण लोगों को काफी परेशानी हो रही है। इसी के चलते शंभू बॉर्डर के व्यापारियों ने पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट का रुख किया था। उन्होंने हाई कोर्ट में याचिका दायर कर बॉर्डर को खोलने की मांग की थी। इस याचिका में हरियाणा और केंद्र सरकार को पक्षकार बनाया गया था। पंजाब और हरियाणा हाई कोर्ट ने बुधवार को याचिका पर सुनवाई करते हुए हरियाणा सरकार को एक हफ्ते के भीतर शंभू बॉर्डर खोलने का आदेश दिया। हाई कोर्ट ने हरियाणा सरकार को कहा कि सरकार एक हफ्ते में रोड क्लियर करे। वहां से बैरिकेडिंग हटाए। हाई कोर्ट ने यह भी कहा कि शंभू बॉर्डर पर स्थिति शांतिपूर्ण है। किसानों की मांग केंद्र सरकार से है। इसलिए उन्हें दिल्ली की तरफ जाने की छूट दे देनी चाहिए।

पिछले 5 महीने से है बंद

शंभू बॉर्डर पिछले 5 महीने से बंद है। लोकसभा चुनाव से पहले किसान दिल्ली कूच करना चाहते थे। पंजाब के इन किसानों को रोकने के लिए हरियाणा पुलिस ने यहां 7 लेयर की बैरिकेडिंग की थी। वकील वासुदेव शांडिल्य ने बताया कि याचिकाकर्ताओं की ओर से दायर याचिका पर हाई कोर्ट ने जनहित में फैसला सुनाया है।

हमारी ओर से कोई रास्ता बंद नहीं है : पंढेर

शंभू बॉर्डर। हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को आदेश दिया है कि शंभू बॉर्डर से बैरिकेडिंग हटाई जाए और रास्ता खोला जाए। इस पर किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने कहा कि अगर हरियाणा सरकार बैरिकेडिंग हटाती है तो हमारी तरफ से रास्ता बंद नहीं होगा। किसान नेता सरवन सिंह पंढेर ने हाई कोर्ट के फैसले पर कहा, हमें मीडिया के जरिए पता चला है कि पंजाब-हरियाणा हाईकोर्ट ने हरियाणा सरकार को बैरिकेडिंग हटाने का आदेश दिया है और रास्ते को खोलने के लिए कहा है। अब हम अपने वकीलों से हाई कोर्ट के फैसले की कॉपी मंगाएंगे और जानेंगे कि उच्च न्यायालय ने क्या निर्णय दिया है।

केजरीवाल को राहत नहीं

जमानत पर तत्काल सुनवाई से हाईकोर्ट का इनकार

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उच्च न्यायालय ने बुधवार को दिल्ली आबकारी नीति धन शोधन मामले में अरविंद केजरीवाल की जमानत मामले पर तत्काल सुनवाई के अनुरोध को खारिज कर दिया। हाईकोर्ट ने पहले ट्रायल कोर्ट द्वारा केजरीवाल को दी गई जमानत पर रोक लगा दी थी, जब प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) ने ट्रायल कोर्ट के जमानत आदेश को चुनौती देते हुए हाईकोर्ट का रुख किया था।

हाईकोर्ट की जस्टिस नीना बंसल कृष्णा ने बुधवार को मामले की सुनवाई टाल दी, क्योंकि अतिरिक्त सॉलिसिटर जनरल (एएसजी) एसवी राजू ने कहा कि ईडी की याचिका पर केजरीवाल का जवाब उन्हें कल देर रात दिया गया और एजेंसी को इस पर जवाबी हलफनामा दाखिल करने के लिए समय चाहिए। राजू ने कहा कि जवाबी प्रति उन्हें मंगलवार रात 11 बजे दी गई और उनके पास जवाबी हलफनामा तैयार करने और दाखिल करने का समय नहीं है।केजरीवाल की ओर से पेश वरिष्ठ अधिवक्ता डॉ. अभिषेक मनु सिंघवी ने ईडी के दावे को चुनौती दी। सिंघवी ने कहा कि जवाबी प्रति मंगलवार दोपहर 1 बजे जांच कार्यालय (आईओ) को भेज दी गई। सिंघवी ने कहा कि मामले में बहुत जल्दी है, क्योंकि केजरीवाल को दी गई जमानत पर हाईकोर्ट ने रोक लगा दी है। उन्होंने कहा कि वह अपने जवाबी हलफनामे पर भरोसा किए बिना मामले पर बहस करने के लिए तैयार हैं। हालांकि जस्टिस कृष्णा ने टिप्पणी की कि ईडी केजरीवाल के जवाब पर जवाबी हलफनामा दाखिल करने का हकदार है। इसलिए, इसने मामले को 15 जुलाई तक के लिए स्थगित कर दिया।

सुप्रीम कोर्ट ने सुनाया अहम फैसला

मुस्लिम महिलाओं को पति से गुजारा भत्ता मांगने का अधिकार

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सुप्रीम कोर्ट ने बुधवार को मुस्लिम महिलाओं के हक में एक बड़ा फैसला सुनाया है। अदालत ने कहा कि कोई भी मुस्लिम तलाकशुदा महिला पति से गुजारे भत्ता मांग सकती है। इसके लिए महिलाएं सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं।

पीठ ने जोर देकर कहा कि भरण-पोषण दान नहीं, बल्कि हर शादीशुदा महिला का अधिकार है और सभी शादीशुदा महिलाएं इसकी हकदार हैं, फिर चाहे वे किसी भी धर्म की हों। उसने कहा, 'मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 को सीआरपीसी की धारा-125 के धर्मनिरपेक्ष और धर्म तटस्थ प्रावधान पर तरजीह नहीं दी जाएगी।'

जस्टिस बीवी नागरत्ना और जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने फैसला सुनाते हुए कहा कि मुस्लिम महिला भरण-पोषण के लिए कानूनी अधिकार का इस्तेमाल कर सकती हैं। वो इससे संबंधित दंड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत याचिका दायर कर सकती हैं।

गुजारा भत्ता कोई दान नहीं

पीठ ने आगे कहा कि गुजारा भत्ता कोई दान नहीं है, बल्कि शादीशुदा महिलाओं का अधिकार है। ये धारा सभी विवाहित महिलाओं पर लागू होती है, फिर चाहे उनका धर्म कुछ भी हो। मुस्लिम महिलाएं भी इस प्रावधान का सहारा ले सकती हैं। न्यायमूर्ति नागरत्ना ने फैसला सुनाते हुए कहा, 'हम आपराधिक अपील को इस निष्कर्ष के साथ खारिज कर रहे हैं कि धारा 125 सभी महिलाओं पर लागू होगी, न कि केवल विवाहित महिलाओं पर।'

■ सीआरपीसी की धारा 125 के तहत दायर कर सकती हैं याचिका

ये था मामला

अब्दुल समद नाम के एक मुस्लिम शख्स ने पत्नी को गुजारा भत्ता देने के तेलंगाना हाईकोर्ट के आदेश को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। सुप्रीम कोर्ट में शख्स ने दलील दी थी कि तलाकशुदा मुस्लिम महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत याचिका दायर करने की हकदार नहीं है।

बंगाल सरकार ने सीबीआई जांच पर उठाए सवाल

सुप्रीम कोर्ट करेगा मामले पर विचार

पश्चिम बंगाल सरकार की ओर से सीबीआई द्वारा जांच के मुद्दे को लेकर सुप्रीम कोर्ट ने सख्त रवैया अपनाया है। दरअसल, ममता सरकार ने सर्वोच्च न्यायालय में सीबीआई जांच के खिलाफ दायर याचिका में एक वाद दाखिल किया था, जिसमें कहा गया था कि राज्य द्वारा सीबीआई जांच की सामान्य सहमति वापस लिए जाने के बावजूद एजेंसी वहां जांच कर रही है। इसे लेकर सुप्रीम कोर्ट ने मामले में विचार करने की बात कही है। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि पश्चिम बंगाल के वाद पर कानून के अनुरूप, गुण-दोष के आधार पर कार्रवाई की जाएगी। कोर्ट ने इस मामले में केंद्र सरकार की तरफ से आपत्ति को भी खारिज कर दिया।

जम्मू में आतंकवादी हमलों में एक जैसी रणनीति

■ सुरेश एस डुग्गर

जम्मू, 10 जुलाई (देशबन्धु)। पिछले तीन सालों के अरसे में जम्मू संभाग के लगभग सभी जिलों को सैनिकों के खून से लहूलुहान करने वाले आतंकियों ने इन सभी हमलों में एक जैसी रणनीति अपनाई है। इस रणनीति में पहले उन्होंने हमले वाली जगहों की रेकी करने में स्थानीय गाइडों का सहारा लिया और फिर हथगोलों की बरसात कर एम-4 अमेरीकी स्नाइपर राइफलों से जानें ली। पिछले तीन सालों में जम्मू संभाग के राजौरी, पुंछ, डोडा, भद्रवाह, किश्तवाड़, रियासी और कठुआ के मच्छेड़ी में सैन्य वाहनों को निशाना बना 51 सैनिकों को मौत के घाट उतारने के मामलों की जांच अब एनआईए के हवाले है। इसजांच में जुटे अधिकारी सकते में हैं कि तीन साल पहले आतंकियों ने जिस रणनीति को अपनाया था वे अभी भी उसी को अपनाते हुए जानलेवा साबित हो रहे हैं पर सुरक्षाबल उसका तोड़ नहीं निकाल पा रहे हैं।

दरअसल इन जिलों में हुए आतंकी हमलों में आतंकियों ने अधिकतर में सैन्य वाहनों को उन स्थानों पर अपना निशाना बनाया जो सुनसान थे या तीखे मोड़ों पर थे। हालांकि अभी इसके प्रति स्पष्टता नहीं है कि इन हमजलों में मदद करने वाले आतंकियों के स्थानीय समर्थकों और गाइडों को भी आतंकियों ने साथ रखा था या नहीं। लेकिन यह जानकारी अब बाहर आ रही है कि इन हमलों को अंजाम देने के लिए पाकिस्तानी मूल के आतंकियों ने उन स्थानीय आतंकियें की मदद जरूर ली थी जो हाल ही में बरास्ता नेपाल से वापस प्रदेश में लौटे हैं या फिर जो सरेंडर करने के बाद रिहा हो चुके हैं।

अधिकारियों ने माना है कि मच्छेड़ी के ताजा हमले में भी इसी प्रकार की रणनीतियां अपनाई गई और वैसे ही हथियारों का इस्तेमाल किया गया।

■ सभी हमलों में हथगोलों की हुई बरसात
■ अमेरीकी स्नाइपर राइफलों का भी इस्तेमाल

सात राज्यों में 13 विधानसभा सीटों पर हुआ उपचुनाव

नई दिल्ली, 10 जुलाई (देशबन्धु)। देश के सात राज्यों की 13 विधानसभा सीटों पर हुए उपचुनावों में बुधवार को 50 से 83 प्रतिशत के बीच मतदान हुआ।

जिन सात राज्यों की विधानसभा सीटों पर मतदान कराया जा रहा उनमें पश्चिम बंगाल की चार, हिमाचल की तीन, उत्तराखंड की दो और मध्य प्रदेश, बिहार पंजाब और तमिलनाडु की एक-एक सीट शामिल है।

इन सभी सीटों के चुनाव परिणाम 13 जुलाई को घोषित किए जाएंगे। उपचुनाव का मतदान प्रतिशत इस प्रकार रहा बिहार के रूपौली में 51.14, हिमाचल प्रदेश के हमीरपुर में 65.78, नालागढ़ में 78. 82 व देहरा में 63.89, उत्तराखंड के मंगलौर में 68.24, पश्चिम बंगाल के रायगंज में 67.12, मणिकटला 51.39,राणाघाट दक्षिण में 65.37 एवं बगड़ा में 65.15 प्रतिशत मतदान हुआ।

इसी तरह तमिलनाडु के विकारवांडी 82.48,उत्तराखंड के बदरीनाथ विस क्षेत्र में 51.43 और मंगलौर में 68.24 प्रतिशत, मध्य प्रदेश के अमरवाड़ा में 78.71 तथा पंजाब के जालंधर में मतदान का प्रतिशत 51.30 रहा।

■ उपचुनाव में 50 से 83 प्रतिशत के बीच मतदान
■ बंगाल की चार, हिमाचल की तीन सीटें शामिल

ऑस्ट्रिया पहुंचे प्रधानमंत्री मोदी

भारत-ऑस्ट्रिया के संबंध रणनीतिक साझेदारी में बदलेंगे

विएना, 10 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी और ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहैमर ने बुधवार को यहां आपसी सहयोग को और मजबूत करने तथा संबंधों को रणनीतिक साझेदारी के स्तर तक ले जाने का निर्णय लिया। आस्ट्रिया की यात्रा पर आये श्री मोदी ने चांसलर नेहैमर के साथ संवाददाता सम्मेलन में कहा कि दोनों पक्षों ने यूक्रेन संघर्ष और पश्चिम एशिया की स्थिति सहित दुनिया में अलग अलग स्थानों पर चल रहे विवादों पर विस्तार से चर्चा की। श्री मोदी ने एक बार फिर दोहराया कि यह युद्ध का समय नहीं है। प्रधानमंत्री ने कहा, आज मेरे और चांसलर नेहैमर के बीच बहुत सार्थक बातचीत हुई। हमने आपसी सहयोग को और मज़बूत करने के लिए नई संभावनाओं की पहचान की है। हमने निर्णय लिया है कि संबंधों को स्ट्रैटेजिक दिशा प्रदान की जाएगी।

तैयारी अंतिम वेतन की 50 फीसदी राशि पेंशन के रूप में देने पर हो रहा विचार

नेशनल पेंशन स्कीम में बड़े बदलाव की तैयारी

■ विंध्यवासिनी त्रिपाठी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (देशबन्धु)। नेशनल पेंशन स्कीम के तहत आने वाले कर्मचारियों के लिए अच्छी खबर है। केंद्र सरकार एनपीएस में शामिल कर्मचारियों को उनके अंतिम वेतन का आधा यानी 50 फीसदी राशि पेंशन के रूप में देने पर विचार कर रही है। बतादें कि पेंशन से जुडी मांगों पर वित्तमंत्री निर्मला सीतारमन के ऐलान के बाद वित्त सचिव टीवी सोमनाथन की अध्यक्षता में एक समिति गठित की गई थी।

■ केंद्रीय कर्मचारियों को मिलेगा बड़ा फायदा

इस समिति ने वैश्विक अनुभवों के साथ ही आंध्रप्रदेश सरकार द्वारा लाए गए सुधारों के पणिाम का अध्ययन करने के बाद अपनी रिपोर्ट में कहा है कि सरकार जल्द ही 25-30 साल की नौकरी करने वाले कर्मचारियों के लिए अंतिम वेतन का 50 फीसदी पेंशन के रूप में देने की गांरटी दे सकती है। मालूम हो कि केंद्रीय कर्मचारी लंबे समय से ओल्ड पेंशन स्कीम यानी पुरानी पेंशन की मांग कर रहे हैं। कर्मचारियों का कहना है कि सेवानिवृत्त होने के बाद एनपीएस के तहत पेंशन का वह लाभ नहीं मिलता है,जो पुरानी पेंशन व्यवस्था के तहत मिलती थी। ऐसे में सरकार एनपीएस में कुछ बदलाव कर कर्मचारियों की पुरानी पेंशन से जुड़ी नाराजगी को दूर करना चाहती है।

ओपीएस को वापस नहीं लाना चाहती सरकार

केंद्र सरकार वेतन और पेंशन से जुड़ी विसंगतियों को दूर करने के लिए गंभीरता से प्रयास कर रही है। सरकार ओल्ड पेंशन स्कीम को किसी भी हाल में वापस नहीं लाना चाहती है। ओपीएस के तहत कर्मचारियों को रिटायरमेंट के बाद उनकी अंतिम वेतन का आधा हिस्सा पेंशन के तौर पर मिलता है। उधर, एनपीएस में कर्मचारी की बेसिक पे का 10 फीसदी काटा जाता है। इसमें सरकार भी 14 फीसदी का योगदान देती है। इसलिए ओपीएस जैसे लाभ एनपीएस में ही देने की पूरी तैयारी की जा रही है।

देश

उवाच

"अमीर और गरीब के बीच बढ़ती खाई को कम करने के लिए कोई काम नहीं किया गया है। केंद्र एवं राजस्थान प्रदेश में भाजपा की सरकार होने के बावजूद पेट्रोल, डीजल, केरोसीन के दामों को कम करने के लिए कोई कदम नहीं उठाया गया।

-सचिन पायलट, कांग्रेस महासचिव

तापमान	अधिकतम	न्यूनतम
दिल्ली	29.0	28.0
मुंबई	27.0	26.0
कोलकाता	33.0	28.0
चेन्नई	33.0	29.0

सदन में विपक्ष के सदस्यों के संबोधन में लगातार डाला जा रहा व्यवधान : सिब्बल

- उपराष्ट्रपति धनखड़ के काम करने के तरीके पर उठाए सवाल
- जम्मू-कश्मीर में हुए आतंकी हमले समेत कुछ मुख्य मुद्दों को लेकर केंद्र पर साधा निशाना

सदन में विपक्षी नेताओं के भाषणों को टीवी पर नहीं दिखाया जाता : कपिल सिब्बल

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ के काम करने के तरीके पर सवाल उठाए हैं। उन्होंने दावा किया कि धनखड़ द्वारा सदन में विपक्ष के सदस्यों के संबोधन में लगातार व्यवधान डाला जा रहा है। राज्यसभा सांसद ने कहा कि सदन में विपक्षी नेताओं के भाषणों को टीवी पर नहीं दिखाया जाता। उन्होंने कहा कि राज्यसभा अध्यक्ष बार बार विपक्ष के नेताओं के भाषणों में हस्तक्षेप करते हैं। जब धनखड़ कहते हैं कि कुछ भी रिकॉर्ड में नहीं जाएगा तो माइक बंद कर दिए जाते हैं। सिब्बल ने कहा कि पीएम मोदी ने पूर्व उपराष्ट्रपति अध्यक्ष हामिद अंसारी के काम करने के तरीके को लेकर गलत टिप्पणी की और यह ठीक नहीं है। किसी भी सदस्य को को राज्यसभा अध्यक्ष पद का सम्मान करना चाहिए और उनकी पीठ पीछे उनके खिलाफ टिप्पणी नहीं करनी चाहिए।' सिब्बल ने कहा कि ऐसे आरोपों के सत्यापन की भी आवश्यकता है। सिब्बल ने जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले समेत कुछ मुख्य मुद्दों को लेकर केंद्र सरकार पर भी निशाना साधा। उन्होंने यह भी दावा किया के भारतीय जनता पार्टी से जुड़े नेताओं में अयोध्या में जमीन खरीदी है।

इसके अलावा सिब्बल ने देश की मौजूदा आर्थिक स्थिति पर भी टिप्पणी की। कपिल सिब्बल का यह बयान कांगेस नेता जयराम रमेश की टिप्पणियों के बाद आया है। दरअसल कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने पूर्व उपराष्ट्रपति हामिद अंसारी के खिलाफ कथित तौर पर अपमानजनक टिप्पणी करने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के खिलाफ विशेषाधिकार हनन की कार्यवाही शुरू करने की मांग की थी। दो जुलाई को प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने राष्ट्रपति के अभिभाषण पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव पर चर्चा का जवाब देते हुए कहा था, चाहे वे (विपक्ष) कितनी भी संख्या का दावा करें, जब हम 2014 में आए थे, तो राज्यसभा में हमारी ताकत बहुत कम थी और (तत्कालीन) सभापति का झुकाव कुछ हद तक दूसरी तरफ था, लेकिन हम गर्व के साथ देश की सेवा करने के अपने संकल्प से नहीं डिगे।' उन्होंने आगे कहा था, मैं देश की जनता को कहना चाहता हूं कि आपने जो निर्णय किया है, आपने हमें सेवा करने का जो आदेश दिया है, ऐसी किसी भी बाधा से न तो मोदी डरेगा और न ही यह सरकार डरेगी। हम जिन संकल्पों को प्राप्त करने के लिए निकले हैं, उन्हें पूरा करके रहेंगे। प्रधानमंत्री मोदी ने किसी का नाम नहीं लिया था, लेकिन पूर्व उपराष्ट्रपति अंसारी अगस्त 2012 से अगस्त 2017 तक राज्यसभा के सभापति थे। कपिल सिब्बल ने जम्मू कश्मीर में हुए आतंकी हमले को लेकर पीएम मोदी को भी आड़े हाथों लिया।

उन्होंने कहा कि जब प्रधानमंत्री ने नोटबंदी का ऐलान किया था तो उन्होंने दावा किया था इससे जम्मू कश्मीर में आतंकवाद का खात्मा हो जाएगा। उन्होंने वर्ष 2017 में यह दावा किया था लेकिन आतंकी हमले लगातार जारी हैं। अनुछेद 370 हटा दिया गया। इसका मतलब अब सब कुछ केंद्र सरकार से हाथ में है। मेरा सवाल है कि सरकार क्या कर रही है।

हमने सदन की कार्यवाही में ऐसा पहले कभी नहीं देखा : सिब्बल

राज्यसभा सांसद कपिल सिब्बल ने कहा कि प्रधानमंत्री ने अपने भाषण में नियमों का उल्लंघन किया है और हमने पिछले 20-30 वर्षों में सदन की कार्यवाही में ऐसा होते नहीं देखा। दुनिया की किसी भी संसद में ऐसा नहीं होता और न ही किसी सदस्य द्वारा ऐसा व्यवहार किया जाता है। किसी भी देश में सदन के अध्यक्ष द्वारा सदस्यों के भाषण को बार बार नहीं रोका जाता। लेकिन, मुझे लगता है कि सदन की कार्यवाही को चलाने में भारत के अपने अलग तरीके हैं। सदन में उच्च पदों पर बैठे सदस्यों को अपने काम करने का तरीका बदलना होगा और राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर विपक्ष से भी सलाह लेनी चाहिए।'

अमरवाड़ा विस उपचुनाव में 73 प्रतिशत मतदान

छिंदवाडा, 10 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश के छिंदवाड़ा जिले की अमरवाडा विधानसभा सीट पर उपचुनाव के लिए बुधवार शाम छह बजे मतदान संपन्न हो गया और दो लाख 57 हजार से अधिक मतदाताओं में से लगभग 73 प्रतिशत लोगों ने वोट डाले। निर्वाचन आयोग के अनुसार मतदान शांतिपूर्ण ढंग से संपन्न हो गया। आधिकारिक तौर पर शाम पांच बजे तक 72. 89 प्रतिशत मतदान दर्ज हुआ था। इसके बाद एक घंटे में और भी वोट डाले गए। अनुसूचित जनजाति के लिए सुरक्षित विधानसभा क्षेत्र अमरवाड़ा में कुल 2 लाख 57 हजार 866 मतदाता है।

इनमें एक लाख 29 हजार 372 पुरुष, एक लाख 25 हजार 192 महिला और दो अन्य मतदाता शामिल हैं। मतदान के लिए कुल 332 मतदान केंद्र बनाए गए थे और लगभग डेढ़ हजार मतदान कर्मचारी तैनात किए गए। अमरवाड़ा में मुख्य मुकाबला भारतीय जनता पार्टी कमलेश शाह और कांग्रेस के धीरन शाह के बीच है। नवंबर दिसंबर 2023 के विधानसभा चुनाव में श्री शाह ने यहां से कांग्रेस प्रत्याशी के तौर पर जीत हासिल की थी। लेकिन लोकसभा चुनाव के दौरान उन्होंने कॉग्रेस से त्यागपत्र देकर भाजपा का दामन थाम लिया। इसके बाद उन्होंने विधानसभा से विधायक के तौर पर भी त्यागपत्र दे दिया। इसी के चलते यहां उपचुनाव की नौबत आई।

भविष्य की चुनौतियों को तैयार रहें एलओसी पर तैनात सैनिक : सुचिन्द्र

- लद्दाख में एलओसी के अग्रिम इलाकों का किया दौरा
- उत्तरी सैन्य कमांडर ने की परिचालन तैयारियों की समीक्षा

श्रीनगर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। सेना की उत्तरी कमान के कमांडर लेफ्टिनेंट जनरल एम.वी.सुचिन्द्र कुमार ने बुधवार को लद्दाख में नियंत्रण रेखा (एलओसी) पर तैनात सैनिकों से भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने के लिए कहा। लेफ्टिनेंट जनरल कुमार ने लेह स्थित फायर एंड फ्यूरी कोर के जनरल ऑफिसर कमांडिंग के साथ लद्दाख में एलओसी के अग्रिम इलाकों का दौरा किया और परिचालन तैयारियों की समीक्षा की।

उत्तरी कमान ने एक्स पर एक पोस्ट में कहा लेफ्टिनेंट जनरल एमवी सुचिंद्र कुमार, आर्मी कमांडर एनसी, जीओसी फायर फ्यूरी कॉर्प्स के साथ नियंत्रण रेखा पर तैनात इकाइयों का दौरा किया और फॉरएवर इन ऑपरेशंस डिवीजन की परिचालन तैयारियों की समीक्षा की। केंद्र शासित प्रदेश लद्दाख की तीन प्रकार की सीमाएं हैं। यह हैं पाकिस्तान के साथ एलओसी, चीन के साथ वास्तविक नियंत्रण रेखा (एलएसी) और सियाचिन ग्लेशियर में वास्तविक जमीन स्थिति रेखा, जो दुनिया का सबसे ऊंचा युद्ध का मैदान है। उत्तरी सैन्य कमांडर ने द्रास में कारगिल युद्ध स्मारक का भी दौरा किया और ऑपरेशन विजय के दौरान अपने प्राणों की आहुति देने वाले सैनिकों को श्रद्धांजलि दी।

दक्षता के उच्च मानकों के लिए की सैनिकों की सराहना

सैन्य कमांडर ने दक्षता के उच्च मानकों के लिए सैनिकों की सराहना की और उन्हें भविष्य की चुनौतियों के लिए तैयार रहने के वास्ते प्रोत्साहित किया। इस वर्ष कारगिल विजय दिवस की 25वीं वर्षगांठ या रजत जयंती है। उत्तरी कमान ने बताया कि लेफ्टिनेंट जनरल कुमार ने कारगिल विजय दिवस के रजत जयंती समारोह की तैयारियों की भी समीक्षा की। वर्ष 1999 के कारगिल युद्ध में पाकिस्तान पर जीत की याद में प्रति वर्ष 26 जुलाई को विजय दिवस मनाया जाता है।

सार संक्षेप

महाराष्ट्र की दो दिन की यात्रा पर रहेंगे धनखड़

नई दिल्ली। उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ गुरुवार से महाराष्ट्र की दो दिन की यात्रा पर रहेंगे और राज्य विधानमंडल के दोनों की सदनों की संयुक्त बैठक को संबोधित करेंगे। धनखड़ 11-12 जुलाई को मुंबई का दौरा करेंगे। वह 11 जुलाई को महाराष्ट्र विधानमंडल के दोनों सदनों को संबोधित करेंगे। यात्रा के दूसरे दिन, उपराष्ट्रपति मुंबई के नरसी मोनजी इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट स्टडीज के शिक्षकों और छात्रों को संबोधित करेंगे। यात्रा में धनखड़ महाराष्ट्र के राजभवन भी जाएंगे।

रांची पहुंचा भारत निर्वाचन आयोग का दल

रांची। भारत निर्वाचन आयोग के वरीय उप निर्वाचन आयुक्त धर्मेंद्र शर्मा, वरीय उप निर्वाचन आयुक्त नितेश कुमार व्यास, प्रधान सचिव अरविंद आनंद बुधवार शाम रांची पहुंचे। इनके बिरसा मुंडा एयरपोर्ट आगमन पर झारखंड के मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी के. रवि कुमार, एसपीएनओ अमोल वी.होमकर, अपर मुख्य निर्वाचन पदाधिकारी नेहा अरोड़ा के साथ रांची जिला के वरीय पदाधिकारियों ने उनका स्वागत किया। आयोग द्वारा मतदाता सूची के द्वितीय विशेष संक्षिप्त पुनरीक्षण कार्यक्रय के तहत जारी कार्यों को लेकर जिला निर्वाचन पदाधिकारियों संग समीक्षा की जाएगी।

अनियंत्रित जीप पेड़ से टकराई, पांच की मौत

नर्मदापुरम। मध्य प्रदेश के नर्मदापुरम जिले के पिपरिया थाना क्षेत्र में शादी समारोह से लौट रही एक जीप अनियंत्रित होकर पेड़ से टकरा गई, जिससे उसमें सवार पांच लोगों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए। जीप में कुल 11 लोग सवार थे। जीप सवार सभी युवक साड़िया अपने एक दोस्त की शादी में गए थे। वहां से पिपरिया लौटते समय उनकी जीप बुधवार देर रात्रि पचलावरा गांव के पास बरेली रोड पर अनियंत्रित होकर एक पेड़ से टकरा गई। दुर्घटना में पांच युवकों की मौत हो गई और छह अन्य घायल हो गए।

ट्रेन यात्री से 1.89 करोड़ के सोने के आभूषण जब्त

तिरुचिरापल्ली/तमिलनाडु। रेलवे सुरक्षा बल (आरपीएफ) ने बुधवार को तमिलनाडु के तिरुचिरापल्ली रेलवे जंक्शन पर चेन्नई एग्मोर-मंगलुरु सेंट्रल एक्सप्रेस ट्रेन के एक यात्री के पास से 1.89 करोड़ रुपए मूल्य के 2.75 किलोग्राम सोने के आभूषण और 15.5 लाख रुपए नकद जब्त किए। पुलिस ने जानकारी देते हुए बताया कि जब ट्रेन तिरुचिरापल्ली रेलवे जंक्शन पहुंची तो आरपीएफ कर्मियों ने एक कोच से संदिग्ध दिखने वाले एक यात्री को हिरासत में लिया, जिसकी पहचान मदुरै निवासी लक्ष्मणन के रूप में की गई।

ब्रिक्स संसदीय मंच की बैठक में शमिल होंगे ओम बिरला

- रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में आयोजित होगा कार्यक्रम

नई दिल्ली, 10 जुलाई (देशबन्धु)। लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला बुधवार को ब्रिक्स संसदीय मंच की बैठक में भाग लेने लिए रूस रवाना हो गए। गौरतलब है कि रूस के सेंट पीटर्सबर्ग में 11 और 12 जुलाई को ब्रिक्स संसदीय मंच की बैठक होने वाली है, जिसमें बिरला भारतीय संसदीय दल का नेतृत्व कर रहे हैं। राज्यसभा के उपसभापति हरिवंश ने दिल्ली के इंदिरा गांधी अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा पर बिरला से मुलाकात की। इस दौरान लोकसभा के महासचिव उत्पल कुमार सिंह और राज्यसभा के महासचिव पी.सी.मोदी ने भी उनसे मुलाकात की। भारतीय संसदीय दल में बिरला के अलावा हरिवंश, राज्यसभा सदस्य शंभू शरण पटेल और लोकसभा अध्यक्ष के विशेष कर्तव्य अधिकारी (ओएसडी) राजीव दत्ता शामिल हैं।

भारतीय प्रवासियों से भी करेंगे मुलाकात

लोकसभा अध्यक्ष ओम बिरला सम्मेलन के दौरान अन्य देशों की संसद के अध्यक्षों से वार्ता करेंगे। साथ ही सम्मेलन से जुड़े विषयों पर भारत का पक्ष रखेंगे। बिरला यात्रा के दौरान मॉस्को में भारतीय प्रवासियों से भी मुलाकात करेंगे।

बिहार के पूर्व मंत्री के खिलाफ वारंट जारी

पटना/मुजफ्फरपुर,10 जुलाई (देशबन्धु)। बिहार के पूर्व मंत्री वृषिण पटेल के खिलाफ कोर्ट ने वारंट जारी किया है। वृषिण पटेल पर नाबालिग लड़की के साथ रेप करने और दो साल तक लगातार यौन शोषण करने का आरोप है। मामला मुजफ्फरपुर के कोर्ट में चल रहा है। कोर्ट ने बुधवार को वृषिण पटेल के खिलाफ वारंट जारी किया है। मुजफ्फरपुर के विशेष पॉक्सो कोर्ट में यह मामला चल रहा है। नाबालिग लड़की ने वृषिण पटेल के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया था।

इस मामले में कोर्ट ने तथ्यों को देखने और गवाहों की सुनने के बाद वृषिण पटेल को हाजिर होने को कहा था। पिछले 12 जून को ही उन्हें कोर्ट में हाजिर होने को कहा गया था लेकिन वृषिण पटेल नहीं पहुंचे। इसके बाद कोर्ट ने उनके खिलाफ जमानती वारंट जारी करने का आदेश दिया था। मुजफ्फरपुर के पॉक्सो कोर्ट से 24 जून को वृषिण पटेल के खिलाफ वारंट निर्गत हो गया। इसके बाद भी आरोपी पूर्व मंत्री 6 जुलाई को कोर्ट के समक्ष हाजिर नहीं हुए। लिहाजा दूसरा जमानती वारंट जारी करते हुए 31 अगस्त को उपस्थित होने का आदेश दिया गया है। पीड़िता के वकील ने बताया कि कोर्ट ने कहा है कि अगर वे 31 अगस्त को हाजिर नहीं होते हैं तो उनके खिलाफ गैरजमानतीय वारंट जारी किया जाएगा। इस मुकदमे को लेकर पीड़िता की वकील ऋचा स्मृति ने बताया कि वृषिण पटेल ने दो साल तक मुजफ्फरपुर की एक नाबालिग लड़की का यौन शोषण किया। उसका अश्लील वीडियो बनाकर ब्लैकमेल किया जाता रहा है।बाद में पीड़िता के हाथ वह वीडियो फुटेज लग गया। वह वीडियो फुटेज के साथ पुलिस के पास एफआईआर दर्ज करने गई लेकिन आरोपी बहुत रसूखदार है लिहाजा पुलिस ने केस दर्ज नहीं किया।

ऐसे में 2023 में मुजफ्फरपुर के विशेष पॉक्सो अदालत में नाबालिग लड़की ने कम्प्लेन दायर किया था। जिसमें पूर्व मंत्री के खिलाफ पटना ले जाकर रेप और शारीरिक शोषण करने का आरोप लगाया गया था। लड़की की शिकायत पर विशेष अदालत ने संज्ञान लेते हुए सुनवाई शुरू की थी। पीड़िता का आरोप है कि वृषिण पटेल लगातार 2 वर्षों तक शारीरिक शोषण करते रहे।

अभियुक्त पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद और विधायक रह चुके हैं। अब इस मामले में जमानती वारंट जारी हो गया है, वहीं अगर अब नहीं उपस्थित हुए तो गैर जमानती वारंट जारी किया जाएगा। विशेष लोक अभियोजक अजय कुमार ने बताया कि पटेल के खिलाफ आईपीसी की विभिन्न धाराओं और पॉक्सो की धारा के तहत मामला चल रहा है।

- वृषिण पटेल पर नाबालिग लड़की के साथ दुष्कर्म करने का आरोप
- मुजफ्फरपुर के विशेष पॉक्सो कोर्ट में चल रहा मामला

कुढ़नी की है पीड़ित

पीड़िता की वकील ऋचा स्मृति ने बताया कि पीड़िता कुढ़नी थाना क्षेत्र की रहने वाली है। पीड़िता की अधिवका ऋचा स्मृति ने कहा कि 2023 में मुजफ्फरपुर के विशेष पॉक्सो अदालत में एक नाबालिग लड़की ने पूर्व मंत्री के खिलाफ वाद दायर की थी। पूर्व मंत्री के खिलाफ अपनी शिकायत में उसने शारीरिक शोषण करने जैसे आरोप लगाते हुए कहा कि वह दो वर्षों से शारीरिक शोषण करते रहे हैं। आरोपी पूर्व मंत्री, पूर्व सांसद और विधायक रह चुके हैं। उन्होंने बताया कि अगर अब नहीं उपस्थित हुए तो गैर जमानती वारंट जारी किया जाएगा।

मध्य प्रदेश विधानसभा होगी पेपरलेस

- सात सिंचाई परियोजनाओं को मिली मोहन सरकार की मंजूरी

भोपाल,10 जुलाई (एजेंसियां)। मध्य प्रदेश की विधानसभा पेपरलेस बनने जा रही है। इस योजना में 60 प्रतिशत लागत का वहन केंद्र सरकार करेगी और राज्य सरकार 40 प्रतिशत खर्च करेगी। इस योजना पर राज्य सरकार के 24 करोड़ रुपए खर्च होना प्रस्तावित है। यह योजना एक साल में पूरी तरह क्रियान्वित हो जाएगी। मुख्यमंत्री डॉ.मोहन यादव की अध्यक्षता में बुधवार को कैबिनेट की बैठक हुई। इसमें कई अहम प्रस्तावों पर मुहर लगी है। प्रदेश के संसदीय कार्य मंत्री कैलाश विजयवर्गीय ने बताया कि राज्य सरकार ने संसदीय कार्य विभाग के मध्य प्रदेश विधानसभा को पेपरलेस बनाने के प्रस्ताव को मंजूरी दे दी है। इस पर 24 करोड़ रुपए खर्च किए जाएंगे। एक साल में प्रोजेक्ट पूरा किया जाएगा। देश की सभी विधानसभाओं को पेपरलेस बनाने और उन्हें एक प्लेटफॉर्म पर लाने के उद्देश्य से भारत सरकार ने नेशनल ई-विधान एप्लीकेशन लॉन्च किया है।

मध्य प्रदेश की विधानसभा देश की 13वीं विधानसभा होगी, जो पेपरलेस होने जा रही है। राज्य सरकार ने नर्मदा घाटी विकास विभाग की सात सिंचाई परियोजनाओं के टेंडर निकालने की अनुमति दी है। नौ हजार 271 करोड़ रुपए की इन परियोजनाओं में सेण्डवा माइक्रो सिंचाई परियोजना, निवाली माइक्रो सिंचाई परियोजना, सेंधवा माइक्रो सिंचाई परियोजना, महेश्वर-जानापाव माइक्रो सिंचाई परियोजना, धार माइक्रो सिंचाई परियोजना शामिल है। यह सभी परियोजनाएं आदिवासी इलाकों में है, जिससे वहां के किसानों को लाभ मिलेगा। इसी तरह कैबिनेट ने सीधी में नई बोकरो माइक्रो सिंचाई परियोजना को भी मंजूरी दे दी है। इस पर 46 करोड़ खर्च होंगे। इस परियोजना से 3310 हैक्टेयर की जमीन की सिंचाई हो सकेगी। इसका लाभरामपुरा नेकिन तहसील के 11 गांवों को मिलेगा। विमुक्त, घुमन्तु और अर्द्वघुमन्तु कल्याण विभाग के अंतर्गत संचालित छात्रावासों और सामुदायिक केंद्रों में रह रहे छात्र-छात्राओं की छात्रवृत्ति बढ़ाई गई है।

इंदौर में जेल पुनर्निर्माण को 217 करोड़ मंजूर

इंदौर में जेल पुनर्निर्माण के लिए 217 करोड़ रुपए मंजूर किए गए हैं। उन्होंने कहा कि 14 जुलाई को केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह इंदौर दौरे पर आ रहे हैं। इस अवसर पर शाह प्रदेश के 55 जिलों में खुलने वाले पीएम एक्सीलेंस कॉलेज का शुभारंभ करेंगे। यह कॉलेज नई राष्ट्रीय शिक्षा नीति के तहत संचालित होंगे। इसमें रोजगारोन्मुखी शिक्षा प्रमुखता से दी जाएगी। भाजपा मंत्री ने बताया कि इंदौर में पौधरोपण का विश्व रिकॉर्ड बन रहा है। यहां पर 55 लाख पौधे लगाए जाएंगे।

मराठवाड़ा के नांदेड़ हिंगोली में लगे भूकंप के झटके

छत्रपति संभाजीनगर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। महाराष्ट्र के मराठावाड़ा क्षेत्र के नांदेड़, हिंगोली और परभणी जिलों के विभिन्न हिस्सों में बुधवार सुबह 4.5 तीव्रता वाले भूकंप के झटके महसूस किए गए। भारतीय राष्ट्रीय भूकंप विज्ञान केंद्र (एनसीएस) के अनुसार, भूकंप आज स्थानीय समयानुसार सुबह 6:44 बजे 10 किलोमीटर की गहराई पर आया। उथले भूकंपों को गहरे भूकंप की तुलना में अधिक दृढ़ता से महसूस किया जाता है क्योंकि वे सतह के करीब होते हैं। प्रारंभिक भूकंपीय आंकड़ों के अनुसार, भूकंप से कोई महत्वपूर्ण क्षति नहीं हुई, लेकिन संभवत: कई लोगों द्वारा उपरिकेंद्र के क्षेत्र में हल्के कंपन को महसूस किया गया।

तमिलनाडु में शराब पीने के बाद सात लोग अस्पताल में भर्ती

- शराब के पाउच बेचने वाले शख्स की हुई पहचान

चेन्नई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। तमिलनाडु में विक्रावंडी के पुरीकुडीसाई गांव में बुधवार को पुदुचेरी से तस्करी कर लाई गई शराब का सेवन करने वाले सात लोगों को उल्टी और चक्कर आने की शिकायत के बाद अस्पताल में भर्ती कराया गया। यहां विधानसभा उपचुनाव के लिए बुधवार को मतदान हुआ।

प्राप्त जानकारी के अनुसार, बीमार लोगों में से पांच को मुंडियांबक्कम के सरकारी विल्लुपुरम मेडिकल कॉलेज अस्पताल (जीवीएमसीएच) में इलाज के बाद छुट्टी दे दी गई। जानकारी के अनुसार शराब के पाउच बेचने वाले शख्स की पहचान प्रभु के रूप में की गयी है। यहां प्राप्त रिपोर्टों में कहा गया है कि शराब के आदी और पीलिया से पीड़ित दो अन्य लोगों का अस्पताल में इलाज चल रहा था। विल्लुपुरम जिला प्रशासन ने उपचुनाव के मद्देनजर पूरे जिले में आठ से 10 जुलाई तक तीन दिन के लिए ड्राई डे घोषित कर रखा है। मौजूदा द्रमुक विधायक एन पुगझेंडी के निधन के बाद यहां उपचुनाव कराना आवश्यक हो गया था। बताया जा रहा है कि प्रभु ने जल्द पैसा कमाने के चक्कर में ड्राई डे का फायदा उठाते हुए अवैध रूप से सात लोगों को शराब के पाउच बेचे थे।

आस्था *अमरनाथ यात्रा में इस बार दिखा उम्मीद से अधिक आस्था का मेला*

11 दिनों में दो लाख का आंकड़ा पार कर बना नया रिकॉर्ड

■ **सुरेश एस डुग्गर**

जम्मू,10 जुलाई (देशबन्धु)। इस बार की अमरनाथ यात्रा ने 11 दिनों में ही 2 लाख का आंकड़ा पार कर एक नया रिकार्ड बनाया है। ऐसे में उम्मीद यह की जा रही है कि इस बार की अमरनाथ यात्रा आज तक का सबसे बड़ा आंकड़े का रिकार्ड कायम करेगी अगर सब कुछ सामान्य तौर पर चलता रहा तो।

हालांकि अमरनाथ यात्रा के प्रति एक रिकार्ड सबसे ज्यादा श्रद्धालुओं के शामिल होने का वर्ष 2011 की यात्रा में बना था जब रिकार्ड तोड़ 6.35 लाख श्रद्धालुओं ने इस यात्रा में शिरकत की थी। हालांकि अब जम्मू संभाग में आतंकी हमलों के उपरांत प्रशासन को अमरनाथ श्रद्धालुओं की चिंता इसलिए सताने लगी है क्योंकि अब खुफिया अधिकारी भी चेताने लगे हैं कि अमरनाथ यात्रा आतंकी हमलों से दो चार हो सकती है।

- 2011 में सबसे ज्यादा श्रद्धालु हुए थे अमरनाथ यात्रा में शामिल

वैसे मौसम इस बार अमरनाथ यात्रा में उम्मीद से अधिक मेहरबान है जिस कारण प्रशासन का एक ही टारगेट है कि इस बार की अमरनाथ यात्रा में अधिक से अधिक संख्या में श्रद्धालु शिरकत करें। वैसे प्रशासन प्रतिदिन 20 से 25 हजार श्रद्धालुओं को दर्शन के लिए रवाना कर गुफा के बाहर जबरदस्त भीड़ एकत्र किए हुए है। वैसे इस बार की यात्रा 52 दिनों की है और अभी यात्रा समाप्त होने में 41 दिन बाकी हैं। और प्रशासन की चिंता 41 दिनों तक इसमें उत्साह बरकरार रखने की भी है क्योंकि अक्सर देखा गया है कि अमरनाथ यात्रा के प्रतिक हिमलिंग के पिघलने के बाद से ही यात्रा हमेशा ही ढलान पर आ जाती है। और चिंता का विषय यह भी है कि इस बार भी भक्तों की सांसों की गर्मी से हिमलिंग कब का पिघल चुका है। जानकारी के लिए वर्ष 2007 से लेकर वर्ष 2019 के आंकड़ों पर अगर एक नजर दौड़ाएं तो वर्ष 2016 में, जब हिज्बुल मुजाहिदीन के पोस्टर ब्याय बुरहान वानी की मौत हुई थी, सबसे कम 2.20 लाख श्रद्धालु यात्रा में शामिल हुए थे। जबकि चौंकाने वाली बात यह है कि वर्ष 2008 में जब अमरनाथ भूमि आंदोलन को लेकर जम्मू में दो माह तक लगातार आंदोलन, हड़ताल और कर्फ्यू लागू रहा था तब भी सरकारी रिकार्ड के मुताबिक, 5.50 लाख श्रद्धालुओं ने 14500 फुट की ऊंचाई पर स्थित अमरनाथ गुफा में बनने वाले हिमलिंग के दर्शन किए थे। हालांकि इस आंकड़े पर आज भी संदेह व्यक्त किया जाता रहा है। 2007 से लेकर 2019 तक के आंकड़ों में इस साल के 11 दिनों के आंकड़े ने पिछले चार साल का रिकार्ड जरूर तोड़ दिया है। जबकि अमरनाथ यात्रा श्राइन बोर्ड के अधिकारियों को उम्मीद थी कि अगर सब सकुशलता से चलता रहा तो इस बार यात्रा एक नया रिकार्ड बनाएगी।

आंकड़ों के मुताबिक, वर्ष 2007, 2008, 2009, 2010, 2011, 2012, 2013, 2014, 2015, 2016, 2017 तथा 2018 में क्रमश: 2.63, 5.50, 3.75, 4.59, 6.35, 6.20, 3.53, 3.72, 2.20, 2.60 तथा 2.85 लाख श्रद्धालुओं ने शिरकत की थी।

कैपिटल ज़ोन

उल्टा पुल्टा

पिता ने बेटे से कहा : लड़की वालों के सामने बड़ी-बड़ी बातें करना, लड़की वालों के आते ही बेटे ने पिता से कहा : पापा चाबी देना वो ट्रेन धूप में खड़ी है, उसे अंदर कर दूं...

बाढ़ की स्थिति से निपटने को सरकार तैयार : आतिशी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (देशबन्धु)। केजरीवाल सरकार दिल्ली में संभावित बाढ़ को लेकर युद्धस्तर पर तैयारियां कर रही है ताकि यदि बाढ़ की स्थिति उत्पन्न भी हो तब भी लोगों की परेशानी का सामना न करना पड़े। इस बाबत राजस्व मंत्री आतिशी ने बुधवार को यमुना नदी पर स्थिति पुराना लोहा पुल और यमुना बाजार इलाके में बाढ़ को लेकर संबंधित विभागों की तैयारियों का जायजा लिया। इस दौरान राजस्व विभाग और बाढ़ एवं सिंचाई नियंत्रण विभाग के उच्चाधिकारी भी मौजूद रहे। निरीक्षण के दौरान अधिकारियों ने राजस्व मंत्री से साझा करते हुए कहा कि, बाढ़ को लेकर विभागों की तैयारियां पूरी है।

■ राजस्व मंत्री ने बाढ़ जैसे हालात से निपटने की तैयारियों का किया निरीक्षण

बाढ़ की स्थिति में मोटर बोट, गोताखोर और मेडिकल टीमें किसी भी एक्शन के लिए तैयार रहेंगी। साथ ही बाढ़ की स्थिति में राजस्व विभाग द्वारा राहत शिविर लगाने संबंधित तैयारियां भी पूरी है। इस मौके पर राजस्व मंत्री आतिशी ने कहा कि, दिल्ली में पिछले साल यमुना का जलस्तर पिछले 40 सालों में सबसे ऊपर गया था और इस कारण यमुना के निचले इलाक़ों में बाढ़ की समस्या आ गई थी। इसे देखते हुए इस बार केजरीवाल सरकार ने इस साल काफी पहले से ही बाढ़ को लेकर तैयारियां शुरू कर दी है। ताकि

दिल्ली में पिछले साल यमुना का जलस्तर पिछले 40 सालों में सबसे ऊपर गया था जिस कारण आई थी बाढ़ : आतिशी

यदि बाढ़ आए तो हम उससे निपटने और राहत-बचाव कार्यों के लिए तैयार रहे। आतिशी ने कहा कि मानसून के दौरान तेज बारिश के कारण देश के विभिन्न हिस्सों में बादल के फटने जैसी स्थिति हो जाती है। इस दौरान कुछ ही समय में इतनी ज़्यादा बारिश हो जाती है कि बाढ़ की स्थिति पैदा हो जाती है।

राजस्व मंत्री आतिशी ने आगे कहा कि ऐसे में हमने यमुना के ऊपरी हिस्सों में भी पूरी तरह नज़र बनाए रखा है। ताकि दिल्ली सरकार बाढ़ के किसी भी संभावित ख़तरे से निपटने के लिए तैयार रहे। उन्होंने कहा कि, इस साल दिल्ली सरकार तैनात है, तैयार है। उन्होंने कहा कि संभावित बाढ़ की स्थिति में यदि कम समय में भी निचले इलाकों से लोगों को निकालना पड़ा तो सरकार उसके लिए भी तैयार है। आतिशी ने कहा कि, पिछली बार यमुना का जलस्तर 208 मीटर से ऊपर गया था।

वर्तमान में ये 202.6 मीटर है, जो खतरे के निशान से बहुत नीचे है। लेकिन फिर भी दिल्ली सरकार सतर्क और सचेत है। यदि बाढ़ की स्थिति बनती भी है तो हम राहत और बचाव कार्य के लिए पूरी तरह तैयार है। ताकि दिल्लीवालों को कम से कम परेशानी हो।

नजफगढ़ में पहली एमसीडी पार्किंग शुरू

नई दिल्ली। दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा ने नजफगढ़ जोन में एमसीडी के पहले पार्किंग का उद्घाटन किया। इस मौके पर बीजेपी सांसद कमलजीत सहरावत भी मौजूद रही। उन्होंने बताया लोगों को जाम की समस्या से मुक्ति दिलाने की इस इलाके में एमसीडी की पहली पार्किंग है और आगे भी इस तरह के प्रयास जारी रहेंगे। नजफगढ़ इलाके के फिरनी रोड पर रोज लगने वाले जाम की समस्या को खत्म करने के लिए एमसीडी की तरफ से पहल की गई है। और इस पहल के तहत वहां कार और बाइक की पहली पार्किंग की शुरुआत एमसीडी द्वारा की गई है। इस पार्किंग का उद्घाटन दिल्ली प्रदेश भाजपा के अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और नवनिर्वाचित सांसद कमलजीत सेहरावत ने किया। इन्होंने कहा कि इस इलाके में जाम की समस्या से लोग काफी समय से परेशान हो रहे थे लेकिन स्थानीय भाजपा पार्षद द्वारा प्रयास के बाद इस पार्किंग का उद्घाटन हो पाया है। इससे फिरनी रोड और आसपास के इलाकों में लोगों को जाम से राहत मिलेगी साथ ही इस काम के लिए पार्षद की सराहना की उनसे मिली जानकारी के अनुसार इसमें 90 कार और 50 टू व्हीलर खड़े हो सकेंगे। जिससे लोगों को काफी राहत मिलेगी।

जनता और सरकार के बीच करूंगा पुल का काम : रोमी भाटी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (देशबन्धु)। छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के वर्तमान विधायक करतार सिंह तंवर ने आम आदमी पार्टी छोड़कर भारतीय जनता पार्टी भाजपा में शामिल होने का निर्णय लिया है। इस महत्वपूर्ण घटनाक्रम के बाद, आप के समर्पित नेता और छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के प्रमुख चेहरे, रोमी भाटी, स्वाभाविक रूप से पार्टी के सबसे महत्वपूर्ण चेहरे बन गए हैं। रोमी भाटी ने कहा कि करतार सिंह तंवर के भाजपा में जाने के बाद हमें यह सुनिश्चित करना होगा कि जनता को किसी प्रकार की परेशानी न हो। जब तक नए विधायक का चुनाव नहीं हो जाता, मैं जनता और सरकारी अधिकारियों व मंत्रियों के बीच पुल का काम करूंगा। जनता की समस्याओं के समाधान के लिए मैं पूरी तत्परता और समर्पण के साथ उनके हितों की रक्षा करूंगा। उन्होंने आगे कहा कि यह समय आत्ममंथन और संगठनात्मक शक्ति को मजबूत करने का है। हमारे संघर्ष और मेहनत किसी एक व्यक्ति पर निर्भर नहीं करते, बल्कि जनता के अधिकारों की रक्षा और उनकी सेवा के प्रति हमारे अडिग संकल्प पर आधारित हैं। हमें अपनी ऊर्जा को सकारात्मक दिशा में लगाकर जनता की सेवा में अपना सर्वस्व समर्पित करना होगा। आप के सभी कार्यकर्ताओं और

छतरपुर की जनता की सुविधा के लिए जल्द जारी करेंगे हेल्पलाइन नंबर: भाटी

समर्थकों से अपील करते हुए भाटी ने कहा कि हर चुनौती हमें मजबूत बनाती है, और हम इस चुनौती को भी पार कर लेंगे। आप सभी का समर्थन और समर्पण हमारे लिए सबसे बड़ी ताकत है। आइए, हम सब मिलकर एक नई ऊर्जा और जोश के साथ अपने लक्ष्य की ओर बढ़ें। बता दें कि रोमी भाटी की सक्रियता और समर्पण ने उन्हें छतरपुर विधानसभा क्षेत्र के लोगों के दिलों में एक विशेष स्थान दिलाया है। उन्होंने हमेशा जनता की समस्याओं को समझा और उन्हें हल करने के लिए तत्पर रहे। उनकी नेतृत्व क्षमता और जनता के प्रति उनकी सेवा भावना ने उन्हें स्वाभाविक रूप से आप के राजनीति को आगे ले जाने के लिए, सबसे उपयुक्त विकल्प बना दिया है।

सार संक्षेप

खाद्यान्न राशन दुकानों तक सुचारू रूप से जाने के दिए निर्देश

नई दिल्ली। दिल्ली के खाद्य-आपूर्ति मंत्री इमरान हुसैन ने हर महीने समय पर भारतीय खाद्य निगम (एफसीआई) के गोदामों से खाद्यान्न उठाने और संबंधित राशन दुकानों तक उसको सुचारू और निर्बाध तरीके से ले जाने को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। हुसैन ने बुधवार को दिल्ली राज्य नागरिक आपूर्ति निगम (डीएससीएससी) के जनरल मैनेजर के साथ एफसीआई के गोदामों से राशन की दुकानों तक सुचारू और पारदर्शी तरीके से खाद्यान्नों के ले जाने और समय पर वितरण की समीक्षा की। उन्होंने डीएससीएससी के अधिकारियों को निर्देश दिया कि वह हर महीने समय पर एफसीआई के गोदामों से खाद्यान्न उठाने और संबंधित राशन दुकानों तक खाद्यान्न को सुचारू और निर्बाध तरीके से राशन को ले जाना सुनिश्चित करें। उन्होंने अधिकारियों को व्यक्तिगत रूप से राशन दुकानों पर राशन ले जाने की निगरानी करने का निर्देश दिया और राशन की आपूर्ति एवं वितरण के संबंध में नियमित रिपोर्ट प्रस्तुत करने को कहा है।

लुईस ड्रेफस कंपनी ने भारत में विभोर एडिबल ऑयल रिलॉन्च किया

नई दिल्ली। कृषि सामग्रियों के लिए विश्व की अग्रणी मर्चेंट एवं प्रोसेसर, लुईस डेफ्रस कंपनी एलडीसी ने भारत में अपना एडिबल ऑयल, विभोर रिलॉन्च किया है। यह रिलॉन्च वैल्यू चेन में अपनी पहुंच का विस्तार करने की एलडीसी की विस्तृत रणनीति के अनुरूप किया गया है। भारत में 25 सालों से मौजूद एलडीसी ने अपनी विशेषज्ञता और स्थानीय बाजार की समझ के साथ विभोर ब्रांड को फिर से पेश किया है। इसका उद्देश्य भारत में तेजी से बढ़ते एडिबल ऑयल बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करना है क्योंकि यह बाजार 2024 में 34.75 बिलियन अमेरिकी डॉलर तक पहुंचने और 2024 से 2029 तक प्रतिवर्ष 4.94 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है। भारत के लिए एलडीसी के कंट्री सीईओ, सुमित मित्तल ने कहा कि भारत एलडीसी के लिए एक महत्वपूर्ण बाजार है। हमारा रिफ्रेश्ड विभोर ब्रांड स्वास्थ्य के प्रति सतर्क भारतीय ग्राहकों की विकसित होती हुई जरूरतों को पूरा करने की हमारी प्रतिबद्धता का प्रदर्शन करता है।

आदित्य बिरला सन लाइफ क्वॉन्ट फंड एनएफओ ने 24 सौ करोड़ से अधिक जुटाए

नई दिल्ली। आदित्य बिरला सन लाइफ एएमसी लिमिटेड की स्थापना वर्ष 1994 में हुई थी। आदित्य बिरला कैपिटल लिमिटेड और सन लाइफ (इंडिया) एएमसी इन्वेस्टमेंट इंक. कंपनी के प्रमोटर और सबसे बड़े शेयरधारक हैं। आदित्य बिरला सन लाइफ एएमसी मुख्य रूप से आदित्य बिरला सन लाइफ म्यूचुअल फंड की इन्वेस्टमेंट मैनेजर है, जो भारतीय ट्रस्ट अधिनियम, 1882 के तहत पंजीकृत ट्रस्ट है। इस इन्वेस्टमेंट मैनेजर ने 10 जून 2024 से 24 जून 2024 तक की एनएफओ अवधि के दौरान अपने आदित्य बिरला सन लाइफ क्वॉन्ट फंड के जरिए 2,416 करोड़ रुपये जुटाए हैं। क्वॉन्ट-आधारित निवेश थीम पर आधारित इस ओपन-एंडेड इक्विटी स्कीम में 1,23,762 निवेशकों से शानदार रिस्पॉन्स मिला है।

पूर्ण होगी सभी शिव भक्तों की मनोकामना : धामी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (देशबन्धु)। नई दिल्ली। सीएम पुष्कर सिंह धामी ने कहा कि दिल्ली में बाबा केदार के मंदिर के निर्माण से सभी शिव भक्तों की मनोकामना पूर्ण होगी। बुराड़ी क्षेत्र का जिक्र हमारे पौराणिक ग्रंथों में मिलता है। इस क्षेत्र का संबद्ध महाभारत काल से भी है। बुराड़ी की पावन धरती में उत्तराखण्ड और सनातन संस्कृति के मूल परिचायक बाबा केदारनाथ जी का धाम हमारी संस्कृति और आस्था का आधुनिक प्रतीक बनेगा। उन्होंने कहा कि इस मंदिर से शिव भक्तों और

■ मुख्यमंत्री ने बुराड़ी में किया केदारनाथ मंदिर का शिलान्यास

सनातन संस्कृति की आस्था को बल मिलेगा। यह मंदिर श्रद्धा को जीवन, मानव को महादेव, समाज को अध्यात्म, और वर्तमान पीढ़ी को प्राचीन संस्कृति से जोड़ने का कार्य करेगा। सीएम धामी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में संपूर्ण विश्व में सनातन संस्कृति की ध्वजा फैल रही है। प्रधानमंत्री के कुशल नेतृत्व में उज्जैन में महाकाल लोक का निर्माण, भव्य काशी कॉरिडोर का निर्माण, अयोध्या में भगवान श्री राम मंदिर का निर्माण हुआ है, इसके अतिरिक्त श्री केदारनाथ एवं श्री बदरीनाथ का पुनर्निर्माण कार्य जारी है। उन्होंने कहा कि यह कालखंड भारत की सनातन संस्कृति के पुनरुत्थान का कालखंड है।

आज विदेशों से आने वाले मेहमानों का स्वागत श्रीमद् भगवत गीता भेंट करके होता है। मुख्यमंत्री ने कहा इस बार योग दिवस का आयोजन आदि कैलाश में किया गया था, जिसका उद्देश्य श्री केदारनाथ धाम, आदि कैलाश जैसे हमारे राज्य के पवित्र स्थलो को जन-जन तक पहुंचाना था। उन्होंने कहा कि आज संपूर्ण विश्व ने योग का स्वीकार किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार सनातन संस्कृति के उत्थान के लिए निरंतर कार्य कर रही है। चार धाम आने वाले श्रद्धालुओं की संख्या हर साल निरंतर बढ़ रही है। चार धामों के साथ अन्य धार्मिक स्थलों को भी तेजी से विकसित किया जा रहा है।

■ नई दिल्ली राष्ट्रपति भवन के बैडमिंटन कोर्ट में बहुचर्चित खिलाड़ी साइना नेहवाल के साथ बैडमिंटन के खेल में हाथ आजमातीं राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू।

पीएलए का नया ऐप व बेयर एक्ट्स की लांचिंग 14 को : पहूजा

नई दिल्ली, 10 जुलाई (देशबन्धु)। छात्र-छात्राओं को समय समय पर कानून से जुड़ी जानकारियां मुहैया कराने के पहूजा लॉ ऐकडमी (पीएलए) आगामी 14 जुलाई को पीएलए नया ऐप और बेयए एक्ट्स को लॉंच करेगा। यह जानकारी बुधवार को संवाददाता सम्मेलन में पीएलए के डायरेक्टर कपिल पहूजा ने दी। उन्होंने कहा कि यह ऐप अपने आप में देश का पहला है। कपिल पहूजा ने बताया कि हम कानूनी शिक्षा को सभी के लिए सुलभ और प्रभावी बनाने के अपने मिशन में एक और कदम आगे बढ़ा रहे हैं।

पीएलए के डायरेक्टर कपिल पहूजा ने बताया कि पहूजा लॉ एकेडमी ऐप को एक व्यापक डिजिटल प्लेटफार्म के रुप में डिजायन किया गया है। यह ऐप केवल अध्ययन सामग्री के भंडार से कही अधिक है। इस अवसर पर पीएलए की डायरेक्टर अन्किता पहूजा ने कहा कि छात्रों को सावधानी पूर्वक तैयार की गईं अध्ययन सामग्री और नोट्स तक पहुंच प्राप्त होगी जो सम्पूर्ण तैयारी के लिए महत्वपूर्ण हैं।

आम आदमी पार्टी देश की सबसे भ्रष्ट पार्टी : वीरेंद्र

■ चार्जशीट में केजरीवाल के अपने बयानों से मुकरने का भी किया गया जिक्र

नई दिल्ली, 10 जुलाई (देशबन्धु)। दिल्ली भाजपा अध्यक्ष वीरेंद्र सचदेवा और नई दिल्ली से भाजपा सांसद बांसुरी स्वराज ने संयुक्त प्रेस वार्ता कर ईडी द्वारा सप्लीमेंट्री चार्ज शीट दाखिल किए जाने और उस चार्जशीट में आम आदमी पार्टी को मुख्य आरोपी बनाए जाने पर कहा कि यह भारत के इतिहास यह पहली बार हुआ है जब किसी राजनीतिक पार्टी को आरोपी बनाया गया है। प्रेसवार्ता का संचालन कर रहे प्रवीण शंकर कपूर ने कहा कि आम आदमी पार्टी आज देश की सबसे भ्रष्ट पार्टी है। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि जितनी तेजी से आम आदमी पार्टी के नेता अपने आपको राष्ट्रीय पार्टी बताकर पीठ थपथपा रहे थे, आज भारतीय इतिहास में वह पहले पार्टी भी बन गई जिसने सबसे कम समय में सबसे अधिक भ्रष्टाचार किया है। उन्होंने कहा कि ईडी की सप्लीमेंट्री चार्जशीट के बाद न्यायालय ने जो फैसला

भारत के इतिहास में पहली बार हुआ है जब किसी राजनीतिक पार्टी को मनी लॉन्ड्रिंग केस में आरोपी बनाया गया है : वीरेन्द्र सचदेवा

लिया है, उसके बाद 12 जुलाई को न्यायालय में जब आरोपी नंबर 38 आम आदमी पार्टी की हाजिर हो की आवाज लगेगी देश ऐसी आवाज़ पहली बार सुनेगा। वीरेंद्र सचदेवा ने कहा कि मनी लांड्रिंग केस में व्यक्तियों पर तो मामला दर्ज होता ही रहता है लेकिन आम आदमी पार्टी पार्टी पहली राजनीतिक पार्टी बनी है जिस पर यह आरोप लगा है। उन्होंने कहा कि 100 करोड़ के मनी लांड्रीग चार्ज तो है ही लेकिन इसके साथ ही 45 करोड रुपए किस प्रकार से दिए गए इसकी पूरी जानकारी चार्जशीट में है। जांच एजेंसी द्वारा दाखिल चार्जशीट में केजरीवाल द्वारा बार-बार अपने बयानों से मुकरने का भी जिक्र किया गया है।

शराब घोटाले में हमेशा से आप ने जनता व मीडिया को किया गुमराह

बांसुरी स्वराज ने कहा कि शराब घोटाले में हमेशा से आम आदमी पार्टी ने जनता और मीडिया को गुमराह करने का काम किया है और जो कहते थे इस मामले में कोई सबूत नहीं है वह देख लें की आज पूरा मामला बिल्कुल साफ हो गया है। उन्होंने कहा कि जो चार्जशीट फाइल की गई है उससे साफ हो गया है कि अरविंद केजरीवाल ना ही सिर्फ व्यक्तिगत तौर पर शराब घोटाले में करोड़ों रुपए लेने के आरोपी हैं बल्कि वह इस पूरे मामले के किंगपिंग है।

असर — प्रधानमंत्री मोदी की खादी खरीदने की लगातार अपील का दिखा असर

दस साल में चार सौ फीसदी बढ़ी खादी उत्पादों की बिक्री

■ डॉ. कला अय्यर

नई दिल्ली, 10 जुलाई (देशबन्धु)। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की खादी खरीदने की लगातार अपील के कारण खादी की लोकप्रियता तेजी से बढ़ी है। देश भर में बड़े पैमाने पर खादी की बिक्री हो रही है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने 'विकसित भारत' और 'आत्मनिर्भर भारत अभियान' को नई ऊंचाइयों पर पहुंचाते हुए विश्व के सामने बुलंद भारत की बुलंद तस्वीर पेश की है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने वित्त वर्ष 2023-24 में उत्पादन, बिक्री और नए रोजगार सृजन में नया कीर्तिमान स्थापित किया है।

आजादी के बाद पहली बार केवीआईसी के उत्पादों का कारोबार 1.55 लाख करोड़ रुपये को पार कर गया है। मोदी सरकार बनने के बाद पिछले 10 साल में ग्रामीण क्षेत्र के कारीगरों द्वारा बनाए गए स्वदेशी खादी उत्पादों की बिक्री में 400 प्रतिशत की अभूतपूर्व वृद्धि हुई है। वित्त वर्ष 2023-24 में वित्त वर्ष 2013-14 की तुलना में बिक्री में 399.69 प्रतिशत, उत्पादन में 314.79 प्रतिशत और नए रोजगार सृजन में 80.96 प्रतिशत की वृद्धि हुई है।

वर्ष 2013-14 की तुलना में वित्त वर्ष 2022-23 में बिक्री में 332.14 प्रतिशत, उत्पादन में 267.52 प्रतिशत और नए रोजगार सृजन में 69.75 प्रतिशत की वृद्धि हुई। स्वदेशी खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की बिक्री जो वित्त वर्ष 2013-14 में 31154.20 करोड़ रुपए थी, वह वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 155673.12 करोड़

■ केवीआईसी ने वित्त वर्ष 2023-24 में उत्पादन, बिक्री व नए रोजगार सृजन में नया कीर्तिमान किया स्थापित

रुपये के उच्चतम स्तर पर पहुंच गई है। यह अब तक की सबसे बड़ी उपलब्धि है। वित्त वर्ष 2023-24 में ग्रामीण क्षेत्रों में 10.17 लाख नए रोजगार सृजन कर केवीआईसी ने नया मील का पत्थर स्थापित किया है। खादी और ग्रामोद्योग आयोग के अध्यक्ष मनोज कुमार ने इस उपलब्धि का श्रेय प्रधानमंत्री मोदी की गारंटी और देश के सुदूर गांवों में काम करने वाले करोड़ों कारीगरों के अथक प्रयासों को दिया है। उन्होंने कहा कि प्रधानमंत्री मोदी के खादी के समर्थन से लोगों का खादी उत्पादों पर विश्वास बढ़ा है।

युवाओं के लिए खादी फैशन का 'नया स्टेटस सिंबल' बन गया है। बाजार में खादी और ग्रामोद्योग उत्पादों की मांग तेजी से बढ़ रही है। उन्होंने कहा कि पिछले दस वर्षों में खादी और ग्रामोद्योग के उत्पादन को बढ़ाने के लिए प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में बड़े बदलाव और निर्णय लिए गए हैं, जिनके सकारात्मक परिणाम मिल रहे हैं। उन्होंने आगे कहा कि ये आंकड़े इस बात का सबूत हैं कि देश के लोगों का भरोसा 'मेक इन इंडिया', 'वोकल फॉर लोकल' और 'स्वदेशी उत्पादों' पर बढ़ा है।

हिप्पो होम्स के नए होम इंप्रूवमेंट का शुभारंभ

नई दिल्ली, 10 जुलाई (देशबन्धु)। होम बिल्डिंग, होम रेनोवेशन और इंटीरियर सॉल्यूशंस के प्रमुख ओमनी चैनल प्रोवाइडर, डालमिया भारत एंटरप्राइज़ के हिप्पो होम्स ने ग्रेटर नोएडा के ग्रैंड वेनिस मॉल में अपना फ्लैगशिप स्टोर लॉन्च किया है। नया स्टोर, जो भारत में तीसरा हिप्पो होम्स स्टोर है, का उद्घाटन हिप्पो होम्स के एमडी और सीईओ अरविंद मेदिरत्ता ने भारत में हिप्पो होम्स के प्रमुख भागीदारों और सीनियर लीडरशिप टीम की उपस्थिति में किया। गार्डन गैलेरिया मॉल में अपने प्रमुख स्टोर के बाद, यह नोएडा में हिप्पो होम्स का दूसरा होम इम्प्रूवमेंट स्टोर होगा। नया स्टोर नए घर खरीदने वालों और घर के रेनोवेशन और इम्प्रूवमेंट करने वाले ग्राहकों के लिए एक बिल्कुल नया अनुभव पेश करेगा। हिप्पो होम्स की सुदृढ़ और स्थायी विस्तार रणनीति के बारे में अरविंद मेदिरत्ता, एमडी और सीईओ, हिप्पो होम्स ने कहा, घर खरीदना और बनाना हर किसी के लिए एक महत्वपूर्ण निवेश है, होम रेनोवेशन्स और इम्प्रूवमेंट हर किसी के लिए सबसे चुनौतीपूर्ण पहलू है।

उत्तर रेलवे
आज़ादी का अमृत महोत्सव
संविदा चिकित्सक की नियुक्ति करना (सीएमपी)
उत्तर रेलवे मंडल चिकित्सालय, दिल्ली मंडल में एक संविदा चिकित्सक पद के लिए योग्य उम्मीदवारों से आवेदन पत्र आमंत्रित किए जाते हैं। विज्ञापन की विस्तृत जानकारी, सेवा शर्तें आवेदन का प्रारूप आदि उत्तर रेलवे की वेबसाइट https://www.nr.indianrailways.gov.in दिल्ली मण्डल पर उपलब्ध है।
मण्डल कार्मिक अधिकारी/नई दिल्ली
पत्र सं.: एनआर-डीएलआईओपीईआरएस/466/2020/०डीपीओ/ए/डीएलआई/एनआर/22409/पी-9 दिनांक 10.07.2024
2097/2024
ग्राहकों की सेवा में मुस्कान के साथ

कैपिटल ज़ोन

उवाच "

मोहन नगर जोन के पसोंडा क्षेत्र के निवासियों द्वारा कई बार अवैध रूप से चल रही डेरियों की गंदगी फैलाने की शिकायत प्राप्त हुई। समय-समय पर नोटिस भी जारी किए गए। इसी कार्यवाही के क्रम में मौके पर टीम के द्वारा अभियान चलाया गया पशुओं को भी पकड़ा गया तथा जुर्माना वसूलने के उपरांत पशुओं को छोड़ दिया गया। गोबर को खुले में ना बहाने की हिदायत भी दी गई है : **डॉ अनुज कुमार सिंह, उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी**

राज्यमंत्री असीम अरुण ने विकास कार्यों को लेकर सरकारी विभागों की ली बैठक, बोले

विभाग में भ्रष्टाचार ना होने दें अधिकारी

गाजियाबाद, 10 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश के राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) समाज कल्याण ने बुधवार को यहां कहा कि अधिकारी जनसुवाई तत्काल करें। साथ ही इस बात का भी ख्याल रखें कि कोई काम गलत न हो। उन्होंने अधिकारियों को कहा कि वे किसी भी विभाग में भ्रष्टाचार न पनपने दे। असीम अरुण बुधवार को कलेक्ट्रेट सभागार में विकास कार्यों को लेकर आयोजित बैठक को संबोधित कर रहे थे ।

बैठक में राज्यमंत्री ने अधिकारियों को निर्देशित किया कि जनसुनवाई में आने वाली शिकायतों का त्वरित गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। कोई भी शिकायतकर्ता अपनी शिकायत के निस्तारण के लिए परेशान ना हो। कहा कि ज्यादातर मामले पुलिस विभाग से जुड़े हेतु हैं। अत- पुलिस अधिकारियों को इस ओर ध्यान देने की बेहद आवश्यकता है। उन्होंने कहा कि पुलिस विभाग, जीडीए, नगर निगम, विकास विभाग, जिला प्रशासन सहित अन्य किसी भी विभाग में भ्रष्टाचार नहीं पनपना चाहिए, इसके लिए उच्च अधिकारी इस बात का ध्यान रखें। सभी लोग ईमानदारी से अपने दायित्वों को निर्वहन करें। राज्यमंत्री ने कहा कि यदि कोई जन प्रतिनिधि या जनसेवी आपके कार्यालय पर आता है तो उसका

शिकायत को ध्यान से सुना जाए। वह जनप्रतिनिधि या जनसेवी किभी भी पार्टी, संस्था या आम आदमी ही क्यों ना हो वह सम्मानित हैं।

वृक्षारोपण में जो पौधे सर्वाइव कर सकें वही लगाए

राज्यमंत्री ने कहा कि वृक्षारोपण के दौरान वे ही पौधे लगाएं जाए जो सर्वाइव कर सकें। फलदार पौधे ऐसे हो जिनकी हाईट 4 फीट से ज्यादा ही हो, ताकि वे सर्वाइव कर सके।

असीम अरूण के कलेक्ट्रेट पहुंचने पर उनको गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया। पुलिस आयुक्त अजय कुमार मिश्रा, जिलाधिकारी इन्द्र विक्रम सिंह सहित अन्य गणमान्यों द्वारा उन्हें पुष्प गुच्छ

जनसुनवाई में आने वाली शिकायतों का गुणवत्तापूर्ण निस्तारण किया जाए। कोई भी शिकायतकर्ता अपनी शिकायत के निस्तारण के लिए परेशान ना हो : असीम अरुण

भेंट कर स्वागत किया गया।

5 लेखपालों को नियुक्ति पत्र वितरित

बैठक के दौरान उन्होंने जनपद गाजियाबाद में नवचयनित 10 लेखपालों में से मौके पर 05 लेखपालों रेनू रानी, अपेक्षा त्यागी, मनीषा चौधरी, श्वेता, मोनिका को नियुक्ति पत्र दिया गया।

योजनाओं के तहत टूलकीट व चैक प्रदान किया

ओडीओपी एवं विश्वकर्मा श्रम सम्मान प्रशिक्षण योजनान्तर्गत लाभार्थियों रवि कुमार शर्मा को रेलवे पार्टस मैन्यूफैक्चरिंग को रूपए एक करोड़ नवासी लाख सैंतालीस हजार मात्र का सांकेतिक चैक दिया गया। इसके साथ ही ओडीओपी प्रशिक्षण एवं टूलकीट में श्री मुरारी लाल शर्मा, विश्कर्मा श्रम सम्मान योजना के तहत श्रीमती सीमा शर्मा (दर्जी), मौ.यासीन (राजमिस्त्री), श्री चरन सिंह (राजमिस्त्री) को टूलकीट प्रदान की गई।

आरटीई के छात्रों से ले फीडबैक

राज्यमंत्री ने आरटीई के तहत किए जा रहे दाखिले के बारे में विस्तार से जाना। जिलाधिकारी ने अवगत कराया कि अभी 261 दाखिले शेष हैं जिन्हें जल्द ही करवा दिया जाएगा। श्री असीम अरुण ने कहा कि पूर्व में आरटीई के तहत जिन छात्रों का दाखिला करवाया गया है। उनसे फीडबैक ली जाए कि उनके साथ स्कूल प्रबंधन कोई भेदभाव तो नहीं कर रहे हैं। यदि ऐसा पाया जाता है तो उक्त स्कूल के खिलाफ नियमानुसार कार्यवाही की जाए।

बैठक में मुख्य रूप से श्रीमती ममता त्यागी जिला पंचायत अध्यक्षा, अजीत पाल त्यागी विधायक मुरादनगर, धर्मेश तौमर विधायक धौलाना, संजीव शर्मा महानगर अध्यक्ष भाजपा व पुलिस आयुक्त गाजियाबाद श्री अजय कुमार मिश्रा, जिलाधिकारी श्री इन्द्र विक्रम सिंह, जीडीए उपाध्यक्ष अतुल वत्स, मुख्य विकास अधिकारी अभिनव गोपाल, प्रभागीय निदेशक सामाजिक वानिकी प्रभार सुश्री ईशा तिवारी,योगेन्द्र प्रताप सिंह शामिल हुए।

नालों में ना बहाएं गोबर, निगम कर रहा है डेरियों पर सख्त कार्रवाई

गाजियाबाद, 10 जुलाई (देशबन्धु)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार अवैध डेरियों पर गाजियाबाद नगर निगम संबंधित विभाग द्वारा कड़ी कार्रवाई की जा रही है। जिसमें संचालकों को गंदगी न फैलाने तथा नालों में गोबर ना बहाने के लिए हिदायत दी जा रही है। गाजियाबाद नगर निगम ने मोहन नगर जोन अंतर्गत अभियान चलाया गया जिसमें तीन डेरियों पर कार्यवाही की गई डेरी संचालकों द्वारा नाले में अवैध रूप से गंदगी या गोबर बहने का कार्य किया जा रहा था। कार्यवाही के दौरान 110000 का जुर्माना वसूला गया।

उप मुख्य पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉ अनुज कुमार सिंह ने बताया कि मोहन नगर जोन के पसोंडा क्षेत्र के निवासियों द्वारा कई बार अवैध रूप से चल रही डेरियों की गंदगी फैलाने की शिकायत प्राप्त हुई। समय-समय पर नोटिस भी जारी किए गए। इसी कार्यवाही के क्रम में मौके पर टीम के द्वारा अभियान चलाया गया पशुओं को भी पकड़ा गया तथा जुर्माना वसूलने के उपरांत पशुओं को छोड़ दिया गया। गोबर को खुले में ना बहाने की हिदायत भी दी गई है। गाजियाबाद नगर

- **मोहन नगर के पसोंडा में चला अभियान**
- **एक लाख का वसूला जुर्माना**

निगम द्वारा लगातार अवैध डेरियों पर शिकंजा कसा जा रहा है। सभी जोन में विभाग नजर बनाए हुए हैं तथा शिकायत प्राप्त होने पर तत्काल प्रभाव से कार्यवाही की जा रही है। सीवर में तथा नालों में गोबर बहाने वालों पर कड़ी कार्रवाई निगम द्वारा की जा रही है जिसमें जन सहयोग भी निगम को मिल रहा है। मौके पर अभियान के दौरान प्रवर्तन दल की टीम तथा पशु चिकित्सा एवं कल्याण अधिकारी डॉक्टर आशीष त्रिपाठी भी उपस्थित रहे।

सार संक्षेप

कर्मचारियों पर बिल्डिंग से सामान चुराने का आरोप

नोएडा। चार कर्मचारियों पर बिल्डिंग से सामान चुराने के आरोप में केस दर्ज हुआ है। पुलिस केस दर्ज कर मामले की जांच कर रही है। शिकायत में दिल्ली के मंडावली निवासी चंद्रभान ने बताया कि वह अमरीश गुप्ता के ऑफिस में काम करता है। अमरीश की सेक्टर-59 में एक इमारत है जिसमें हरफूल सिंह, कमलेश, राकेश कुमार यादव और कृष्णा काम करते हैं। आरोप है कि चारों ने इमारत में रखी पांच यूपीएस की 105 बैटरी और एसी कॉपर की दो टन पाइप चोरी की और इसे बेच कर पैसा आपस में बांट लिया। चोरी की जानकारी उस समय हुई जब अमरीश किसी पार्टी को बिल्डिंग दिखा रहे थे। इमारत की चाबी चारों के पास ही रहती थी। पुलिस बिल्डिंग के आसपास लगे सीसीटीवी कैमरे की फुटेज खंगाल रही है। इस मामले में आरोपियों से भी पुलिस जल्द पूछताछ करने की बात कह रही है।

पार्सल में ड्रग्स होने का डर दिखाकर जालसाजों ने 2.35 लाख ठगे

नोएडा। पार्सल में ड्रग्स समेत अन्य सामान होने का डर दिखाकर साइबर जालसाजों ने एक महिला के साथ दो लाख 35 हजार 200 रुपये की ठगी कर ली। पुलिसकर्मी बनकर जालसाजों ने वीडियो कॉल के जरिये घंटों तक महिला पर निगरानी रखी। जब महिला पर और रकम ट्रांसफर करने का दबाव बनाया जाने लगा जब उसे ठगी की जानकारी हुई। इसके बाद उसने ठगी की शिकायत सेक्टर-49 थाने में की। पुलिस उन खातों की जानकारी एकत्र कर रही है जिसमें ठगी की रकम ट्रांसफर हुई है।

कांवड़ यात्रा को लेकर पुलिस ने किया मंथन

गाजियाबाद। कांवड़ यात्रा को सकुशल संपन्न करने के मद्देनजर बुधवार को गाजियाबाद पुलिस लाइन के परमजीत हाल में दिल्लीपुलिस, गाजियाबाद पुलिस, नोएडा पुलिस तथा आसपास के अन्य जनपदों की पुलिस की संयुक्त बैठक संपन्न हुई। जिसमें कानून व्यवस्था यातायात व्यवस्था तथा मार्ग परिवर्तन को लेकर गहन मंथन किया गया और एक दूसरे को इससे संबंधित जानकारी साझा की गई । इस बैठक में मेरठ बुलंदशहर बागपत और हापुर पुलिस के अधिकारी भी शामिल हुए और आपस में समन्वय स्थापित करने को लेकर भी बातचीत हुई। बैठक के बाद गाजियाबाद पुलिस कमिश्नरेट के संयुक्त पुलिस आयुक्त दिनेश कुमार पी ने बताया कि कांवड़ यात्रा को लेकर रूट डायवर्जन के प्लान को लेकर दिल्ली गाजियाबाद व अन्य जनपद पुलिस के अधिकारियों के बीच जानकारी साझा की गई। साथ ही आपात स्थिति से निपटने के लिए बनाई गई कार्य योजना भी एक दूसरे के साथ साझा की गई। उन्होंने बताया कि बैठक में दिल्ली मेरठ एक्सप्रेस वे तथा एनएच 9 के पास शिविर ना लगने देने का निर्णय लिया गया। साथ ही यह भी निर्णय लिया गया कि कांवड़ यात्रा केवल परंपरागत मार्ग से ही निकल जाएगी। इसके अलावा एनएचएआई ने 30 अतिरिक्त एम्बुलेंस तैनात रखने के निर्णय की जानकारी भी दी गई।

उद्योग मार्ग को मॉडल रोड बनाने के लिए तीन कंपनियां तैयार

नोएडा, 10 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा में उद्योग मार्ग को मॉडल रोड बनाया जाएगा। इसके निर्माण के लिए तीन कंपनियां आई है। जिसमें केपीसी प्रोजेक्ट लिमिटेड, लीजा इंजीनियर प्राइवेट लिमिटेड और तीसरी सुनील गर्ग एंड कंपनी है। इन तीनों ने मॉडल रोड बनाने के लिए बिड डाली थी। जिसमें एक कंपनी का चयन किया जाएगा। प्राधिकरण ने कहा कि अभी तीनों कंपनियों के दस्तावेज की जांच की जा रही है। अगले सप्ताह तक नाम को फाइनल किया जाएगा। अगस्त में काम शुरू कर दिया जाएगा।

इस रोड को मॉडल बनाने के लिए 41 करोड़ रुपए खर्च होंगे। ये रोड नोएडा की सबसे व्यस्त रोड में शामिल है। इसलिए इसका स्ट्रक्चर डिजाइन भी खास तैयार किया गया है। ताकि आने-जाने वाले ट्रैफिक को यहां जाम न मिले। कंपनी को 3 महीने में पूरी सड़क को मॉडल रोड के रूप में विकसित करनी होगी। बता दे नोएडा की ये रोड सामरिक दृष्टि ये

- **किसी एक कंपनी का किया जाएगा चयन**
- **तीन महीने में पूरा करना होगा सारा काम**

महत्वपूर्ण है। ये रोड नोएडा इंडस्ट्रियल जोन में आती है साथ ही दिल्ली के 2 बार्डर को जोड़ती है। इसमें अशोक नगर व झुंडपरा शामिल है। इस सड़क की लंबाई करीब दो किलोमीटर 500 मीटर है।

रोड को मॉडल रूप में विकसित करने के लिए जरुरी है। वहां की सभी यूटिलिटी को ऐसा स्ट्रक्चर देना कि वो होते हुए भी लोगों को न दिखे। यानी सभी सुविधाएं भूमिगत होंगी। ये यूटिलिटी डक्ट सड़क से दो मीटर गहराई में बनाया जाएगा। ताकि कोई भी समस्या आने पर सड़क को न खोदा जाए बल्कि डक्ट को खोलकर समस्या का निपटारा किया जा सके। ऐसे में यहां लाइटिंग केबल, इलेक्ट्रिसिटी केबल, वाटर सप्लाई लाइन, टेलिकॉम केबिल, गैस लाइन डक्ट में होंगी।

मॉडल रोड बनाने से पहले गोल चक्कर पर बनी अस्थाई पुलिस चौकी को शिफ्ट किया जाएगा। ये चौकी कहा बनाई जाएगी इसका स्थान चिन्हित नहीं है। इस पूरे रास्ता की स्पीड लिमिट 30 कि.मी. प्रतिघंटा होगी। इससे ज्यादा होने पर सड़क पर लगे स्पीड मीटर से ऑटोमैटिक चालान जनरेट हो जाएगा। इसका ध्यान रखना होगा।

वर्तमान में ये रोड को डिवाइडर लगाकर पार्ट में नहीं किया गया है। इस रोड को चार लेन का किया जाएगा। इसके बीच सेंट्रल वर्ज होगी। जिससे एक तरफ से यातायात जाएगा और दूसरी तरफ से आएगा। बीच में एक चौराहा भी होगा। इस चौराहे के दोनों ओर स्पीड ब्रेकर बनाए जाएंगे। दोनों ओर 26.4 मीटर में ऑटो स्टैंड बनाया जाएगा। ताकि बीच सड़क पर ऑटो न रुके। सड़क की सुंदरता को बढ़ाने के लिए यहां लो हाइट पोल लगाए जाएंगे। और क्रासिंग पर हाइट पोल लगेंगे। यहां सड़क पर सफेद एलईडी लाइट लगाई जाएंगी।

लॉकर से 1.36 लाख रुपए की चोरी

नोएडा, 10 जुलाई (देशबन्धु)। ऑफिस के अंदर रखी आलमारी का लॉकर लेकर चोर फरार हो गए। लॉकर में एक लाख 35 हजार 739 रुपए की नकदी रखी हुई थी। वारदात को अंजाम देते हुए बदमाश सीसीटीवी कैमरे में कैद हुए हैं। घटना की रिपोर्ट करीब 130 दिन बाद दर्ज की गई है। सेक्टर-24 पुलिस को दी शिकायत में बुलंदशहर के सिकंदराबाद निवासी वसीम खान ने बताया कि वह सेक्टर-11स्थित एक कंपनी में मैनेजर के पद पर कार्यरत हैं। बीते 28 फरवरी को जब वसीम ऑफिस पहुंचे तो शटर का ताला टूटा हुआ था। अंदर रखी आलमारी गिरी दी थी कैश लॉकर गायब था। लॉकर में ही पैसे रखे हुए थे। शिकायतकर्ता ने जब ऑफिस का सीसीटीवी कैमरा चेक किया तो चोर अंदर जाते हुए दिखाई दिए। सीसीटीवी फुटेज के आधार पर पुलिस आरोपियों की पहचान कर रही है।

गोल्फ कोर्स के निर्माण में 11 करोड़ अधिक होंगे खर्च

नोएडा, 10 जुलाई (देशबन्धु)। सेक्टर-151ए इंटरनेशनल गोल्फ कोर्स परियोजना को एक साल में पूरा करना था। ये परियोजना जुलाई 2021 में शुरू की गई। अब तक इसका 63 प्रतिशत ही काम पूरा हो सका है। इस देरी का कारण विकास के लिए जमीन का अधिग्रहण नहीं हो पाना है। नतीजन, परियोजना की लागत में 11 करोड़ रुपये की बढ़ोतरी हो रही है। इसमें सिविल का काम 69 करोड़ में किया जाना है। इस गोल्फ कोर्स को अंतरराष्ट्रीय स्तर का बनाया जाना है। भूमि अधिग्रहण की बाधा दूर करने के लिए प्राधिकरण ने प्रशासन से कामबक्शपुर गांव की 2.5 हेक्टेयर जमीन अधिग्रहण करने का अनुरोध किया है। अधिकारियों ने संकेत दिया है कि एक बार भूमि अधिग्रहण प्रक्रिया हो जाए इसके बाद 6 महीने में काम पूरा कर लिया जाएगा। मार्च 2025 तक परियोजना को पूरा करने का लक्ष्य रखा गया। इस साल की शुरुआत में प्राधिकरण ने गोल्फ कोर्स के निर्माण

- **बोर्ड में रखा जाएगा प्रस्ताव**
- **अब तक जमीन का नहीं हुआ है अधिग्रहण**

में लागत वृद्धि और भूमि अधिग्रहण से संबंधित मद्दों के समाधान के लिए एक समिति का गठन किया था।

अधिकारियों ने कहा कि बोर्ड की मंजूरी के बाद परियोजना के काम में तेजी आएगी। 113 एकड़ में फैले गोल्फ कोर्स प्रोजेक्ट को सितंबर 2019 में नोएडा प्राधिकरण बोर्ड द्वारा अनुमोदित किया गया था। प्रस्ताव में सेक्टर 151 ए में एक गोल्फ कोर्स, क्लब, हेलीपोर्ट योजना शामिल थी। इसके बाद जुलाई 2021 में लगभग 69 करोड़ रुपए की लागत से सिविल कार्य को शुरू किया। जिसमें बागवानी और विद्युत फिटमेंट पर 25 करोड़ रुपए की लागत आने का अनुमान है। वर्तमान में यहां ओरियन आर्किटेक्ट्स द्वारा दिए गए डिजाइन के अनुसार काम किया जा रहा है।

विक्रम एन्क्लेव व शालीमार गार्डन में चला जीडीए का पीला पंजा

गजियाबाद, 10 जुलाई (देशबन्धु)। जीडीए का बुलडोजर बुधवार को प्रवर्तन जोन-8 के विक्रम एन्क्लेव, शालीमार गार्डन चलाया गया। सुनील कुमार, सतीश यादव व अन्य द्वारा भूखण्ड

संख्या-26, 80 फुटा रोड विक्रम एन्क्लेव, शालीमार गार्डन एक्स0-।, गाजियाबाद पर लगभग 1100 वर्ग गज क्षेत्रफल में छोटे-छोटे भूखण्डों के विभाजन में किए गए अवैध निर्माण एवं सलाउद्दीन इमरान द्वारा भूखण्ड संख्या-बी-129, शालीमार गार्डन मैन, साहिबाबाद, गाजियाबाद भवन की छत पर किए गए अवैध निर्माण को तोड़ा गया। प्रवर्तन जोन-8 के पर प्रभारी ने निर्देशित किया गया कि प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत बिना मानचित्र स्वीकृति के कोई कार्य न कराया जाए तथा जोन से सम्बन्धित सहायक अभियन्ता, अवर अभियन्ता तथा सुपरवाईजर स्टाफ द्वारा सतत् निगरानी रखते हुए यह सुनिश्चित किया जाए कि उक्त अवैध निर्माण पुन: प्रारम्भ न होने पाए। प्राधिकरण द्वारा लगातार अवैध निर्माण/विकास कार्य के विरूद्ध विधिसम्मत् कार्यवाहियां जारी रहेगी।

तत्क्रम में निर्माणकर्ताओं/ विकासकर्ताओं को निर्देशित किया जाता है कि गाजियाबाद् विकास प्राधिकरण क्षेत्रान्तर्गत भूमि पर विधिवत मानचित्र स्वीकृत के अनुसार ही निर्माण किया जाए। इसके साथ ही आम जनमानस को भी सूचित किया जाता है कि किसी भी वादग्रस्त/विवादित निर्माण में सम्पत्ति का क्रय-विक्रय न करें।

'सफाई अपनाओ, बीमारी भगाओ' मुहिम के तहत निगम के स्वास्थ्य योद्धाओं ने संभाली कमान

गाजियाबाद, 10 जुलाई (देशबन्धु)। नगर आयुक्त विक्रमादित्य सिंह मलिक के निर्देश अनुसार आंतरिक वार्डों में भी स्वच्छता की मुहिम चल रही है जिसमें गाजियाबाद नगर निगम की स्वच्छ भारत मिशन टीम घर-घर जाकर शहर वासियों को स्वच्छता का संदेश दे रही है, सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ का संदेश जन जन को पहुंचाया जा रहा है तथा वार्डों की आंतरिक सफाई को भी प्रबल किया जा रहा है।

नगर आयुक्त के बताया कि गाजियाबाद नगर निगम शासन के आदेश के क्रम में शहर वासियों को स्वच्छता के प्रति जागरूक कर रहा है मुख्य मार्गों के साथ-साथ आंतरिक वार्डों में सफाई का विशेष ध्यान दिया जा रहा है। समस्त स्वास्थ्य विभाग की टीम तथा स्वच्छ भारत मिशन की टीम जन सहभागिता से सफाई की प्रति निवासियों को जागरुक कर रही है, सफाई अपनाओ बीमारी भगाओ के क्रम में शासन की

गाइडलाइन के अनुसार कार्य चल रहा है। एंटी लारवा का छिड़काव नालियों में किया जा रहा है नालियों की पूर्ण रूप से सफाई की जा रही है।

गाजियाबाद नगर निगम स्वास्थ्य विभाग की टीम तथा एसबीएम टीम द्वारा समस्त जोन में वार्डों की आंतरिक गलियों में सफाई कराई गई इसी के साथ टीम द्वारा जन-जन को भी साफ रहने के लिए संदेश दिया जिसमें स्वच्छ शहर स्वस्थ नागरिक का संदेश दिया गया वार्ड संख्या 02 विजयनगर जोन के अंतर्गत अभियान चला, जिसमें लोगों को स्वच्छता के लिए जागरूक किया गया। वार्ड संख्या 40 वसुंधरा जोन अंतर्गत झंडापुर के स्कूलों में विद्यार्थियों को सफाई का संदेश दिया गया, वार्ड संख्या 59 सिटी जोन अंतर्गत हर घर को कचरा पृथक्करण के लिए जागरूक किया गया। वार्ड संख्या 86 मोहन नगर जोन के निवासियों को भी स्वच्छता के साथ-साथ स्वास्थ्य का नाता बताया गया, कवि नगर जोन अंतर्गत वार्ड 71 में भी अभियान के रूप में सफाई कराई गई तथा स्वच्छता का संदेश दिया गया। यही प्रक्रिया गाजियाबाद नगर निगम द्वारा निरंतर चल रही है जिसमें जनप्रतिनिधियों की विशेष सहयोग से स्वच्छता का संदेश हर घर तक पहुंचा जा रहा है जो की सराहनीय है। जिसमें स्वास्थ्य योद्धाओं की विशेष भूमिका देखने को मिल रही है। नगर आयुक्त द्वारा भी शहर वासियों से खुद को स्वस्थ रखने के लिए स्वच्छता अपनाने की अपील की गई है।

श्रमिक योजना के फ्लैट हुए कमजोर, गिरा छत का छज्जा

नोएडा, 10 जुलाई (देशबन्धु)। करीब ग्यारह साल पहले नोएडा प्राधिकरण की तरफ से सेक्टर-122 में श्रमिक योजना के तहत बनाए गए फ्लैट के ढांचे कमजोर हो चुके हैं। बुधवार को एक फ्लैट की छत का छज्जा गिरने से तीन बच्चे घायल हो गए। इस हादसे से अन्य फ्लैट में रह रहे लोग चिंतित हो गए हैं। इस इमारत में यह हादसा हुआ, उस ब्लॉक में कोई नहीं रह रहा था।

नोएडा प्राधिकरण ने श्रमिक आवास योजना के तहत सेक्टर-122 में श्रमिक योजना के तहत करीब 3472 फ्लैट बनाए थे। इनको बनाने में करीब 40 करोड़ रुपए का खर्चा आया था। इसमें करीब 1700 परिवार रहते हैं। बुधवार को इस परिसर के 10 ब्लॉक का सबसे ऊपर छज्जे का हिस्सा गिर गया। इसके नीचे कुछ बच्चे खेल रहे थे। बताया जा रहा है छज्जा गिरने से नीचे खेल रहे तीन बच्चे घायल हो गए। बच्चों को मामूली चोटें आई हैं। यह फ्लैट सेक्टर-4, 5, 6, आदि सेक्टरों में स्थित झुग्गियों में रह रहे लोगों को दिए जा रहे हैं। यहां अभी करीब 1700 फ्लैट में लोग रह रहे हैं। नोएडा झुग्गी-झोपड़ी सेवा उत्थान समिति के अध्यक्ष उदय सिंह ने बताया कि बच्चों को मामूली चोटे आईं थीं। जिन ब्लॉक में यह हादसा हुआ है। उस ब्लॉक के फ्लैट प्राधिकरण ने अभी आवंटित नहीं किए हैं।

अवैध निर्माण की बांट जोह रहा खोड़ा, हादसे को दावत दे रही अवैध इमारत

■ **सीपी पाठक**

खोड़ा, 10 जुलाई (देशबन्धु)। जब बाड़ की रखवाली करने वाला ही बाड़ को चट करने लगे। तो उस बाड़ की रक्षा ऊपर वाला भी नहीं करता। कुछ ऐसे ही मामले खोड़ा नगर पालिका परिषद में चरितार्थ हो रहे है। निकाय क्षेत्र के अवैध निर्माण का खेल बदस्तूर जारी है। चाहे बेसमेंट हो अथवा पांचवी मंजिल का अवैध निर्माण। नगर पालिका परिषद के अधिकारियों के प्रयास के बावजूद भी नही रुक रहा है। बाद में होती है सीलिंग और मुकदमा पंजीकृत करवाने की कागजी कार्रवाई।

मामला चाहे सरकारी जमीनों को कब्जाने का हो अथवा अवैध निर्माण का थोड़ी सी बाधाओं के उपरांत सब ठीक हो जाता है। यही तो वजह है कि आज नगर पालिका परिषद के पास किसी प्रमुख बाजार या चौराहे पर यूरिनल के लिए जगह उपलब्ध नहीं है। लोग चंद रुपयों की लालच में अधाधुंध अवैध निर्माण जल दोहन करने से गुरेज नहीं करते। यहां किराएदारी का कारोबार चरम पर है। नोएडा दिल्ली गाजियाबाद की फैक्ट्रियों में कार्यरत कामगारों को सुलभ और सस्ता मकान

- **दिनोंदिन स्थिति होती जा रही बदतर**
- **पालिका परिषद की लचर व्यवस्था से बन चुके सैकड़ों बेसमेंट**

आसानी से मिल जाता है। दिनोंदिन स्थिति बद से बदतर होती जा रही है। पांच सात सौ फिट की गहराई और हजारों की संख्या में बोरो की वजह से जमीन से पानी के अत्यधिक दोहन के साथ धरती माता की कोख खोखली होती जा रही है। समय रहते प्रशासन और आमजन नही चेता तो भूकंप और तूफान से कभी भी भारी त्रासदी झेलनी पड़ सकती है।

अवैध निर्माण की वजह

नगर पालिका परिषद के पास भवन नियमावली नही है।भवन नियमावली गाजियाबाद विकास प्राधिकरण में विचाराधीन है। नपा के पास जिम्मेदार कर्मचारियों का अभाव है। अधिकारी मामले की तह तक नही जाते। अवैध निर्माण से होने वाली उगाही का मामला भी अहम है। अवैध निर्माण के खेल में कुछ अदृश्य शक्तियां भी सक्रिय है। कुछ मामलों में सभासद और जनप्रतिनिधियों के हस्तक्षेप की वजह से अधिकारी कारवाई से बचते है। पिछले चार वर्षो से नपा द्वारा सीलिंग और मुकदमा पंजीकृत कराने के अलावा कोई ध्वस्तीकरण की प्रभावी कारवाई नही की। नगर पालिका परिषद के प्रभारी अधिशासी अधिकारी के के मिश्र का कहना है कि अवैध निर्माण की शिकायत मिलने पर प्रभावी ढंग से कानूनी कारवाई की जा रही है। मकानों की सीलिंग के उपरांत मुकदमा दर्ज करवाया जाता है। यदि लोग नियमो का पालन नहीं करेगे तो ध्वस्तीकरण की कारवाई की जाएगी। नगर पालिका की चेयरमैन मोहिनी शर्मा का आरोप है कि नपा कर्मचारी ही अवैध निर्माण करवाकर पैसे वसूल रहे है।उन्हें हटाए जाने पर ई ओ द्वारा पुन: रख लिया जाता है। जिसकी वजह से अवैध निर्माण रोकने में सफलता नहीं मिलती । आरोप है कि नपा के अधिकारी समस्याओं के प्रति गंभीर नहीं है।

नगर पालिका परिषद बोर्ड द्वारा प्रस्तावित नियमावली के अनुसार यहां पर ग्राउंड + तीन मंजिला भवन के निर्माण की अनुमति है। बेसमेंट बनाने की इजाजत नहीं है। नगर पालिका परिषद की लचर व्यवस्था की वजह से सैकड़ों बेसमेंट बन चुके है। प्रत्येक पचास मकान के बाद एक पांचवी मंजिल का अवैध निर्माण भी देखने को मिलेगा। दो दिन पहले नरेश विहार गली नंबर दो गीता देवी पांचवी मंजिल पर निर्माण करवा रही थी। नपा के चार पांच कर्मियों द्वारा निर्माण रुकवाने के दौरान बहस हो गई। गीता देवी ने थाने में तहरीर देकर आरोप लगाया कि नपा कर्मियों द्वारा पांच लाख में लेटर डलवाने की मांग की गई। एक लाख लेंटर पड़ने से पहले ले लिया। लेंटर डालने से पहले ही पहुंचकर बाकी पैसे की डिमांड की। परिवार के लोगों के साथ मारपीट की गई। नपा के अवर अभियंता द्वारा दी गई तहरीर में अवैध निर्माण करने सरकारी कार्य में बाधा डालने की बात की गई है। बहरहाल पुलिस मामले की जांच कर रही है। आखिर दाल में कुछ तो काला है। प्रशासन की इच्छाशक्ति हो तो मजाल क्या कोई एक इंच अवैध निर्माण कर ले। सिस्टम में खामियों की वजह से ही दो माह के अंदर दर्जनों बेसमेंट और पांचवी मंजिल पर अवैध निर्माण करके नपा बोर्ड के नियमो की धज्जियां उड़ाई जा रही है। नगर पालिका परिषद के पास निर्माण में एक अवर अभियंता और पांच संविदाकर्मी है। अवैध निर्माण को लेकर कोई भी गंभीर नहीं है। अवैध निर्माण को लेकर ई ओ और चेयरमैन पर भी लोग आरोप लगाते है। मगर असली खेल तो अवैध निर्माण से होने वाली कमाई का है। दो वर्ष पहले अवैध निर्माण को रोकने के लिए अवर अभियंता के नेतृत्व में प्रवर्तन दल की चार सदस्यीय टीम थी। अवैध उगाही की शिकायते मिलने पर पूर्व अधिशासी अधिकारी द्वारा प्रवर्तन दल को भंग कर निर्माण कार्य संविदाकर्मियों को दे दिया गया। दो चार माह स्थिति नियंत्रण में रही।

उवाच "

विक्रांत तोगड़ के द्वारा शिकायत की गई थी कि देबू मोटर्स में बिना किसी परमिशन के काफी पेड़ों को काट दिया गया है। हमारी टीम मौके पर पहुंची और पाया कि काफी पेड़ काटे गए थे। इस मामले में तत्काल प्रभाव से मुकदमा दर्ज कराया गया और वह जगह को सील कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है : **प्रमोद कुमार श्रीवास्तव, जिला वन अधिकारी**

यीडा के 1326 आवंटियों को 14 साल बाद भूखंड पर मिलेगा कब्जा

- **सेक्टर-18 व 20 के 1326 आवासीय आवंटी भूखंड पर कब्जा मिलने का कर रहे थे इंतजार**
- **परसौल गांव की जमीन का विवाद कोर्ट में होने के कारण आवंटियों को नहीं मिल पा रहा था कब्जा**

परसौल गांव में 86 हेक्टेयर जमीन पर कब्जा मिलने के बाद 1326 आवंटियों को 14 साल बाद भूखंड पर कब्जा मिलने का रास्ता साफ हो गया। दिसंबर तक सभी 1326 आवंटियों भूखंड पर कब्जा दे दिया जाएगा। अब सेक्टर-18-20 में सभी 21 हजार आवंटियों को भूखंड पर कब्जा मिल जाएगा। इसके अलावा प्राधिकरण को परसौल गांव की अतिरिक्त जमीन पर भी कब्जा मिल जाएगा। जिस पर दीपावली तक उस जमीन पर आवासीय भूखंड की योजना लाई जाएगी : डॉक्टर अरूणवीर सिंह, सीईओ यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा,10 जुलाई (देशबन्धु)। यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के सेक्टर-18 व 20 के 1326 आवासीय भूखंड आवंटियों के लिए खुशखबरी है। परसौल गांव की जमीन का विवाद कोर्ट में होने के कारण इन आवंटियों को भूखंड पर कब्जा नहीं मिल पा रहा था। परसौल गांव के किसानों ने कोर्ट से केस वापस ले लिया है। किसानों ने प्राधिकरण को जमीन देने के लिए सहमत हो गए है। प्राधिकरण ने किसानों ने सहमति के आधार पर जमीन खरीदने की प्रक्रिया भी शुरू कर दी है।

अब इन 1326 आवंटियों को दिसंबर तक अपने भूखंड पर कब्जा मिल जाएगा। सेक्टर-18-20 के सभी 21 हजार आवासीय भूखंड पर कब्जा मिलने की सभी अड़चन दूर हो गई है।

बता दें कि यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण ने 2009 में सेक्टर-18-20 में 300 वर्गमीटर से लेकर 4000 वर्गमीटर के 21 हजार भूखंड़ों की योजना निकाली थी। प्राधिकरण ने 14 गांवों की जमीन पर भूखंड की योजना निकाली थी। उस समय प्राधिकरण ने बिना जमीन अधिग्रहण किए योजना निकाली थी। योजना निकालने के बाद प्राधिकरण ने जमीन अधिग्रहण की प्रक्रिया शुरू की थी। जिसमें गांव भट्ठा और परसौल के ग्रामीणों ने जमीन अधिग्रहण का विरोध करते हुए इसके खिलाफ कोर्ट में याचिका दायर कर दी थी। जिससे 2126 आवंटियों को भूखंड पर कब्जा नहीं मिल पाया। इसमें सेक्टर-18 के 4ए, 6बी, 6सी ब्लाक और सेक्टर 20 के के, एच और एन ब्लाक के आवंटी शामिल थे।

परसौल गांव के किसानों की तरफ से जमीन पर कब्जा न देने के कारण प्राधिकरण ने उसे अधिग्रहण से बाहर कर दिया था। परसौल गांव के 7ए, 7 बी, 7 सी ब्लाक के आवंटियों को भूखंड दूसरे गांव महमूदपुर खेड़ा में शिफ्ट कर दिया था। परसौल गांव की जमीन प्राधिकरण के मास्टर प्लान से बाहर होने के बाद किसानों ने यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण के सीईओ से मिलकर मास्टर प्लान में शामिल करने की मांग रखी थी। जिस पर प्राधिकरण सीईओ ने शर्त रखी कि पहले कोर्ट से केस वापस ले और लिखित में जमीन देने की सहमति दे। इसके लिए किसान सहमत हो गए। पिछले साल प्राधिकरण ने भट्ठा गांव के किसानों द्वारा केस वापस लेने के बाद प्राधिकरण उनकी जमीन सहमति से खरीद लिया और अतिरिक्त मुआवजा देकर जमीन पर कब्जा लिया। जिससे 800 आवंटियों को भूखंड पर कब्जा मिलने का रास्ता साफ हो गया। इसके बाद भी 1326 आवंटियों को भूखंड पर कब्जा नहीं मिल पाया। परसौल गांव की 86 हेक्टेयर जमीन देने को किसान सहमत हो गए। प्राधिकरण ने सहमति के आधान पर उनका जमीन का क्रय करने की प्रक्रिया शुरू कर दिया। सहमति से जमीन देने वाले किसानों की सूची प्राधिकरण की तरफ से प्रकाशित भी करा दिया। इन गांवों को अतिरिक्त मुआवजा देकर प्राधिकरण जल्द जमीन पर कब्जा प्राप्त करेगा और 1326 आवंटियों को दिसंबर तक भूखंड पर कब्जा देगा।

यीडा सिटी में होटल भूखंड आवंटन संदेह के घेरे में, जांच कमेटी गठित

- **यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण ने एक ही कंपनी को आवंटित कर दिया दो होटल का भूखंड**
- **यीडा सीईओ ने आवंटन पत्र जारी करने से रोका, आवंटन में प्रक्रिया का पालन नहीं**

ग्रेटर नोएडा,10 जुलाई (देशबन्धु)। नोएडा और ग्रेटर नोएडा में अभी तक जितने होटल के भूखंड आवंटित किए उनके आवंटी पर धांधली का आरोप लग चुका है। यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण ने पहली बार होटल के लिए भूखंड की योजना निकाली, उसका भी आवंटन संदेह के घेरे में आ गया है। आरोप है कि एक ही कंपनी को दो होटल का भूखंड का आवंटन कर दिया। आवंटन के दौरान ब्रोशर की शर्तों का पालन नहीं किया गया। जबकि यह योजना थ्री, फोर और फाइव स्टार होटल के लिए थी। ओयो चलाने वाली कंपनी को ही दोनों भूखंड का आवंटन कर दिया।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण के मुख्य कार्यपालक अधिकारी डॉक्टर अरूणवीर सिंह के संज्ञान में यह मामला आने पर उन्होंने भूखंड का आवंटन पत्र जारी करने पर रोक लगा दी है। कंपनी का सत्यापन कराने के लिए एक जांच कमेटी गठित कर दी है। आवंटन के लिए गठित समिति के सदस्यों की भूमिका भी इस मामले में संदिग्ध मानी जा रही है।

यमुना एक्सप्रेसवे प्राधिकरण ने लोकसभा चुनाव से पहले सेक्टर-28 में 5000, 10,000, 20,000 वर्गमीटर के पांच होटलों के भूखंड की योजना निकाली थी। भूखंडा का आवंटन ई-ऑक्शन से रखा गया था। योजना के ब्रोशर की शर्तों के अनुसार के थ्री, फोर, फाइव स्टार वाले होटल को ही भूखंड का आवंटन किया जाना था। आवेदनों की जांच कराने के लिए 5000 और 10,000 वर्गमीटर के भूखंड में चार कंपनियां को ई-ऑक्शन में शामिल किया गया। मंगलवार को ई-ऑक्शन के माध्यम से भूखंड का आवंटन किया गया। जिसमें एक ही कंपनी राज कॉरपोरेशन की रंजीश होटल सबसे ज्यादा बोली लगाकर दोनों भूखंड हासिल कर लिया। जबकि रंजीश होटल लखनउ में ओयो चलाता है। वह थ्री और फोर स्टार होटल की श्रेणी में भी नहीं आता है। होटल आवंटन को लेकर मंगलवार को प्राधिकरण की तरफ से मीडिया को बयान जारी किया गया उसमें किस कंपनी को होटल आवंटित किया गया उसका उल्लेख तक नहीं किया। बताया जाता है कि योजना में कई बड़े होटल ने आवेदन किया था, उनके आवेदन में कमी बताकर ई-ऑक्शन में शामिल नहीं किया गया। ब्रोशर की शर्तों के अनुसार कंपनी को कम से कम तीन साल होटल चलाने का अनुभव होना चाहिए। आवंटन होने के बाद जब यमुना प्राधिकरण के सीईओ के संज्ञान में मामला आया तो उन्होंने आवंटन समिति से जवाब मांगा कि एक ही कंपनी को दोनों भूखंड कैसे आवंटित कर दिया और वह ओयो चलाने को आवंटित किया गया। सीईओ ने तुरंत दोनों होटल का आवंटन पत्र जारी करने पर रोक लगा दी है, और इसका सत्यापन करने के लिए एक कमेटी का गठन कर दिया।

> शर्तों के अनुसार ओयो चलाने को भूखंड का आवंटन नहीं होना चाहिए। राज कॉरपोरेशन एक कंस्ट्रक्शन कंपनी है, उसका सिर्फ लखनउ में शहीद पथ पर ओयो चलता है। टीम लखनउ जाकर कंपनी का सत्यापन करेगी। अगर उसने शर्तों का पालन नहीं किया तो उसका आवंटन निरस्त कर दिया जाएगा : **डॉक्टर अरूणवीर सिंह**

रेरा ने ऑनलाइन सुनवाई के लिए पक्षकारों को उपस्थित होने के लिए जारी की सूचना

ग्रेटर नोएडा,10 जुलाई (देशबन्धु)। उ.प्र. रेरा ने मुख्यालय, लखनऊ तथा क्षेत्रीय कार्यालय, गौतम बुद्ध नगर की पीठों से जुड़ी क्रमशः 23 व 19 शिकायतों में निर्धारित तिथियों पर पीठों (बेंच) की ऑनलाइन सुनवाई में शिकायत से जुड़े पक्षकारों को उपस्थित होने एवं अपना पक्ष रखने के लिए सार्वजनिक सूचना जारी की है। सुनवाई में उपस्थित नहीं होने से शिकायतकर्ता, पक्षकार की समस्या का समाधान नहीं हो पाता है तथा उनकी सुनवाई अगली तिथि के लिए निर्धारित करनी पड़ती है जो रेरा अधिनियम के उद्देश्यों के विपरीत एवं आवंटी या अन्य हिस्सेदारों के हितों के प्रतिकूल है।

मुख्यालय, लखनऊ से जुड़ी शिकायतें रोहटल प्रोजेक्ट्स लि., शामियाह इंटरनेशनल बिल्डर्स लि., अलावाह कन्स्ट्रक्शन्स, अर्थ इन्फ्रास्ट्रक्चर्स लि., गृह वाटिका होम्स प्रा. लि., आइकोनिक इंफरवेंचर लि., यूनीवर्ल्ड बिल्डर्स प्रा. लि., वन प्लस इन्फ्रास्ट्रक्चर्स प्रा. लि., प्रत्यक्ष इंफ्रा डेवलपर्स प्रा. लि., प्रापलरिटी इन्फ्रास्ट्रक्चर्स प्रा. लि., शाइनसिटी शॉपर्स प्रा. लि., अलाया कन्स्ट्रक्शन्स आदि की है। क्षेत्रीय कार्यालय, गौतम बुद्ध नगर से जुड़ी शिकायतें प्रापलरिटी इंफ्राटेक प्रा. लि., एयरविल स्मार्ट सिटी प्रा. लि., अर्थकॉन इंफ्राकॉन प्रा. लि., एम.एस.एक्स रियलटर्स प्रा. लि., सुपरसोनिक इंटेरटेन्मेंट प्रा. लि., आधार इंफ्राटेक प्रा. लि., कॉस्मिक स्ट्रक्चर्स प्रा. लि., न्यू ओखला इन्डस्ट्रीअल डेवलपमेंट अथॉरिटी, एच 2 ओ कन्स्ट्रक्शन्स प्रा. लि., ओम रियल्टी कन्स्ट्रक्शन्स, आदि की है। ई-कोर्ट के माध्यम से सुनवाई में जुडने के लिए पक्षकारों को नियत सुनवाई तिथि से 2 दिन पहले रजिस्टर्ड मोबाईल नम्बर और ई-मेल आईडी पर लिंक भेज दिया जाएगा, जिसपर क्लिक करके पक्षकार किसी भी स्थान से सुनवाई में जुड़ सकते है। यदि प्रोमोटर इस सार्वजनिक सूचना के बाद भी सुनवाई में उपस्थित नहीं होते है तो रेरा अधिनियम के प्राविधानों के तहत पीठों द्वारा एकतरफा फैसला दे देगा, जिसके जिम्मेदार स्वयं प्रोमोटर होंगे।

प्रेमिका से मिलने गए छात्र को लड़की के परिजनों ने पीटकर उतारा मौत के घाट

- **मृतक के दोस्त की हालत नाजुक**
- **पुलिस ने तीन आरोपियों को किया गिरफ्तार**

दनकौर,10 जुलाई (देशबन्धु)। दनकौर क्षेत्र के पीपलका गांव के पास घर से प्रेमिका से मिलने गए बीए के एक छात्र और उसके दोस्त को लड़की के परिवार के लोगों ने लाठी-डंडों से पीटकर बेरहमी से मंगलवार को घायल कर दिया था। जहां इलाज के दौरान एक युवक की अस्पताल में देर रात को मौत हो गई। जबकि दूसरे की हालत गंभीर बनी हुई है।

इस मामले में मृतक के परिजनों ने 6 नामजद समेत करीब 10 आरोपियों के खिलाफ कोतवाली में केस दर्ज कराया है। पुलिस ने इस मामले में 3 आरोपियों को बुधवार को गिरफ्तार कर कोर्ट में पेश करने के बाद जेल भेज दिया है। साथ ही पुलिस ने अन्य आरोपियों को जल्दी गिरफ्तार करने का दावा कर रही है। दनकौर कोतवाली क्षेत्र

के अस्तौली गांव निवासी कमल(17) बीए प्रथम वर्ष का छात्र था। बताया जाता है कि वह अपने ही गांव के दोस्त जितेंद्र के साथ पीपलका गांव के पास मंगलवार दोपहर को प्रेमिका से मिलने गया था। जिसकी भनक लड़की के परिजनों को लग गई। इस दौरान युवती के पिता ने परिवार के लोगों के साथ मौके पर पहुंचकर दोनों को पकड़ लिया। आरोप है की बेरहमी से दोनों की लाठी डंडों से पीटकर घायल कर दिया गया। जिसके बाद परिवार के लोगों को सूचना मिली तो वह घायल अवस्था में अपनी दोनों बेटे पुलिस के साथ जाकर लेकर आए घायल अवस्था में दोनों को ग्रेटर नोएडा के अस्पताल में भर्ती कराया गया था। जहां इलाज के दौरान कमल की देर रात को मौत हो गई। जबकि जितेंद्र की हालत गंभीर बनी हुई है। इस संबंध में मृतक के चचेरे भाई नरेंद्र ने आरोपी पक्ष के मिन्दर, हर्ष, संजय, सुमित, शोभिन और बॉबी समेत 10 लोगों पर हत्या करने का आरोप लगाते हुए कोतवाली में मुकदमा दर्ज कराया है। जिसके आधार पर पुलिस ने इस मामले में बुधवार को शोभिन, बॉबी और सुमित को गिरफ्तार जेल भेजा है। शिकायतकर्ता का आरोप है कि उनके भाई को कमल और उसके दोस्त जितेंद्र को आरोपी जबरदस्ती बाजार से गाड़ी में अपहरण करके ले गए थे।

जीबीयू के समाज कार्य विभाग में हुआ शत प्रतिशत प्लेसमेंट, ओम शर्मा को मिला 51 लाख का पैकेज

ग्रेटर नोएडा,10 जुलाई (देशबन्धु)। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के समाज कार्य विभाग में मास्टर ऑफ सोशल वर्क के सभी छात्र छात्राओं को आगामी वर्ष में कैंपस प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है। छात्रों को नौकरी देने में कई नामचीन एन जी ओ और कारपोरेट आर्गेनाईजेशन शामिल हैं समाज कार्य विभाग छात्रों के लिए मास्टर ऑफ सोशल वर्क और बैचेलर ऑफ सोशल वर्क के कोर्स चलाता है और फील्ड वर्क के जरिए उन्हें कोर्स के बाद नौकरी करने के लिए सक्षम बनाता है। इसी के साथ गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय के अन्य विभागों में भी छात्रों को प्लेसमेंट मिले हैं। कई नामचीन कारपोरेटे आर्गेनाइजेशन आगामी वर्ष में छात्र छात्राओं को नौकरी देने कैंपस में आए हैं। गौतम बुद्ध विश्वविद्यालय में इस बार उच्चतम सैलरी पैकेज 51 लाख का माइक्रोसॉफ्ट कंपनी में बीटेक के छात्र ओम शर्मा ने प्राप्त किया तथा 8 छात्रों का कूपरहीट, सऊदी अरब में इंटरनेशनल प्लेसमेंट हुआ। ये 8 छात्र एम एस सी फिजिक्स, केमिस्ट्री और बीटेक इलेक्टिकल और मैकेनिकल ब्रांच से है। कूपरहीट सऊदी अरब की एक बड़ी कंपनी है। जीबीयू के कुलपति प्रो रविंद्र कुमार सिन्हा ने सभी छात्र छात्राओं की सराहना की जिन्हें कैंपस प्लेसमेंट प्राप्त हुआ है और उन्हें अपनी शुभकामनाएं दी। प्रोरविंद्र कुमार सिन्हा का कहना है कि, जीबीयू में हम विशेष प्रकार से ध्यान रखते हैं की हमारे छात्र छात्राओं को अपनी शिक्षा पूरी करने के बाद नौकरी मिल सके जिससे की वह देश के अच्छे नागरिक बन पाए और देश और समाज कल्याण में अपना योग दान दे पाएं। विश्वविद्यालय के कुलसचिव डॉ विश्वास त्रिपाठी ने भी सभी छात्रों को शुभकामनाएं दीं और उनके उज्जवल भविष्य के लिए छात्र छात्रों को प्रोत्साहन प्रदान किया।

इंजीनियरिंग में दाखिले के लिए पंजीकरण अब 17 जुलाई तक, गलत डिटेल भरने वालों को मिली राहत

ग्रेटर नोएडा,10 जुलाई(देशबन्धु)। डॉ. एपीजे अब्दुल कलाम प्राविधिक विश्वविद्यालय से संबद्ध प्रदेश के इंजीनियरिंग संस्थानों में प्रवेश के लिए चल रही ऑनलाइन पंजीकरण की तिथि को बढ़ाकर 17 जुलाई कर दिया गया है। अभी तक पंजीकरण की अंतिम तिथि 10 जुलाई थी। बुधवार तक 44 हजार से ज्यादा छात्रों ने अपना पंजीकरण करा लिया। इन छात्रों ने निर्धारित शुल्क जमा भी कर दिया है। वहीं, एमबीए और एमसीए में 2 हजार तो बीआर्क में 160 छात्रों ने रजिस्ट्रेशन कराया है। ऐसे छात्र जिन्होंने ऑनलाइन पंजीकरण के दौरान एकेटीयू और पेपर कोड चयनित किया है, लेकिन गलती से एमबीए और एमसीए की जगह इंजीनियरिंग भर दिया है उन्हें पंजीकरण की अनुमति दी गई है। वहीं, 23 जून तक नाटा की ओर से आयोजित परीक्षा में शामिल छात्र भी पंजीकरण कर सकेंगे।

पद्म विभूषण, पद्म भूषण व पद्म श्री उपाधियों के लिए 15 जुलाई तक करें आवेदन

ग्रेटर नोएडा,10 जुलाई (देशबन्धु)। विगत वर्षों की भांति आगामी गणतंत्र दिवस 26 जनवरी 2025 को पद्म विभूषण, पद्म भूषण तथा पद्मश्री की उपाधियां भारत सरकार द्वारा दी जानी है।

आगामी वर्ष 2025 हेतु भारत सरकार द्वारा उक्त उपाधियों के ऑनलाइन आवेदन की व्यवस्था की गई है, जिसके फलस्वरुप विभिन्न क्षेत्रों यथा कला, सामाजिक कार्य, सार्वजनिक मामले, विज्ञान और प्रोद्योगिकी, व्यापार और उद्योग, चिकित्सा, साहित्य और शिक्षा, सिविल सेवा, खेल एवं अन्य में विशिष्ट एवं उत्कृष्ट, योगदान एवं सेवा से संबंधित महानुभावों के बारे में संस्तुतिया राज्य सरकार द्वारा ऑनलाइन भारत सरकार को भेजी जानी है। सहायक निदेशक सूचना सुनील कुमार कनौजिया ने जानकारी देते हुए बताया कि संबंधित महानुभाव अपना साइटेशन दो प्रतियों में समस्त वांछित संलग्नकों सहित 15 जुलाई 2024 तक जिला सूचना कार्यालय गौतम बुद्ध नगर कक्ष संख्या 201 ए प्रथम तल कलेक्टरेट कंपाउंड सूरजपुर ग्रेटर नोएडा में उपलब्ध करा दें। साइटेशन में समाज के कल्याण के लिए किए गए कार्यों, समाज सेवा कार्यों को भी उजागर किया जा सकता है। साथ ही राष्ट्रीयध्राज्य स्तरीय पुरस्कारों, यदि कोई हों या कोई अन्य महत्वपूर्ण तथ्य का विवरण भी दें सकते हैं।

विवाद में सिर पर डंडा मारकर हत्या

ग्रेटर नोएडा, 10 जुलाई (देशबन्धु)। सूरजपुर कोतवाली क्षेत्र के गुलिस्तानपुर गांव में दोस्त ने ही दोस्त की हत्या कर दी। शराब पीने के दौरान दोनों के बीच कमरे में बच्चे को बुलाने को लेकर विवाद हुआ था। जिसके बाद एक ने दूसरे दोस्त के सिर पर डंडा मारकर हत्या कर दी। पुलिस ने मृतक के शव का पंचनामा भरकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। वहीं, पुलिस ने पूछताछ के लिए आरोपी को हिरासत में ले लिया है। जानकारी के अनुसार, गुलिस्तानपुर गांव में शाहरुख और कर्ण दोनों एक ही बिल्डिंग में अलग-अलग कमरा लेकर रहते थे। शाहरुख जूस का ठेला लगाकर अपनी गुजर बसर करता था, जबकि कर्ण एक कंपनी में सफाई कर्मचारी है। पुलिस का कहना है कि दोनों एक कमरे में बैठकर शराब पी रहे थे। तभी उन्हें कोई बच्चा दिखाई दिया। कर्ण ने अपने दोस्त शाहरुख से बच्चे को बुलाने को कहा। शाहरुख ने उस दौरान बच्चे को बुलाने से इनकार कर दिया। इसी को लेकर दोनों के बीच बहसबाजी हो गई। कर्ण ने पास में रखा डंडा शाहरुख के सिर में दे मारा।

यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

प्रथम तल, कॉमशियल कॉम्पलेक्स, पी-2, सैक्टर-ओमेगा-1, ग्रेटर नोएडा, जनपद गौतमबुद्ध नगर-201308 (उ0प्र0)

सार्वजनिक सूचना

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम निलौनी शाहपुर में उप जिलाधिकारी सदर से प्राप्त परिवार सदस्यता प्रमाण पत्र संख्या 376/एस0टी0-एस0डी0एम0/2017, दिनांक 25.10.2017 व मृतक श्री महरूददीन पुत्र श्री सफी मोहम्मद, नि0 मौ0 प्रेमपुरी परगना दनकौर तहसील जिला गौतमबुद्धनगर के स्थान पर उनके वारिसानों के नाम दर्ज निम्न प्रकार दर्ज किया जाना प्रस्तावित है।

ग्राम का नाम	खसरा संख्या	मृतक काश्तकार का नाम	मृतक के परिवारिक सदस्यों के नाम	मृतक से संबंध	आयु लगभग
निलौनी शाहपुर	269	श्री महरूददीन पुत्र श्री सफी मोहम्मद, नि0 मौ0 प्रेमपुरी परगना दनकौर तहसील जिला गौतमबुद्धनगर	श्रीमती महरूनिशा	पत्नी	44 वर्ष
			श्री फिरोज	पुत्र	22 वर्ष
			श्री आमीर	पुत्र	19 वर्ष
			समरीन	पुत्री	19 वर्ष
			सिमरन	पुत्री	14 वर्ष
			मोनीश	पुत्र	12 वर्ष

उपरोक्त वारिसानों के संबंध में यदि किसी व्यक्ति को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 15 दिन के अन्दर अपनी आपत्ति प्राधिकरण कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखों में मृतक के स्थान पर इनके वारिसानों का नाम 07 प्रतिशत आबादी भूखण्ड एवं 64.7 प्रतिशत अतिरिक्त प्रतिकर संबंधी अभिलेखों में दर्ज करा दिया जायेगा।

तहसीलदार
यमुना एक्सप्रेसवे औद्योगिक विकास प्राधिकरण

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
पश्चिमी उतर प्रदेश ब्यूरो कार्यालय
209 कृष्णा अपरा प्लाजा अल्फा कॉमर्शियल बेल्ट, ग्रेटर नोएडा
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के लिए संम्पर्क करें
खोया-पाया/ सूचना/ नाम परिवर्तन/ आवश्यकता
फोनः- 0120-4270009

पत्र नहीं मित्र
देशबन्धु
समाचार, विज्ञापन एवं प्रसार के संपर्क करें
क्षेत्रिय कार्यालय रबुपुरा
Mob: 9411492655

Shiv Mahima Enterprises
सभी प्रकार के विज्ञापन के लिए सम्पर्क करें
नाम परिवर्तन, खोया पाया, सूचना, अवश्यकता
Mob.: 9910280173
Off.-221, 2nd Floor, Meridian View Plaza, Alpha Comm. Belt, Gr. Noida

शकुंतलम लैंडक्राफ्ट की जमीन को वन विभाग ने किया सील

- **बिना अनुमति के काट दिए गए हजारों पेड़, बनाया जा रहा है औद्योगिक पार्क**
- **जमीन की नीलामी में शकुंतलम लैंडक्राफ्ट को मिली थी जमीन**

ग्रेटर नोएडा,10 जुलाई (देशबन्धु)। शकुंतलम लैंड क्राफ्ट की जमीन पर वन विभाग के द्वारा बड़ी कार्रवाई की गई है। वन विभाग ने शकुंतलम लैंडक्राफ्ट की करीब 1200 बीघा जमीन को सील कर दिया है। देबू मोटर्स की जमीन पर मौजूद बड़ी संख्या में पेड़ों को अवैध रूप से काट दिया गया। इस मामले में शिकायत मिलने के बाद वन विभाग ने यह कार्रवाई की। दरसअल ग्रेटर नोएडा के ईकोटेक 3 थाना क्षेत्र में देबू मोटर्स कंपनी की जमीन को सील कर दिया गया।

दरसअल देवू मोटर्स कंपनी काफी समय पहले बंद हो चुकी है, उसे दिवालिया घोषित कर दिया गया था, उसके बाद नीलामी में शकुंतलम लैंड क्राफ्ट प्राइवेट लिमिटेड ने इस कंपनी को खरीद लिया। यह कंपनी करीब 1200 बीघा जमीन पर बनी हुई है। शकुंतलम लैंड क्राफ्ट यहां पर एक औद्योगिक पार्क बनाने जा रहा है और उसी को लेकर यहां पर पेड़ों को काटा जा रहा था।

बताया जा रहा है कि देवू मोटर की जमीन पर इस समय छोटे बडे

करीब एक लाख पेड़ है। शिकायतकर्ता ने बताया कि देवू मोटर्स की जमीन पर बिना किसी परमिशन के अवैध रूप से 1000 से ज्यादा पेड़ों को काट दिया गया। शिकायत के बाद वन विभाग के अधिकारी मौके पर पहुंचे और उन्होंने मौका मुआयना करने के बाद पाया कि कंपनी के अंदर काफी पेड़ों को काटा गया है। इसके बाद इस मामले में मुकदमा दर्ज करते हुए कंपनी की जमीन को सील कर दिया गया और कंपनी के मुख्य गेट पर ताला लगा दिया गया।

जिला वन अधिकारी प्रमोद कुमार श्रीवास्तव ने बताया कि विक्रांत तोगड़ के द्वारा शिकायत की गई थी कि देबू मोटर्स में बिना किसी परमिशन के काफी पेड़ों को काट दिया गया है। हमारी टीम मौके पर पहुंची और पाया कि काफी पेड़ काटे गए थे। इस मामले में तत्काल प्रभाव से मुकदमा दर्ज कराया गया और वह जगह को सील कर दिया गया है और आगे की कार्रवाई की जा रही है।

मोबाइल लूट का मामला उच्च अधिकारियों के हस्तक्षेप से हुआ दर्ज

ग्रेटर नोएडा,10 जुलाई(देशबन्धु)। थाना बिसरख क्षेत्र में सोमवार की रात को बेटी की दवा लेने जा रहे एक व्यक्ति से बाइक सवार लुटेरों ने चेहरे पर वार करके 1.20 लाख रुपए का मोबाइल लूट लिया। वारदात के बाद बदमाश फरार हो गए। पीड़ित दो दिन से थाने में अपनी शिकायत लेकर घूम रहा है लेकिन उसकी रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की गई है। बुधवार को यह मामला उच्चाधिकारियों के संज्ञान में दिया गया है। बिसरख क्षेत्र की सुपरटेक ईकोविलेज-1 सोसाइटी में रहने वाले यूसुफ मलिक नोएडा की बहुराष्ट्रीय कंपनी में काम करते हैं। यूसुफ मलिक ने बताया कि घटना 8 जुलाई की रात 10.30 बजे की है। उनकी बेटी की तबीयत खराब होने पर वह ईकोविलेज-1 मार्केट से बेटी के लिए दवा लेने जा रहे थे। रास्ते में पत्नी का फोन आ गया और वह फोन पर बात करने लगे। इसी दौरान काले रंग की बाइक पर सवार दो लोग पीछे से आए। पीछे बैठे युवक ने उनके चेहरे पर हाथ में लगी किसी चीज से प्रहार किया। इससे वह नीचे गिर गए। कुछ समझ पाते इससे पहले ही बदमाशों ने उनका फोन झपटा और भाग गए। बाइक की हेडलाइट बंद कर रखी थी जिससे पीछे से किसी के आने के पता नहीं चले। काले रंग के कपड़े और ग्लब्स के साथ दोनों ने हेलमेट भी पहन रखा था। यूसुफ मलिक ने बताया कि घटना के बाद वह दो दिन से थाने के चक्कर काट रहे हैं लेकिन उनकी रिपोर्ट तक दर्ज नहीं की गई है। जो शिकायत दी है उसकी रिसीविंग तक नहीं दी गई है। इस संबंध में एडीपीसी हृदेश कठेरिया ने बताया कि पीड़ित की शिकायत पर रिपोर्ट दर्ज की जा रही है। घटना का जल्द खुलासा किया जाएगा।

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01, सैक्टर-नॉलेज पार्क-4, ग्रेटर नोएडा सिटी-201310 जिला-गौतमबुद्धनगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-पतवारी की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-पी.ए.टी.01304, भूखण्ड संख्या-278, क्षेत्रफल-90 वर्ग मीटर श्री रतिराम पुत्र श्री रामशरण, निवासी-ग्राम-सादुल्लापुर, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। आवंटी श्री रतिराम पुत्र श्री रामशरण की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान सर्वश्री धीरज सिंह, वेदराम, जगवीर सिंह, जगदीश सिंह पुत्रगण स्व० श्री रतिराम, श्रीमती मूर्ति पत्नी स्व० श्री रतिराम, श्रीमती वेदवती (विवाहित), श्रीमती पवनवती (विवाहित), श्रीमती सरिता (विवाहित) पुत्रीगण स्व० श्री रतिराम, निवासी-ग्राम-सादुल्लापुर वेदपुरा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० में से सर्वश्री धीरज सिंह, वेदराम, जगवीर सिंह, जगदीश सिंह पुत्रगण स्व० श्री रतिराम, निवासी-ग्राम-सादुल्लापुर वेदपुरा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके सर्वश्री धीरज सिंह, वेदराम, जगवीर सिंह, जगदीश सिंह पुत्रगण स्व० श्री रतिराम, निवासी-ग्राम-सादुल्लापुर वेदपुरा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में सहः आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधिकरण

ग्रेटर नोएडा औद्योगिक विकास प्राधिकरण

भूखण्ड संख्या-01,सैक्टर-नॉलेज पार्क-4,ग्रेटर नोएडा सिटी-201310 जिला-गौतमबुद्ध नगर।

सर्वसाधारण को सूचित किया जाता है कि ग्राम/सैक्टर-घरबरा की प्रस्तावित आबादी में आवंटित आवंटन संख्या-जी.एच.आर.012200, भूखण्ड संख्या-35, क्षेत्रफल-170 वर्ग मीटर श्री ब्रहमपाल पुत्र श्री बुद्धन, निवासी-ग्राम-घरबरा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में आवंटित किया गया था। आवंटी श्री ब्रहमपाल पुत्र श्री बुद्धन की मृत्यु के उपरांत इनके वारिसान सर्वश्री विपिन भाटी, सन्नी भाटी पुत्रगण स्व० श्री ब्रहमपाल, श्रीमती विमला पत्नी स्व० श्री ब्रहमपाल, श्रीमती नेहा भाटी (विवाहित). श्रीमती अलका भाटी (विवाहित), श्रीमती कोमल भाटी (विवाहित) पुत्रीगण स्व० श्री ब्रहमपाल, निवासी-ग्राम-घरबरा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० में से सर्वश्री विपिन भाटी, सन्नी भाटी पुत्रगण स्व० श्री ब्रहमपाल, निवासी-ग्राम-घरबरा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में नामांतरण करने हेतु नामांतरण प्रपत्र एवं शपथ-पत्र प्रस्तुत किये गये है। अतः इस नामांतरण के संबंध में किसी को कोई आपत्ति हो तो प्रकाशन की तिथि से 35 दिन के अन्दर अपनी लिखित आपत्ति कार्यालय में दर्ज कराने का कष्ट करें, अन्यथा नियमानुसार प्राधिकरण अभिलेखो में इनके सर्वश्री विपिन भाटी, सन्नी भाटी पुत्रगण स्व० श्री ब्रहमपाल, निवासी-ग्राम-घरबरा, ग्रेटर नोएडा, जिला-गौतमबुद्धनगर, उ०प्र० के पक्ष में सहः आवंटी के रूप में दर्ज कर दिया जायेगा।

प्रबन्धक (कृषक आबादी)
ग्रेटर नोएडा प्राधि

संपादकीय

नई दिल्ली, गुरूवार 11 जुलाई 2024

संस्थापक-सम्पादक : स्व. मायाराम सुरजन

मुस्लिम महिलाओं को सुप्रीम राहत

सर्वोच्च न्यायालय ने बुधवार को दिये एक महत्वपूर्ण फैसले में तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारा भत्ता पाने का हकदार बताया है। इससे देश की उन लाखों महिलाओं को बड़ी राहत मिलेगी जो तलाकशुदा हैं परन्तु जीवन यापन के लिये संघर्ष कर रही हैं। सुप्रीम कोर्ट ने यह भी साफ किया कि कोई भी महिला सीआरपीसी की धारा 125 के तहत गुजारे भत्ते के अपने कानूनी हक का इस्तेमाल कर सकती है- उसका धर्म कोई भी हो। अब्दुल समद नामक व्यक्ति ने तेलंगाना हाईकोर्ट के गुजारा भत्ते सम्बन्धी फैसले को सुप्रीम कोर्ट में चुनौती दी थी। समद ने दलील दी थी कि उसकी पत्नी मुस्लिम होने के नाते सीआरपीसी की धारा 125 के अंतर्गत याचिका दायर करने की हकदार नहीं है। उसकी दलील थी कि यह मामला मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 के अंतर्गत ही सुना जाना चाहिये। जस्टिस बीवी नागरत्ना एवं जस्टिस ऑगस्टीन जॉर्ज मसीह ने इसी मामले की सुनवाई देते हुए उपरोक्त फैसला सुनाया है। कोर्ट को यही तय करना था कि यह मामला सीआरपीसी की धारा 125 के अंतर्गत चले या फिर मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 के तहत।

हालांकि जस्टिस नागरत्ना एवं जस्टिस मसीह की बेंच ने अपने निर्णय अलग-अलग सुनाये परन्तु दोनों की राय एक ही थी। बेंच ने यह भी माना कि मुस्लिम महिला (तलाक पर अधिकारों का संरक्षण) अधिनियम, 1986 धर्मनिरपेक्ष कानून को स्थानापन्न नहीं कर सकता। मुस्लिम महिलाएं भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के अंतर्गत याचिका दायर करने का अधिकार रखती हैं। इस मामले में स्थिति यह है कि ज्यादातर मामलों में तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को गुजारा भत्ता नहीं मिल पाता। मिलता भी है तो 'इद्दत' की अवधि तक। यह एक इस्लामिक परम्परा है जिसके अनुसार तलाक होने पर अथवा पति की मृत्यु हो जाने की स्थिति में वह महिला इद्दत की अवधि तक दूसरी शादी नहीं कर सकती। यह अवधि तकरीबन 3 माह तक होती है। इसके बाद पत्नी दूसरा ब्याह कर सकती है।

उल्लेखनीय है कि मुस्लिम महिला अधिनियम, 1986 में गुजारे भत्ते के प्रावधान वैसे विस्तृत नहीं हैं जैसे कि भारतीय दण्ड प्रक्रिया संहिता की धारा 125 के तहत किये गये हैं। धारा 125 पिता, पति या बच्चों पर आश्रित सभी महिलाओं के अधिकारों को सुनिश्चित करता है। जब उसके पास आजीविका का कोई अन्य साधन न हो तो वह इस धारा के अंतर्गत गुजारे भत्ते की मांग कर सकती है।

अनेक मामलों में यह एक मील का पत्थर साबित होने वाला निर्णय है। मामला चाहे एक मुस्लिम महिला से सम्बन्धित हो परन्तु नज़ीर बनने के बाद इसके ज़रिये बड़ी संख्या में तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं के जीवन यापन की राह खुलेगी। देश में इस अल्पसंख्यक समुदाय की जो आर्थिक हालत है वह किसी से छिपी नहीं है। तलाक का नियम अपेक्षाकृत सरल होने से तलाकशुदा महिलाओं की संख्या काफी है। यह तो सही है कि उनके पुनर्विवाह की राह भी अनेक कई समुदायों के मुकाबले अधिक सरल है लेकिन जहां तक गुजारे भत्ते की बात है तो उन्हें बहुत सी दिक्कतें आती हैं जो फिर से विवाह नहीं करतीं। बच्चों का जीवन संवारना उनके लिये बहुत कठिन हो जाता है। धारा 125 के अंतर्गत मिलने वाला संरक्षण जहां एक ओर उन्हें जीवन यापन के लिये आवश्यक भत्ते की राशि का मार्ग प्रशस्त करेगा वहीं बच्चों एवं अन्य हकदार सदस्यों के लिये भी राहत लेकर आयेगा। इससे दोबारा शादी की अनिवार्यता भी ऐसी महिलाओं के लिये ज़रूरी नहीं रह जायेगी। सम्भव है कि बड़ी संख्या में ऐसी भी तलाकशुदा महिलाएं होंगी जो फिर से विवाह तो नहीं करना चाहती होंगी लेकिन अपने जीवन को गुजारने के लिये ज़रूरी वित्तीय बन्दोबस्त करने का दबाव उन्हें ऐसा करने पर मजबूर करता होगा। ऐसे ही, तलाकशुदा दम्पति के बच्चों को भी उनका जीवन गुजारने के लिये ज़रूरी वित्तीय मदद मिल सकेगी। ऐसे ही, ये महिलाएं गुजारे भत्ते को व्यापक परिप्रेक्ष्य में देख सकेंगी एवं उसके लिये मांग भी कर सकेंगी। अक्सर गुजारे भत्ते को केवल पति-पत्नी के बीच के मसले या फिर तलाक के मामले के एक पहलू के रूप में ही देखा व जाता है। ऐसा नहीं है कि महिलाओं के समक्ष उनके अपने जीवन में केवल पति से या फिर तलाक के बाद ही इसका हक और ज़रूरत होती है। जैसा कि ऊपर बतलाया गया है, वे पिता से या फिर बच्चों से भी इसकी मांग कर सकती हैं जिन पर वे आश्रित होती हैं। जो अविवाहित महिलाएं अपने पिता के घर में दिन गुजारती हैं, उन्हें अक्सर इस तरह के गुजारे भत्ते से वंचित रखा जाता है। सम्पत्ति के अधिकार से तो उन्हें अलग किया ही जाता है। ऐसे ही बुढ़ापे में, खासकर पति की मृत्यु के बाद जब वे अपने बच्चों पर पूर्णत: आश्रित होकर रहती हैं, तब भी उन्हें इसी तरह की समस्या का सामना करना पड़ता है। उन्हें अपने खर्चों के लिये कोई पैसे नहीं मिलते और उनके हाथ अक्सर खाली ही रहते हैं।

इसलिये कहा जा सकता है कि सुप्रीम कोर्ट का यह निर्णय इस मायने में बहुत महत्वपूर्ण है क्योंकि इससे तलाकशुदा मुस्लिम महिलाओं को राहत तो मिलेगी ही, भरण-पोषण सम्बन्धी उनके अधिकारों के क्षितिज का और भी विस्तार होगा। पति के अलावा जिनसे वे गुजारा भत्ता पाने की अधिकारी हैं, उन्हें भी वह पाने के लिये न्यायपालिका का रास्ता अख्तियार करेंगी। पति के अलावा पिता एवं बच्चों से गुजारा भत्ता पाने का भी वे हौसला पा सकेंगी जो अब तक उसके लिये दूर की कौड़ी है। हालांकि इस मामले में सभी समुदायों की महिलाओं को जागना होगा।

विकास और आत्मविश्वास के ट्रेलर का सच

दुनियादारी

■ सर्वमित्रा सुरजन

2014 से पहले हम निराशा की गर्त में डूबे हुए थे। हर तरफ हताशा और निराशा का माहौल था, लेकिन आज देश आत्मविश्वास से भरा हुआ है।

नरेन्द्र मोदी के भाषण की ये पंक्तियां किसी चुनावी मंच से नहीं कही गई हैं, बल्कि रूस में भारतीय समुदाय के बीच श्री मोदी ने बतौर भारत के प्रधानमंत्री ने जो भाषण दिया, उसमें इस तरह की बात कही। श्री मोदी ने ये भी कहा कि 'चुनावों के दौरान मैंने कहा था कि- पिछले 10 सालों में भारत ने जो विकास किया है, वह तो सिर्फ एक ट्रेलर है। आने वाले 10 साल और भी तेजी से विकास के होने वाले हैं। भारत की नयी गति, दुनिया के विकास का नया अध्याय लिखेगी।

रस्सी जल गई बल नहीं गए, इसी को कहते हैं। 2024 के चुनाव परिणाम ने बता दिया कि भाजपा जनता के जिस विश्वास और समर्थन के दावे किया करती थी, वो गलत साबित हुए। भाजपा सत्ता में आ तो गई है, लेकिन जदयू और तेदेपा के समर्थन के कारण आई है और अगर किसी वजह से इन दोनों दलों में से किसी एक ने भी अपना हाथ सरकार से वापस खींच लिया, उसी दिन सरकार संकट में आ जाएगी। लेकिन नरेन्द्र मोदी देश से लेकर विदेश तक अपनी जीत को असलियत से बड़ा बताने में लगे हुए हैं। देश में विकास के दावे भी कुछ इसी अंदाज में श्री मोदी कर रहे हैं। 10 सालों के विकास को वे ट्रेलर बता रहे हैं, और आने वाले दस सालों के विकास की बात कर रहे हैं। इस तरह नरेन्द्र मोदी ये मानकर चल रहे हैं कि 2029 के चुनावों में भी उन्हें ही प्रधानमंत्री बनने का मौका मिलेगा।

हालांकि उन्हें पहले अपने शासन में विकास के ट्रेलर को देख लेना चाहिए। ट्रेलर में तो यही नजर आ रहा है कि 2016 में हुई नोटबंदी, फिर जीएसटी के लागू होने और उसके बाद 2020 में कोविड के कारण देश के अनौपचारिक क्षेत्र को 11.3 लाख करोड़ रुपए का नुक़सान हुआ है। साथ ही 1.6 करोड़ नौकरियां ख़त्म हुई हैं। देश में बेरोजगारी फिर से बढ़ गई है और महंगाई भी चुनावों के बाद से लगातार बढ़ ही रही है। आने वाली 23 जुलाई को जब एनडीए सरकार का पहला बजट पेश होगा, तब सरकारी खजाने से लेकर सरकार की नीयत तक सबका खुलासा हो ही जाएगा। लेकिन फिलहाल जिस तरह खाद्य साम्रगियों से लेकर मोबाइल का इस्तेमाल तक सब महंगा हो गया है, उस से विकास के ट्रेलर और पूरी पिक्चर का अंदाजा लग जाता है। भाजपा नेताओं के लिए यह महंगाई शायद मजाक का विषय है। इसलिए एक बार निर्मला सीतारमण संसद में कह चुकी हैं कि हमारे घर में प्याज नहीं खाई जाती, और अब उत्तरप्रदेश में कृषि मंत्री सूर्यप्रताप शाही ने कहा कि कहीं भी दाल सौ रूपए किलो से ज्यादा में नहीं बिकती। भाजपा के नेता जानते हैं कि वे गलत कह रहे हैं और खाद्य सामग्री को सस्ता बताने के उनके दावे गरीबों के जख्मों पर नमक छिड़कने जैसे हैं, क्योंकि इससे उनकी समस्या तो सुलझती नहीं, तकलीफ अलग होती है कि सरकार हकीकत से कितनी बेपरवाह है।

प्रधानमंत्री मोदी भी इसी बेपरवाही की मिसाल बार-बार देते हैं। मणिपुर से लेकर महंगाई तक उनके सारे दावे बेकार हैं, इस बात को वे भी समझते हैं, फिर भी लोगों को भटकाने के लिए बड़ी-बड़ी बातें करते हैं। भारतीयों में नए आत्मविश्वास की बात करने वाले श्री मोदी क्या इस कड़वी सच्चाई को नहीं जानते कि अच्छे संस्थाओं ने दाखिले के न होने, परीक्षा के पर्चे लीक होने, बेरोजगारी या कर्ज के कारण छात्रों से लेकर किसानों और उद्यमशील लोगों तक में आत्महत्या की प्रवृत्ति बढ़ती जा रही है। कहीं पति-पत्नी बेरोजगारी के कारण जान दे रहे हैं, कहीं बाप-बेटे एक साथ रेल के सामने आ कर मौत को गले लगा रहे हैं। ये खबरें पुलिस थानों के रोजनामचों में तो दर्ज हो कर गुम हो जाया करती हैं, बहुत हुआ तो इनसे जुड़े लोग दो-चार दिन इन पर चर्चा कर लेते हैं, लेकिन जब तक ये सरकार के लिए चर्चा का विषय नहीं बनेंगी, तब तक आत्मविश्वास और विकास को लेकर लफ्फाजी के लिए जगह बनती रहेगी।

हैरानी की बात यह है कि 10 साल तक लगातार सत्ता में रहकर भी नरेन्द्र मोदी भारत की जमीनी हकीकत से कितने दूर हैं। 2014 में जब भाजपा ने 10 सालों के यूपीए शासन को खत्म करने में कामयाबी हासिल की थी, तो उसके बाद नरेन्द्र मोदी समेत तमाम भाजपा नेताओं में अति आत्मविश्वास भर जाना स्वाभाविक था। इसी अतिआत्मविश्वास के चलते नरेन्द्र मोदी ने मई 2015 में द.कोरिया के सियोल में भारतीय समुदाय को संबोधित करते हुए कहा था कि- ''एक समय था जब लोग कहते थे- पता नहीं पिछले जन्म में क्या पाप किया है हिंदुस्तान में पैदा हो गए, ये कोई देश है! ये कोई सरकार है! ये कोई लोग हैं! चलो छोड़ो, चले जाओ कहीं और। और लोग निकल पड़ते थे, कुछ वर्षों में हम ये भी देखते थे, उद्योग जगत के लोग कहते थे कि अब तो यहां व्यापार नहीं करना चाहिए, अब यहां नहीं रहना है। और ज्यादातर लोगों ने तो एक पैर बाहर भी रख दिया था। मैं इसके कारणों में नहीं जाता हूं। और न ही मैं कोई राजनीतिक टीका-टिप्पणी करना चाहता हूं। लेकिन यह धरती की सच्चाई है कि लोगों में एक निराशा थी, आक्रोश भी था। और मैं आज विश्वास से कह सकता हूं कि अलग-अलग जीवन क्षेत्रों के गणमान्य लोग बड़े-बड़े साइंटिस्ट क्यों न हो, विदेशों में ही कमाई क्यों न होती हो उससे कम कमाई होती हो तो भी आज भारत वापस आने के लिए उत्सुक हो रहे हैं, आनंदित हो रहे हैं।''

यह आश्चर्य की बात है कि सत्ता संभालने के साल भर के भीतर ही श्री मोदी को अपने शासन की कामयाबी पर इतना यकीन था कि उन्होंने यह मान लिया था कि विदेश में रह रहे भारतीय देश वापस आने को उत्सुक हो रहे हैं। हालांकि वतन वापसी की यह उत्सुकता जमीन पर तो नदारद ही दिखी और इसकी पुष्टि सरकार के आंकड़े से ही हो जाती है। 2015 में जब नरेन्द्र मोदी यह सब कह रहे थे, उसी साल 1,31,489 लोगों ने देश की नागरिकता छोड़ दी और दूसरे देशों में जाकर बस गए। यह सिलसिला आने वाले बरसों में भी रुका नहीं। जुलाई 2022 के मानसून सत्र में मोदी सरकार ने बीते तीन साल में भारतीय नागरिकता छोड़ने वालों का जो आंकड़ा पेश किया था। उसके मुताबिक करीब 4 लाख नागरिकों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी थी। वहीं 2023 में बताया गया था कि पिछले 12 सालों यानी 2011 से लेकर 2023 तक करीब 16 लाख लोगों ने भारतीय नागरिकता छोड़ दी।

अच्छी नौकरी, बेहतर जीवन स्तर, सामाजिक सुरक्षा और सम्मान, व्यवसाय की सुविधा, पढ़ाई, इलाज बहुत से कारण हैं, जिनकी वजह से भारतीयों के देश छोड़कर जाने का सिलसिला बढ़ रहा है। एनआरआई का दर्जा पाकर अपनी ऊंची हैसियत पर इठलाने वाले ये भारतीय विदेशों में 15 अगस्त या क्रिकेट में जीत के मौकों पर गाहे-बगाहे तिरंगा लहराकर अपनी देशभक्ति के प्रदर्शन से पीछे नहीं रहते हैं। लेकिन भारत से इनका प्यार दूर-दूर से ही है, सात समंदर पार कर देश में रहकर ये अपनी राष्ट्रभक्ति नहीं दिखलाना चाहते। कमाल ये है कि जब नरेन्द्र मोदी विदेश पहुंचते हैं, तो विदेशी धरती पर भारतीय नृत्य-संगीत और माथे पर तिलक लगवाकर गदगद हो जाते हैं कि भारतीय अपनी परंपरा को विदेश में जिंदा रखे हुए हैं। इन्हीं भारतीयों के बीच श्री मोदी भारत के विकास और 2014 के बाद जागे आत्मविश्वास की बात भी करते हैं। लेकिन इस आत्मविश्वास को साबित करने कहा जाए तो न नरेन्द्र मोदी इन भारतीयों से कह सकते हैं कि अब तो देश मैं संभाल रहा हूं, तो चलो आप लोग वहीं बस जाओ, मेरे साथ मिलकर देश का विकास करो। न ये भारतीय बड़ी मशक्कत से हासिल अपनी विदेशी नागरिकता को छोड़कर भारत आकर बसने को तैयार होंगे। इन्हें दोनों हाथों में लड्डू चाहिए। और नरेन्द्र मोदी अपने भाषण से विदेश में बसे भारतीयों को दोनों हाथों में लड्डू का अहसास करवाते भी हैं, लेकिन देश में 5 किलो राशन के लिए लाइन में लगने वाले 80 करोड़ गरीब, लाखों बेरोजगार और करोड़ों पीड़ित लोग जानते हैं कि जन्नत की हकीकत क्या है।

> **अच्छी नौकरी, बेहतर जीवन स्तर, सामाजिक सुरक्षा और सम्मान, व्यवसाय की सुविधा, पढ़ाई, इलाज बहुत से कारण हैं, जिनकी वजह से भारतीयों के देश छोड़कर जाने का सिलसिला बढ़ रहा है। एनआरआई का दर्जा पाकर अपनी ऊंची हैसियत पर इठलाने वाले ये भारतीय विदेशों में 15 अगस्त या क्रिकेट में जीत के मौकों पर गाहे-बगाहे तिरंगा लहराकर अपनी देशभक्ति के प्रदर्शन से पीछे नहीं रहते हैं।**

गांधी के विचारों की अहमियत

अनेक वैश्विक समस्याओं के बीच भारत को अपना मार्ग बहुत सावधानी से खोजना है। इस प्रयास में महात्मा गांधी की सोच आज भी बहुत महत्वपूर्ण मार्ग-दर्शक की भूमिका निभा सकती है। महात्मा गांधी की सोच के मूल सिद्धान्त हैं - सत्य व अहिंसा, सादगी व समता, अन्याय के विरुद्ध दृढ़, पर अहिंसक संघर्ष, सभी धर्मों के प्रति सम्मान, किसी समुदाय के प्रति भेदभाव न करना, अर्थनीति में निर्धन वर्ग की भलाई को उच्चतम प्राथमिकता देना, विकेन्द्रित, आत्मनिर्भर व आपसी सहयोग से हुए ग्रामीण विकास को अधिक महत्व देना। यदि समकालीन संदर्भ में इन सिद्धान्तों को प्रतिष्ठित किया जाए तो देश ही नहीं पूरी दुनिया की बड़ी समस्याओं को सुलझाने की दिशा मिल सकती है।

इसके लिए इन सिद्धान्तों को समकालीन संदर्भ में भली-भांति समझना और प्रतिबद्धता से उन पर चलना होगा। यह एक बहुत रचनात्मक मार्ग है। इसमें तरह-तरह की प्रसन्नता व उत्साह देने वाली उपलब्धियां हैं, पर साथ में शक्तिशाली स्वार्थों का सामना करने की चुनौतियां और कठिनाईयां भी हैं। बड़ी बात यह है कि केवल कहने के स्तर पर या कागजी स्तर पर इस सोच को अपनाने से कुछ प्राप्त नहीं होगा, वास्तविकता और निरंतरता से इसे अपनाना होगा।

भारत डोगरा

> **समकालीन संदर्भ में यह सोच महात्मा गांधी की सोच के बहुत नजदीक है। यदि भारत इस सोच को सही अर्थों में अपना पाता है तो इससे न केवल देश विकास की बहुत सार्थक समझ के अनुकूल प्रगति कर सकेगा, अपितु विश्व के लिए भी यह एक बहुत महत्वपूर्ण सीख होगी और इस तरह के विकास को विश्व स्तर पर अनुकरणीय माना जाएगा। महात्मा गांधी की सोच और भारत की आजादी की लड़ाई से निकले संदेश की एक बड़ी उपलब्धि है।**

यदि एक गांव के स्तर पर ही इस सोच को देखें तो भूमिहीनों के लिए कुछ भूमि की व्यवस्था करनी चाहिए। दबंगों के अवैध कब्जों को हटाकर, सीलिंग की व्यवस्था लागू कर, बंजर भूमि सुधार कर व अन्य उपायों से थोड़ी सी ही सही, पर कुछ भूमि सभी भूमिहीन परिवारों को अवश्य देनी चाहिए। जल-संरक्षण, मिट्टी का प्राकृतिक उपजाऊपन बढ़ाने के उपाय, प्राकृतिक खेती, परंपरागत बीजों की रक्षा, कुंओं व तालाबों की रक्षा, दस्तकारियों की रक्षा, खाद्य प्रसंस्करण, खाद व कीड़ों-बीमारियों से फसल की रक्षा, किसानों के मित्र विभिन्न जीव-जंतुओं, विशेषकर गो वंश की रक्षा, गांववासियों में आपसी सहयोग व भाईचारे को मजबूती, गांव में एकता व आत्म-निर्भरता बढ़ाना, परस्पर सहयोग से गांव का पर्यावरण सुधारना, वनों की रक्षा करना व नए वृक्ष लगाना- ये सब विकास की प्राथमिकता के कार्य हैं जो जलवायु बदलाव के संकट को कम करने व उसकी सहन-क्षमता बढ़ाने से भी जुड़े हैं।

गांधीजी की सोच इन कार्यों के अनुकूल है व ग्रामीण विकेंद्रीकरण तथा पंचायती राज को इस रूप में मजबूत करना चाहती है कि उसके माध्यम से इन प्राथमिकताओं के लिए पर्याप्त संसाधन प्राप्त करते हुए, गांववासी परस्पर सहयोग से इन उद्देश्यों के लिए अपनी क्षमतानुसार अधिकतम प्रयास करते हुए सार्थक व टिकाऊ उपलब्धियों की ओर बढ़ें। परस्पर सहयोग की इसी मजबूती का उपयोग वे सभी तरह के नशे को दूर रखने व जुए, दहेज-प्रथा जैसी अन्य सामाजिक बुराईयों से निपटने में करें। इस सोच में महिला विरोधी हिंसा, अन्य तरह की हिंसा, लंबी व खर्चीली मुकदमेबाजियों के लिए कोई स्थान नहीं है।

जहां एक ओर यह सहयोग व अमन की सोच है, वहीं दूसरी ओर एक अन्य सोच है जिसमें धर्म व जाति के आधार पर गुटबाजी की जाती है। गांव में कुछ लोग कहते हैं कि जातियों को ऐसे जोड़ो कि अधिक वोट मिल जाएं। दूसरा पक्ष कहता है कि ऐसे जोड़ो कि वोट के अलावा हम अन्य तरह से भी शक्तिशाली हों। कुछ अन्य लोग कहते हैं कि इससे भी अधिक लाभ धर्म के आधार पर बांटने से मिलेगा। इसके जवाब में दूसरा पक्ष कहता है कि हम जाति आधारित जोड़ से तुम्हारा जवाब देंगे। इन सभी तरह की सोच में महात्मा गांधी का यह उद्देश्य तो पूरी तरह पीछे छूट जाता है कि सभी को आपसी सहयोग के रिश्ते में बांधने का प्रयास किया जाना चाहिए।

एक गांव का उदाहरण छोड़कर राष्ट्रीय स्तर पर देखें तो यहां भी हमें राष्ट्रीय हित के कार्यों के लिए आपसी सहयोग की बहुत कमी दिखाई देती है। बेशक कुछ हद तक लोकतांत्रिक राजनीति के दौर में विभिन्न राजनीतिक दलों व नेताओं में नोंक-झोंक होती है, पर इसके साथ व्यापक राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर सहयोग बढ़ाना भी जरूरी है। लोकतांत्रिक व्यवस्था यह अवसर देती है कि किसी देश के विकास और प्राथमिकताओं पर विभिन्न विचार रखने वाले व्यक्ति, नेता व दल अपने-अपने विचारों को लेकर चुनाव क्षेत्र में जाएं व जिसे जनता का अधिक समर्थन मिले वे सरकार का गठन करें। इसका यह अर्थ नहीं है कि सभी लोगों के हित के महत्वपूर्ण मुद्दों पर सहयोग न हो। सबसे महत्वपूर्ण राष्ट्रीय हित के मुद्दों पर आपसी सहमति बननी चाहिए व सभी दलों, सभी लोगों को इन मुद्दों पर आपसी सहयोग से कार्य करना चाहिए।

घरेलू पक्ष को देखें तो महात्मा गांधी की सोच के अनुरूप समता, सादगी, पारदर्शिता, ईमानदारी, विकेन्द्रीकरण, पर्यावरण की रक्षा, भेदभाव का अंत, सभी धर्मों का आपसी सम्मान व भाईचारा - यह राष्ट्रीय हित के लिए सबसे जरूरी हैं व इन पर आधारित आम सहमति के कार्यक्रम बनने चाहिए। जहां इन नीतियों के विरोध की नीतियां अपनाई जाएं, वहां अहिंसक विरोध होना चाहिए। विदेश नीति को देखा जाए तो पूरी दुनिया में अमन-शांति को बढ़ाना, अति विनाशकारी हथियारों की दौड़ को रोकना या नियंत्रित करना, विश्व को ऐसी दिशा में ले जाना जहां युद्ध की संभावना न हो या न्यूनतम हो, पर्यावरण की रक्षा को प्राथमिकता देना, धरती की जीवन-रक्षक स्थितियों को बचाने के लिए अन्तरराष्ट्रीय सहयोग को उच्चतम महत्व देना, अभाव व भुखमरी से पीड़ित देशों की सहायता को प्राथमिकता देना बहुत जरूरी है।

पड़ौसी देशों से शांतिपूर्ण संबंध बनाए रखना व अपने सीमा-विवादों को यथासंभव सद्भावनापूर्ण माहौल में सुलझाना बहुत महत्वपूर्ण है। इनके लिए राष्ट्रीय सहमति से कार्य होना चाहिए, ताकि यह कार्य करते हुए सरकार की स्थिति मजबूत रहे। जहां अमन-शांति के लिए प्रतिबद्धता अति आवश्यक है, वहां स्थितियां प्रतिकूल हो जाने पर देश की रक्षा भली-भांति हो सके, इसके लिए भी तैयार रहना पड़ेगा।

समकालीन संदर्भ में यह सोच महात्मा गांधी की सोच के बहुत नजदीक है। यदि भारत इस सोच को सही अर्थों में अपना पाता है तो इससे न केवल देश विकास की बहुत सार्थक समझ के अनुकूल प्रगति कर सकेगा, अपितु विश्व के लिए भी यह एक बहुत महत्वपूर्ण सीख होगी और इस तरह के विकास को विश्व स्तर पर अनुकरणीय माना जाएगा। महात्मा गांधी की सोच और भारत की आजादी की लड़ाई से निकले संदेश की एक बड़ी उपलब्धि है कि सात-आठ दशक बीत जाने के बाद भी इनकी प्रासंगिकता न केवल बनी हुई है, अपितु जलवायु बदलाव व महाविनाशक हथियारों की होड़ के बीच इस संदेश का महत्व और बढ़ गया है। जरूरत इस बात की है इस संदेश को समकालीन समस्याओं के संदर्भ में समझा व अपनाया जाए।

(लेखक स्वतंत्र पत्रकार हैं)

पावन प्रसंग

अकर्मण्यता एक बड़ी व्याधि

अकर्मण्यता एक बड़ी शारीरिक,मानसिक व्याधि और दशा है, यह जीवन को निरर्थक बनाती है। इस अवस्था को तत्काल त्यागना चाहिए और अपने जीवन के संघर्ष के लिए तैयार रखना चाहिए। मन ही मन यदि आपने किसी कठिन कार्य को करने का संकल्प ले लिया तो निरंतर जिजीविषा और संयम के साथ संघर्ष हर बड़ी जीत का उत्तम मार्ग हैं। वैसे जीवन में दुष्कर, कठिन कार्य को पहले चुनना चाहिए जिससे पूरी शक्ति लगाकर हम उसे प्राप्त कर सकें। कठिन कार्य से घबराकर उससे पलायन करना निराशा को जन्म देता है। निराशा से बढ़कर कोई अवरोध नहीं अत: निराशा को त्यागें और ऊर्जा उत्साह के साथ आगे बढ़ें, सफलता आपके कदमों पर होगी। हर बड़ा व्यक्ति जो हमें समाज से अलग हटकर खड़ा दिखाई देता है। जिसे हम विलक्षण मानते और प्रतिभा संपन्न मानते हैं और आज के संदर्भ में हम उसे सेलिब्रिटी कहते हैं तो नि:संदेह उसकी इस सफलता के पीछे अनवरत श्रम, अदम्य मानसिक शक्ति और संयम छुपा होता है। बड़ी सफलता प्राप्त करने का कोई सरल उपाय या शॉर्टकट नहीं होता है। विपरीत परिस्थितियों में मनुष्य की मानसिक दृढ़ता एवं संकल्पित कठिन श्रम ही सफलता के रास्ते खोलते हैं। यूं तो हर इंसान के जीवन में विशेषताएं, मान्यताएं, प्रतिबद्धताएं और आकांक्षाएं होती हैं। सभी लोग मूलभूत आवश्यकताओं के साथ-साथ सामाजिकता, प्रसिद्धि और प्रतिष्ठा जैसी उच्च स्तरीय आवश्यकताओं की पूर्ति करना चाहते हैं। मानव की स्वाभाविक और अदम्य इच्छा की पूर्ति के संपूर्ण जीवन और उसके अस्तित्व के लिए अत्यंत आवश्यक है किंतु व्यक्ति की इच्छा,आकांक्षा, सफलता उसके मूल्यों, सिद्धांतों और आदर्शों की कीमत पर कतई नहीं होनी चाहिए। यदि व्यक्ति की आकांक्षा, सफलता और इच्छा उसकी अदम्य इच्छा, भूख और मूल्यों को समाविष्ट ना करते हुए दूसरी दिशा में जाती हो तो ऐसे में उसकी सफलता पूरे मानव समाज और मानवता के लिए संकट का कारण भी बन सकती है। जिस तरह एक वैज्ञानिक मेहनत व लगन से प्रयोगशाला में मानवी संविधान मूल्यों से ओत-प्रोत मानव कल्याण के उपकरण न बनाकर जैविक व रासायनिक हथियार बनाकर व्यापक नरसंहार जैसे अमानवीय आविष्कार को मूर्तरूप दे, तो यह समाज के लिए खतरनाक हो सकता है। यही वजह है कि सफलता का नक्शा और इच्छा के पीछे मानवीय मूल्यों का होना अत्यंत आवश्यक भी है।

मूल्य, सिद्धांत और नैतिकता जीवन के लक्ष्य और उसके क्रियान्वयन में सर्वाधिक संवेदनशील एवं महत्वपूर्ण भूमिका निभाते हैं। सफलता की धारणा केवल स्थापित मापदंड न होकर मानवीय मूल्यों से जुड़ा होकर मानव कल्याण के लिए भी होना चाहिए। इसमें कोई संदेह नहीं की विश्व भर की सभी सभ्यताओं, संस्कृतियों और धर्मों में अहिंसा, सत्य, करुणा, सेवा, दया और विश्व बंधुत्व की भावना की निर्विवाद उपस्थिति दिखाई देती है और वैश्विक विकास की अवधारणा भी इन्हीं बिंदुओं पर रखकर तय की जाती है। भारत में प्राचीन काल से ही मूल्यों की प्रतिबद्धता की परंपरा चली आ रही है। ऋषि-मुनियों ने तो यहां तक कहा है कि जिसका चरित्र तथा माननीय आदर्श चला गया वह व्यक्ति मृतक लाश की तरह हो जाता है।

-संजीव ठाकुर

आपके पत्र

तार्किक पाठ्यक्रम समय की मांग

एकतरफा ऐतिहासिक तथ्य स्कूली बच्चों के बीच सामाजिक सामंजस्य और आपसी सम्मान में बाधा डालेंगे। सार्थक पाठ्यपुस्तक संशोधनों का विरोध एक पुरानी संकीर्ण वैचारिक विचार प्रक्रिया को दर्शाता है, जो भविष्य में ऐतिहासिक शिकायतों और शत्रुता को शाश्वत बनाता है। एक संतुलित, विश्वसनीय और भरोसेमंद ऐतिहासिक कथा, संघर्ष समाधान और आपसी सम्मान के सकारात्मक उदाहरणों को रेखांकित करती है। यह छात्रों को अपने जीवन में सकारात्मक उदाहरणों और सिद्धांतों को लागू करने के लिए प्रेरित करती है। स्कूली छात्रों को एक संतुलित इतिहास पढ़ाना जो संघर्ष-आधारित कथाओं को कम करता है, उन्हें भारत की विरासत के बारे में बेहतर जानकारी के साथ जिम्मेदार और सहानुभूतिपूर्ण नागरिक बनने में सहायता करता है। ऐसी पाठ्यपुस्तकें बच्चों में संज्ञानात्मक और भावनात्मक आधार बनाती हैं, जो भविष्य के आलोचनात्मक विश्लेषण के लिए आवश्यक है। संतुलित कथाओं पर ध्यान केंद्रित करते हुए स्कूली पाठ्यपुस्तकों को संशोधित करने का कोई भी प्रयास अंत नहीं बल्कि एक शुरुआत है। छात्रों को ऐसी संतुलित पाठ्यपुस्तकों से जो आधार मिलता है, वह उन्हें बाद के वर्षों में एक गहरी ऐतिहासिक समझ बनाने में मदद करेगा। स्कूली पाठ्यपुस्तकों को छात्रों की उभरती जरूरतों को पूरा करने में उत्तरदायी होने के लिए बदलते समय के साथ तालमेल बिठाने की जरूरत है।

पाठ्यपुस्तकों में क्या पढ़ाया जाए और क्या न पढ़ाया जाए, इसकी चर्चा लगातार होती रही है, क्योंकि स्कूल की पाठ्यपुस्तकें ही वह माध्यम हैं, जिनके द्वारा सुविधाजनक विमर्श को आगे बढ़ाया जा सकता है। विवाद तब होता है, जब एक विमर्श आपके लिए सुविधाजनक होता है और दूसरे वर्ग के लिए असुविधाजनक। वर्तमान में इतिहास की पाठ्यपुस्तकों में किए गए कुछ बदलावों से संबंधित विवाद को भी उसी संदर्भ में देखना चाहिए, जब एक वर्ग का सुविधाजनक दृष्टिकोण दूसरे वर्ग के विमर्श के अनुरूप नहीं होता है। देखा जाए तो इस प्रकार का विवाद पहली बार नहीं हुआ है। भारत के शैक्षणिक इतिहास में इस प्रकार के विवाद पहले भी होते रहे हैं। विश्व भर की शिक्षा व्यवस्थाएं अपने-अपने देश के पाठ्यक्रम को समझ और तार्किक दृष्टिकोण पर आधारित बनाना चाह रही हैं, वहीं हमारे देश में विवाद इस बात पर हो रहा है कि किस पक्ष का तथ्य सही है ? यहां असुविधाजनक तथ्य को वृत्तांत की सहायता से सदैव छुपाने का प्रयास रहता है। इतिहास को न केवल तथ्यों से समझा जा सकता है और न केवल वृत्तांतों से। इसलिए यह आवश्यक है कि दोनों का उचित मात्रा में समावेश हो, मगर हमारे देश में इतिहास लेखन की शैली में तथ्य और वृत्तांत का विभाजन काफी बारीक है। इस विषय के पुनरावलोकन की आवश्यकता है। जहां पूरे विश्व की शैक्षणिक व्यवस्थाएं अपने स्वरूप को बदल रही हैं और छात्रों को तथ्यों से भरने के बजाय उन्हें इतिहास आधारित दृष्टिकोण से युक्त करने पर जोर दे रही हैं, जिससे छात्रों में इतिहास के प्रति एक वस्तुनिष्ठ दृष्टिकोण विकसित हो सके। आज के तकनीकी दौर में इतिहास बोध होने पर छात्र स्वयं ही ऐतिहासिक तथ्यों की पड़ताल कर सकता है।

एनसीईआरटी की मूल पुस्तकों को इसी विचार के साथ रूप दिया गया था। कुल मिलाकर पाठ्यपुस्तकों से हटाई जाने वाली सामग्री, भारत के भूतकाल और वर्तमान की नकारात्मक धारणा पर आधारित है। यह मानसिकता कमजोर है, और केवल कुछ को हटाकर अपने इतिहास को बदलने का प्रयास करती है। इनके लिए भारतीय इतिहास के रचनात्मक, समावेशी, तार्किक, सुसंगत और विद्यार्थी अनुकूल संस्करण को लाना असंभव था, क्योंकि रचना में एक सकारात्मक गुण है, जिसे राजनीतिक ताकतें अक्सर कम आंकती हैं।

प्रियंका सौरभ

प्रकाशक, मुद्रक : राजीव रंजन श्रीवास्तव द्वारा पत्रकार प्रकाशन प्रा. लि. के लिए 506, आई.एन.एस. बिल्डिंग, 9, र

देश विदेश

वांग यी ने भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार डोभाल को बधाई दी

बीजिंग। सीपीसी केंद्रीय समिति के पोलित ब्यूरो के सदस्य, चीनी विदेश मंत्री और चीन-भारत सीमा मुद्दे पर चीन के विशेष प्रतिनिधि वांग यी ने अजीत डोभाल को भारतीय राष्ट्रीय सुरक्षा सलाहकार और चीन-भारत सीमा मुद्दे पर भारत के विशेष प्रतिनिधि रूप में उनकी पुन: नियुक्ति पर बधाई देने के लिए एक संदेश भेजा। वांग यी ने कहा कि चीन और भारत दुनिया में सबसे अधिक आबादी वाले विकासशील देश और उभरती अर्थव्यवस्थाएं हैं। दोनों देशों के बीच संबंध द्विपक्षीय दायरे से परे हैं और इनका वैश्विक महत्व तेजी से बढ़ रहा है। मैं दोनों देशों के नेताओं द्वारा पहुंची महत्वपूर्ण सहमति को लागू करने, प्रासंगिक सीमा मुद्दों को ठीक से संभालने और सीमावर्ती क्षेत्रों में संयुक्त रूप से शांति बनाए रखने के लिए अजीत डोभाल के साथ काम करने को तैयार हूं।

ऑस्ट्रिया के चांसलर नेहमर के सामने बोले प्रधानमंत्री मोदी

'मैंने पहले भी कहा यह युद्ध का समय नहीं है'

वियना, 10 जुलाई (एजेंसियां)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ऑस्ट्रिया के दौर पर हैं। यहां वियना के फेडरल चांसरी में उनका भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी ने चांसलर नेहमर के साथ संयुक्त प्रेस कांफ्रेंस को संबोधित किया। इस दौरान पीएम मोदी ने रूस-यूक्रेन संकट और आतंकवाद की कड़ी निंदा की।

पीएम मोदी ने कहा कि मैं गर्मजोशी भरे स्वागत और आतिथ्य सत्कार के लिए

■ **मुझे खुशी है कि मेरे तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही मुझे ऑस्ट्रिया आने का अवसर मिला : मोदी**

चांसलर नेहमर का आभार व्यक्त करता हूं। मुझे खुशी है कि मेरे तीसरे कार्यकाल की शुरुआत में ही मुझे ऑस्ट्रिया आने का अवसर मिला। मेरी ये यात्रा ऐतिहासिक भी है और विशेष भी है। 41 साल बाद किसी भारतीय प्रधानमंत्री ने ऑस्ट्रिया का दौरा किया है। ये भी सुखद संयोग है कि ये यात्रा उस समय हो रही है, जब हमारे आपसी संबंधों के 75 साल पूरे हुए हैं। लोकतंत्र और 'रूल ऑफ लॉ' जैसे मूल्यों

में साझा विश्वास, हमारे संबंधों की मजबूत नींव है। आज मेरे और चांसलर नेहमर के बीच बहुत सार्थक बातचीत हुई। हमने आपसी सहयोग को और मजबूत करने के लिए नई संभावनाओं की पहचान की है। हमने निर्णय लिया है कि संबंधों को स्ट्रैटजिक दिशा प्रदान की जाएगी। आने वाले दशक के लिए सहयोग का खाका तैयार किया गया है। ये केवल आर्थिक सहयोग और निवेश तक सीमित नहीं है। पीएम मोदी ने कहा कि दोनों देशों की युवा शक्ति और विचारों को कनेक्ट करने के लिए 'स्टार्टअप ब्रिज' को गति दी जाएगी। मोबिलिटी और माइग्रेशन पार्टनरशिप पर पहले से समझौता हुआ है। यह लीगल माइग्रेशन और कुशल कार्यबल की आवाजाही में सहयोग देगा। सांस्कृतिक और शैक्षणिक संस्थाओं के बीच आदान-प्रदान को बढ़ावा दिया जाएगा। मैंने और चांसलर नेहमर ने विश्व में चल रहे विवादों, चाहे यूक्रेन में संघर्ष हो या पश्चिम एशिया की स्थिति, सभी पर विस्तार में बात की है। मैंने पहले भी कहा है कि यह युद्ध का समय नहीं है, समस्याओं का समाधान रणभूमि में नहीं हो सकता। कहीं भी हो, मासूम लोगों के जान की हानि अस्वीकार्य है।

वियना में मोदी के स्वागत में हुआ भव्य समारोह

वियना। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का बुधवार को वियना के फेडरल चांसरी में भव्य स्वागत किया गया। पीएम मोदी ऑस्ट्रिया की अपनी ऐतिहासिक यात्रा पर हैं। यह किसी भारतीय प्रधानमंत्री की 41 वर्षों में पहली ऑस्ट्रिया यात्रा है। ऑस्ट्रिया के चांसलर कार्ल नेहमर ने द्विपक्षीय संबंधों में एक नया अध्याय जोड़ते हुए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का गर्मजोशी से स्वागत किया। कार्ल नेहमर ने पिछले सप्ताह पीएम मोदी की वियना यात्रा को विशेष सम्मान बताया था। ऑस्ट्रिया पहुंचे पीएम मोदी की चांसलर कार्ल नेहमर ने खुद मेजबानी की। यह दोनों नेताओं के बीच पहली मुलाकात थी। यह मुलाकात ऐसे समय में हुई है जब दोनों देश राजनयिक संबंधों की 75वीं

वर्षगांठ मना रहे हैं। उन्होंने कहा कि द्विपक्षीय साझेदारी की पूरी क्षमता को साकार करने पर बातचीत जारी रहेगी। पीएम नरेंद्र मोदी ने चांसलर नेहमेर को गर्मजोशी भरे स्वागत के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही कहा कि वह बुधवार को होने वाली चर्चाओं का इंतजार कर रहे हैं। दोनों देश विश्व की भलाई के लिए मिलकर काम करना जारी रखेंगे।

मोदी को रूस का सर्वोच्च सम्मान मिलना हर भारतीय के लिए गर्व की बात : तरुण चुघ

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को रूस का सर्वोच्च नागरिक सम्मान दिए जाने पर बीजेपी नेता लगातार उन्हें बधाई दे रहे हैं। इस बीच बीजेपी नेता तरुण चुघ ने भी प्रधानमंत्री मोदी को बधाई दी। उन्होंने कहा कि रूस ने पीएम मोदी को सबसे प्रतिष्ठित नागरिक सम्मान से सम्मानित किया है। इससे पूरा देश और भारत के नागरिक पूरे विश्व में गर्व महसूस कर रहे हैं। तरुण चुघ ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में भारत आगे बढ़ रहा है और रूस के सबसे बड़े सम्मान से प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को नवाजा गया है। रूस द्वारा प्रधानमंत्री को सर्वोच्च नागरिक सम्मान से नवाजना हमारे देश के लिए गर्व का क्षण है। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री को यह सम्मान देना वसुधैव कुटुंबकम की झलक को दिखाता है। आज भारत विश्व के अंदर शांति का दूत बनकर उभर रहा है। पर्यावरण का मार्ग बनकर उभर रहा है।

सुडोकू 6612

							5	
6	7			2			1	3
1		3	6			2	7	8
7	5				2			
8	2		5	9	6		3	4
			1				2	5
9	6	4			3	1		2
5	1			8			9	6
	8							

: नियम :

1. कुल 81 (9×9) वर्ग हैं, जिसमें 9 (3×3) वर्गों का एक खंड (ब्लॉक) बनता है।
2. हर खाली वर्ग में 1 से 9 के बीच का कोई एक अंक भर सकते हैं।
3. बाएं से दाएं और ऊपर से नीचे के प्रत्येक कॉलम,कतार और खंड में 1 से 9 अंक में से किसी भी अंक का इस्तेमाल एक बार ही कर सकते हैं।

हल आज ही के अंक में

दैनिक पंचांग

mypandit.com 24 hour astrology service

■ **बेजान दारूवाला**

ग्रह स्थिति : गुरूवार 11 जुलाई , 2024 आषाण शुक्ल पक्ष 06

राशिफल

मेष - आप पूरे दिन शारीरिक और मानसिक थकान महसूस करेंगे। परिश्रम की अपेक्षा कम सफलता मिलने से निराशा रह सकती है। नौकरी और व्यापार के संबंध में थोड़ा चिंतित रहेंगे।

वृषभ - आज आप सभी काम दृढ़ आत्मविश्वास और मनोबल से पूरा करेंगे। उसमें सफलता भी मिलेगी। पिता की तरफ से आपको लाभ मिलेगा। विद्यार्थी पढ़ाई में अच्छा प्रदर्शन करेंगे।

मिथुन - नई योजनाएं शुरू करने के लिए आज अनुकूल दिन है। व्यवसाय करने वालों को सरकार की तरफ से लाभ मिलने और नौकरीपेशा को उच्च अधिकारियों की कृपादृष्टि मिलेगी।

कर्क - आज आप शारीरिक और मानसिक अस्वस्थता अनुभव करेंगे। परिणामस्वरूप मन में नकारात्मक विचार पैदा होंगे। किसी के साथ गलतफहमी होने के कारण मनमुटाव हो सकता है। पारिवारिक वातावरण खराब हो सकता है।

सिंह - भरपूर आत्मविश्वास और दृढ़ निर्णय के कारण आज आप कोई भी काम त्वरित निर्णय लेकर पूरा करेंगे। समाज में मान-प्रतिष्ठा बढ़ेगी। पिता तथा अभिभावकों का सहयोग प्राप्त होगा। मन आनंदित रहेगा।

कन्या - शारीरिक अस्वस्थता के साथ-साथ मानसिक चिंता में वृद्धि होगी। आंख संबंधी शिकायत पैदा होगी। पारिवारिक सदस्यों के साथ मनमुटाव होगा। उग्रवाणी और अहं के टकराव से किसी के साथ झगड़े या विवाद की स्थिति बन सकती है।

तुला - आज विविध क्षेत्र में लाभ मिलने से आप शारीरिक और मानसिक रूप से स्वस्थ और प्रफुल्लित रहेंगे। मित्रों के साथ मुलाकात, रमणीय स्थानों पर प्रवास पर्यटन का आयोजन होगा। गृहस्थ जीवन में सुख- शांति का अनुभव होगा।

वृश्चिक - आज आपके हरेक कार्य निर्विघ्न पूरे होंगे। गृहस्थ जीवन में आनंद छाया रहेगा। मान प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। नौकरी- व्यवसाय में प्रगति होगी। अधिकारी और घर में बड़ों से लाभ मिलेगा। धन लाभ होगा।

धनु - शरीर में थकान और बेचैनी रहेगी। स्वास्थ्य नरम-गरम रहेगा। मन चिंता से व्याकुल रहेगा। आज यात्रा स्थगित रखने की सलाह दी जाती है। संतान के विषय में चिंता रहेगी। भाग्य साथ न देता हुआ प्रतीत होगा।

मकर - खान-पान पर ध्यान नहीं रखने से आज तबीयत खराब होने की आशंका है। मरीज़ की चिकित्सा, प्रवास या व्यापारिक कामों के पीछे धन खर्च होगा। नकारात्मक विचार और क्रोध को दूर रखने से बहुत सी मुसीबतों से बच जाएंगे।

कुंभ - भरपूर आत्मविश्वास और दृढ़ मनोबल के साथ प्रेम और रोमांस आपके आज के दिन को अच्छा बनाएंगे। नए लोगों के साथ परिचय और मित्रता होगी। सार्वजनिक मान- सम्मान में वृद्धि होगी। उत्तम वैवाहिक सुख की प्राप्ति होगी।

मीन - घर में सुख- शांति और आनंद का वातावरण बने रहने से आप अपने दैनिक कामों को आत्मविश्वास से कर सकेंगे। आपको स्वाभाविक उग्रता और वाणी की आक्रामकता पर संयम रखने की जरुरत है।

नोट-उपरोक्त राशिफल बेजान दारूवाला द्वारा पूर्वलिखित है।

ईरान के नए राष्ट्रपति पेजेशकियान 30 जुलाई को लेंगे शपथ

तेहरान, 10 जुलाई (एजेंसियां)। ईरान के नवनिर्वाचित राष्ट्रपति मसूद पेज़ेशकियान 30 जुलाई को शपथ लेंगे। ईरानी संसद के प्रेसिडियम के सदस्य मोजतबा यूसेफी ने बुधवार को यह जानकारी दी। ईरानी समाचार एजेंसी

आईएसएनए ने श्री यूसेफी के हवाले से कहा कि 14वां चुनाव जीतने वाले राष्ट्रपति का शपथ ग्रहण समारोह 30 जुलाई को होगा। गौरतलब है कि श्री पेज़ेशकियान (69) ने पांच जुलाई को हुए राष्ट्रपति चुनाव में जीत हासिल की और देश के नौवें राष्ट्रपति बने। श्री पेजेशकियान कुल 30,510,157 वोट में से 16,384,403 वोट हासिल किये और उनके प्रतिद्वंदी सईद जलीली को 13,538,179 वोट मिले। श्री पेजेशकियान पेशे से हृदय के सर्जन हैं।

यूरोपीय संघ को यूक्रेन में लोगों के मारे जाने पर दुख कीव को हथियारों की आपूर्ति रहेगी जारी : बोरेल

ब्रूसेल्स, 10 जुलाई (एजेंसियां)। यूरोपीय संघ ने यूक्रेन में रूस के हमले में लोगों के मारे जाने पर गहरा दुख व्यक्त किया है और कहा है कि वह रूस की कार्रवाई का मुकाबला करने के लिए कीव को हथियारों की आपूर्ति जारी रखेगा।

यूरोपीय संघ के विदेश नीति प्रमुख जोसेफ बोरेल ने बुधवार को यह जानकारी दी।

श्री बोरेल ने वाशिंगटन में पांचवें नाटो वर्षगांठ शिखर सम्मेलन में एक भाषण के दौरान कहा कि हमें अफसोस है कि लोग मर रहे हैं, लेकिन यूक्रेनी सैनिक लड़ रहे हैं और मर रहे हैं क्योंकि वे अपने देश की रक्षा कर रहे हैं तथा वह लड़ना जारी रखेंगे। श्री बोरेल ने कहा कि यूरोपीय संघ यूक्रेन का समर्थन करना जारी रखेगा। उन्होंने कहा कि मुझे कुछ समय पहले अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडेन की यह बात सुनकर खुशी हुई कि रूस प्रबल नहीं हो सकता, हमें इसके लिए अपनी औद्योगिक क्षमता बढ़ानी होगी, अधिक पैसे लगाने होंगे और अधिक तकनीकी विकास करना होगा।

रूस यूक्रेन संघर्ष में 600 यूक्रेनी सैनिक मारे गए

मास्को। रूस के दक्षिणी सैन्य समूह के साथ पिछले 24 घंटों के दौरान संघर्ष में यूक्रेन सशस्त्र बलों के करीब 600 सैनिक मारे गये। रूसी रक्षा मंत्रालय ने बुधवार को कहा कि यूक्रेनी सशस्त्र बलों ने लगभग 600 सैनिक, छह वाहन, दो 152-मिमी डी-20 बंदूकें और दो अमेरिका निर्मित 105-मिमी एम119 हॉवित्जर तोप नष्ट हो गये। मंत्रालय के अनुसार, रूस के सैन्य समूह के बलों ने पांच यूक्रेनी जवाबी हमलों को विफल कर दिया है। इस दौरान यूक्रेन के करीब 510 सैनिकों की मौत हो गयी है। इसके अलावा, यूक्रेन के रूस के जैपैड (पश्चिम) सैन्य समूह के साथ लड़ाई में 495 सैनिक मारे गये हैं। मंत्रालय के मुताबिक, रूस के सेवर (उत्तर) सैन्य समूह की सेनाओं ने दो यूक्रेनी जवाबी हमलों को विफल कर दिया है। इसमें उक्रेन के करीब 275 सैनिक मारे गये हैं।

हूती विद्रोहियों ने तीन अमेरिकी इजरायली जहाजों पर किया हमला

सना, 10 जुलाई (एजेंसियां)। यमन के हूती विद्रोही समूह अरब सागर और अदन की खाड़ी में अमेरिका तथा इजरायल के स्वामित्व वाले तीन जहाजों पर हमले का किया है। अल-

मसीरा टीवी ने हूती प्रवक्ता याह्या सरिया के हवाले से बताया कि अमेरिका और इजरायल के जहाज 'माएर्स्क सेंटोसा, मार्थोपोलिस तथा एमएससी पटनारी' को निशाना बनाया गया। उन्होंने कहा कि पहले अभियान में अरब सागर में अमेरिकी जहाज, माएर्स्क सेंटोसा को कई बैलिस्टिक और अन्य मिसाइलों से निशाना बनाया गया जबकि दूसरे अभियान में अरब सागर में जहाज, मार्थोपोलिस को ड्रोन से निशाना बनाया गया क्योंकि यह जहाज इज़रायली बंदरगाह की ओर जा रहा था। उन्होंने

■ **तीसरे अभियान में 'अदन की खाड़ी में इजरायली जहाज एमएससी पटनारी को कई ड्रोन से निशाना बनाया गया**

कहा कि तीसरे अभियान में 'अदन की खाड़ी में इजरायली जहाज एमएससी पटनारी को कई ड्रोन से निशाना बनाया गया।' प्रवक्ता के अनुसार, तीनों अभियान सफलतापूर्वक चलाए जा चुके हैं। उनकी ओर से किया गया हमला सीधा और सटीक था। जब तक गाजा पट्टी में फिलिस्तीनी लोगों पर इजरायली आक्रमण और घेराबंदी बंद नहीं हो जाती, तब तक हमारे अभियान बंद नहीं होंगे। पिछले साल, इजरायल-फिलिस्तीनी संघर्ष शुरू होने के बाद से यमन से गुजरने वाले जहाजों के खिलाफ हूती हमले जारी हैं।

ऑस्ट्रेलिया में 12 वर्षीय बालिका की जान लेने वाले मगरमच्छ को गोली मारी

कैनबरा, 10 जुलाई (एजेंसियां)। ऑस्ट्रेलिया के उत्तरी क्षेत्र (एनटी) में अधिकारियों ने एक बच्ची को मारने वाले मगरमच्छ को गोली मार दी है। एनटी पुलिस ने बुधवार को पुष्टि किया कि जुलाई की शुरुआत में 12 वर्षीय बालिका पर हमला करने वाले 4.2 मीटर के खारे पानी के मगरमच्छ का पता लगा लिया गया है और उसे मार दिया गया है। बालिका दो जुलाई को अपने परिवार के साथ डार्विन से 200 किलोमीटर से अधिक दक्षिण-पश्चिम में छोटे से दूरदराज के शहर पालुम्पा के पास एक खाड़ी में तैर रही थी, जब वह गायब हो गई। उसके शव चार जुलाई को दो दिवसीय खोज के बाद पाए गए। इस हवाई निगरानी, पुलिस, पार्क रेंजर्स और स्थानीय समुदाय के सदस्य शामिल थे। पुलिस ने उस समय कहा था कि उसकी चोटें मगरमच्छ के हमले के अनुरूप थीं। वर्ष 2018 के बाद से एनटी में यह पहला घातक मगरमच्छ का हमला था। एनटी पुलिस ने बुधवार को एक बयान में कहा कि क्षेत्र के स्थानीय स्वदेशी पारंपरिक मालिकों की अनुमति से रविवार को रेंजर्स द्वारा 4.2 मीटर के मगरमच्छ को गोली मार दी गई।

वर्ग पहेली 6612

१		२		३	■	४		५	
	■		■	६			■		■
७			■		■	८			९
	■		■	१०			■	■	
■	११		१२		■	■	१३		
■		■		■	१४			■	
१५		१६		■		■	१७	१८	
	■		■	१९		२०	■		■
२१			■		■	२२			२३
	■	२४				■	■	■	

बायें से दायें:-

१. खुशामद पसंद
४. छाती, सीना
४. दुध देने या बोझ ढोने के काम आने वाले पालतू पशु (उर्दू)
७. कर्मचारी, नौकर (उर्दू)
८. इंददेव्र के बगीचे का एक वृक्ष जो भी मांगो वह देता है
१०. वह जिसे फैसले के लिए हाकिम के पास पेश किया गया हो (उर्दू)
११. परिमाण, मात्रा, माप-तौल(उर्दू)
१३. उच्च, श्रेष्ठ, उत्तम
१४. बगावत
१५. दुर्दशाग्रस्त (उर्दू)
१७. अकस्मात्
१९. व्यर्थ, बेकार (उर्दू)
२१. एक प्रकार का वाद्य-यंत्र
२२. मसाले और दवा के काम आने वाला एक सुंगधित फल (उर्दू)
२४. मुस्तैदी

ऊपर से नीचे:-

१. चमड़े का काम करने वाला, मोची
२. फायदेमंद
३. बुद्धिमान (उर्दू)
४.वश में करने वाला
५. रोका हुआ, कुछ समय के लिए आगे बढ़ाया हुआ, ढंका या छिपा हुआ
९. धन,दौलत
११. भौंरा, भ्रमर
१२. प्रविष्ट (उर्दू)
१३. विवाद, हुज्जत
१४. शादी
१५. वर्षा
१६. वह गाना जो हास्य प्रधान हो
१८. शपथ (उर्दू)
१९. वह जख्म जो कभी न भरे (उर्दू)
२०. मृत्यु, नियति, भाग्य (उर्दू)
२३. शर्म, हया

वर्ग पहेली-6611

१ आ	प	२ बी	ती	■	■	३ से	ना	४ प	ति
श्वा	■	न	■	५ अ	पि	तु	■	वि	■
६ स	ब	ब	■	बं	■	व	■	७ त्र	८ पा
न	■	जा	■	९ स	ड़ा	ध	■	■	र्थ
■	१० पा	ना	११ गा	र	■	■	१२ ला	ल	सा
■	की	■	र	■	१३ ई	ला	ज	■	र
१४ न	जा	१५ क	त	■	त्या	■	■	१७ सा	थी
शे	■	र्ज	■	१८ निं	दि	१९ त	■	ई	■
२० म	र्या	दा	■	का	■	२१ र	स	दा	२२ र
न	■	२३ र	क्त	स	मू	ह	■	■	ब

युसूफ कुरैशी, मो. 8109948408

आज का इतिहास

1346-लग्जमबर्ग के चार्ल्स चतुर्थ को रोमन साम्राज्य का सम्राट बनाया गया।
1889-सोवा बाजार क्लब कोई फुटबॉल टूर्नामेंट खेलने वाला पहला भारतीय दल बना।
1921-मंगोलिया को चीन से आजादी मिली।
1922-हॉलीवुड बाउल की शुरुआत हुई।
1930-ब्रेडमैन ने लीड्स में इंग्लैंड के खिलाफ एक दिन में 309 रन बनाए।
1948-येरूशलम पर पहला हवाई हमला।
1960-अमेरिकन ऑथर हार्पर ली की क्लासिक रचना 'टू किल अ मॉकिंगबर्ड' प्रकाशित।
1973-पेरिस के निकट ब्राजील का बोइंग विमान दुर्घटनाग्रस्त, 122 की मौत।
1977-मार्टिन लूथर किंग जूनियर को मेडल ऑफ फ्रीडम से सम्मानित किया गया।
1979-अमेरिकी अंतरिक्ष प्रयोगशाला स्काई लैब धरती पर गिरी।
1995-अमेरिका एवं वियतनाम के बीच कूटनीतिक रिश्ते बने।
1995-बोस्निया में 7000 से ज्यादा लोगों का नरसंहार।
2002-चांग शांग दक्षिण कोरिया की पहली महिला प्रधानमंत्री बनीं।
2003-हिन्दी विकिपिडिया की शुरुआत।
2006-मुंबई की लोकल रेलगाड़ियों में सिलसिलेवार बम धमाके।
2008-एप्पल ने आईफोन 3जी लॉन्च किया।
2010-फुटबॉल विश्व कप के फआइनल में स्पेन ने नीदरलैंड को हराकर खिताब जीता।

अध्ययन *ब्रिटेन में चीनी पर टैक्स का ऐलान मार्च 2016 में किया गया था*

ब्रिटेन में चीनी पर टैक्स लगाने से खपत में आई कमी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। ब्रिटेन में चीनी पर टैक्स लगाने से बच्चों में चीनी की रोजाना खपत में करीब 5 ग्राम और वयस्कों में 11 ग्राम की कमी आई है। अध्ययन के अनुसार, 50 से ज्यादा देशों ने सॉफ्ट ड्रिंक (शीतल पेय पदार्थों) पर चीनी टैक्स लागू किया है ताकि निर्माताओं को अपने प्रोडक्ट्स को दोबारा तैयार करने के लिए प्रेरित किया जा सके। ब्रिटेन में चीनी पर टैक्स का ऐलान मार्च 2016 में किया गया था और अप्रैल 2018 में लागू हुआ था।

कैम्ब्रिज, बाथ और ऑक्सफोर्ड विश्वविद्यालयों के शोधकर्ताओं ने यूके नेशनल डाइट एंड न्यूट्रिशन सर्वे से 7 हजार 999 वयस्कों और 7 हजार 656 बच्चों के 11 वर्षों के आंकड़ों का विश्लेषण किया। जर्नल ऑफ एपिडेमियोलॉजी एंड कम्युनिटी हेल्थ में ऑनलाइन प्रकाशित रिजल्ट के अनुसार, ब्रिटेन में चीनी टैक्स लागू होने के एक साल बाद बच्चों ने भोजन और पेय से मिलने वाली चीनी की मात्रा में प्रतिदिन लगभग 5 ग्राम (10 प्रतिशत) की कमी कर दी। वहीं वयस्कों ने रोजाना करीब 11 ग्राम (20 प्रतिशत) की कमी कर दी। इस कुल मात्रा का आधे से ज्यादा हिस्सा अकेले शीतल पेय पदार्थों से आता है, जो बच्चों में करीब 3 ग्राम रोजाना और वयस्कों में लगभग 5 ग्राम प्रतिदिन है। वहीं बच्चों और वयस्कों में प्रोटीन का सेवन स्थिर रहा। शोधकर्ताओं ने बताया कि बच्चों में रोजाना 4.8 ग्राम चीनी की कमी लगभग 2,000 किलोकैलोरी के प्रतिदिन सेवन में से करीब 19.2 किलो कैलोरी

के बराबर है, जो ऊर्जा सेवन में लगभग एक प्रतिशत की कमी के बराबर है। इस बात के पर्याप्त सबूत हैं कि चीनी-मीठे पेय पदार्थों के सेवन से विशेष रूप से बच्चों में वजन बढ़ने, टाइप 2 डायबिटीज, कोरोनरी हार्ट डिजीज और समय से पहले मृत्यु का खतरा बढ़ जाता है। शोधकर्ताओं के अनुसार, फ्री शुगर लेवल से कुल रोजाना ऊर्जा का सेवन अभी भी विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्ल्यूएचओ) की अपडेटेड रिकमेंडेशन 5 प्रतिशत से ज्यादा है, जो वयस्कों के लिए 30 ग्राम रोजाना, 7-10 वर्ष के बच्चों के लिए 24 ग्राम और 4-6 वर्ष के बच्चों के लिए 19 ग्राम के बराबर है।

बच्चों में रोजाना 4.8 ग्राम चीनी की कमी लगभग 2,000 किलोकैलोरी के प्रतिदिन सेवन में से करीब 19.2 किलो कैलोरी के बराबर है, जो ऊर्जा सेवन में लगभग एक प्रतिशत की कमी के बराबर है : शोधकर्ताओं

दुनिया को जानें

8वें चीन-दक्षिण एशिया एक्सपो का 23 जुलाई से आयोजन

बीजिंग, 10 जुलाई (एजेंसियां)। चीन के युन्नान प्रांत के खुन मिंग शहर में 8वां चीन-दक्षिण एशिया एक्सपो 23 से 28 जुलाई तक आयोजित होगा। चीनी राज्य परिषद के सूचना कार्यालय ने न्यूज ब्रीफिंग में संबंधित स्थिति का परिचय दिया। चीनी उप वाणिज्य मंत्री ली फेई ने परिचय देते हुए कहा कि इस वर्ष का चीन-दक्षिण एशिया एक्सपो एकजुट, सहयोग और समान विकास की तलाश के प्रमुख मुद्दे पर आधारित है। यह एक्सपो इस वर्ष चीन और दक्षिण एशियाई देशों के बीच सबसे महत्वपूर्ण आर्थिक और व्यापार विनिमय कार्यक्रमों में से एक है। चीनी वाणिज्य मंत्रालय के एशियाई विभाग के निदेशक वांग लीफिंग ने कहा कि वर्तमान चीन दक्षिण एशिया एक्सपो प्रदर्शनी की गुणवत्ता और प्रभावशीलता को और बढ़ाएगा, चीन और दक्षिण एशिया के बीच आर्थिक और व्यापारिक आदान-प्रदान और सहयोग को बेहतर ढंग से पूरा करेगा। पहला, प्रदर्शन सामग्री को बेहतर ढंग से प्रस्तुत करने के लिए प्रदर्शनी हॉल सेटिंग्स को और अनुकूलित करें। दूसरा, प्रदर्शकों और व्यापारियों को बेहतर सेवा देने के लिए आर्थिक और व्यापार सहयोग पर और अधिक ध्यान केंद्रित करें।

प्रादेशिकी

कांग्रेस सरकार ने रोका है मंडी का स्मार्ट सिटी प्रोजेक्टः कंगना

मंडी। हिमाचल प्रदेश में जिला मंडी संसदीय क्षेत्र से भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) की सांसद कंगना रनौत ने आरोप लगाया है कि मंडी शहर का स्मार्ट सिटी प्रोजेक्ट प्रदेश की कांग्रेस सरकार ने रोक रखा है। जैसे ही प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी तो सभी रूके हुए प्रोजेक्टों पर कार्य शुरू कर दिया जाएगा। यह बात कंगना ने मंडी में अपने कार्यालय का विधिवत शुभारंभ करने के बाद पत्रकारों से बातचीत में कही। उन्होंने कहा कि मंडी सदर से उन्हें जबरदस्त लीड मिली थी इसलिए यहां के लोगों की अपेक्षाएं भी ज्यादा हैं, जिन्हें पूरा करना मेरा दायित्व है। इसलिए यहां स्मार्ट सिटी के रुके हुए प्रोजेक्ट को भाजपा की सरकार बनने पर दोबारा शुरू किया जाएगा। जब कंगना से यह पूछा गया कि कांग्रेस द्वारा स्मार्ट सिटी के प्रोजेक्ट को किस प्रकार से रोका गया है तो वह इस पर स्पष्ट जवाब नहीं दे पाई। उन्होंने कहा कि जब प्रदेश में भाजपा की सरकार बनेगी तो इस बात का पता चल जाएगा।

तीन विधानसभा क्षेत्रों के उप-चुनावों के लिए लगभग 70.5 प्रतिशत मतदान

शिमला, 10 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्य निर्वाचन अधिकारी मनीष गर्ग ने निर्वाचन प्रक्रिया में सहभागिता सुनिश्चित कर इसे सफल बनाने के लिए मतदाताओं का आभार व्यक्त किया। उन्होंने मतदान में रुचि दिखाने और लोकतांत्रिक प्रक्रिया में योगदान देने के लिए पहली बार भाग

■ प्रदेश में पूर्णतः महिलाओं द्वारा संचालित 06 दिव्यांगजनों द्वारा 01 तथा युवाओं द्वारा 03 मतदान केन्द्र संचालित किए गए

लेने वाले युवा मतदाताओं एवं बुजुर्ग मतदाताओं, महिला मतदाताओं तथा दिव्यांगजन मतदाताओं सहित सभी श्रेणी के मतदाताओं का भी आभार व्यक्त किया।

उन्होंने कहा कि राज्य मुख्यालय में पोल डे मॉनीटरिंग सिस्टम (पीडीएमएस) के माध्यम से प्राप्त सूचना के अनुसार सांय 6 बजे तक तीन विधानसभा क्षेत्रों में लगभग 70.5 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। उन्होंने कहा कि लोग सुबह जल्दी ही अपने घरों से निकलकर मतदान केन्द्रों पर पहुंचना आरम्भ हो गए थे और मतदान आरम्भ होने से

प्रातः 11 बजे तक 15.99 मतदान प्रतिशतता दर्ज की गई, जो दोपहर एक बजे तक 48.52 प्रतिशत, जबकि सांय 6 बजे तक यह लगभग 70.5 प्रतिशत दर्ज की गई। उन्होंने बताया कि सांय 6 बजे तक प्राप्त सूचना के अनुसार सोलन जिला के नालागढ़ विधानसभा क्षेत्र में सबसे अधिक लगभग 78 प्रतिशत, हमीरपुर में 67.7 प्रतिशत और देहरा में 65.42 प्रतिशत मतदान दर्ज किया गया। उन्होंने बताया कि मतदान प्रतिशतता के अन्तिम आंकड़े सभी पोलिंग पार्टियों के वापिस आने तथा दस्तावेजों की स्क्रूटनी के बाद ही जारी किए जाएंगे।

उन्होंने बताया कि विधानसभा उप-चुनावों के लिए 13 उम्मीदवार मैदान में थे, जिनमें से दो महिला उम्मीदवार शामिल हैं। देहरा व नालागढ़ विधानसभा क्षेत्रों में पांच-पांच जबकि हमीरपुर से तीन उम्मीदवारों ने चुनाव लड़ा।

उन्होंने कहा कि पूरी मतदान प्रक्रिया की रीयल टाइम मॉनिटरिंग के लिए 315 मतदान केंद्रों को लाइव वेब कास्टिंग के माध्यम से कवर किया गया, जिसकी राज्य, जिला और विधानसभा क्षेत्र स्तर पर स्थापित नियंत्रण कक्षों के माध्यम से लगातार निगरानी की जा रही थी। प्रदेश में पूर्णतः महिलाओं द्वारा संचालित 06 दिव्यांगजनों द्वारा 01 तथा युवाओं द्वारा 03 मतदान केन्द्र संचालित किए गए। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त, 09 आदर्श मतदान केन्द्र स्थापित किए गए थे।

मुख्य निर्वाचन अधिकारी ने बताया कि प्रदेश में हुए मतदान के अतिरिक्त 85 वर्ष से अधिक आयुवर्ग के 1523 तथा 348 दिव्यांगजन मतदाता होम वोटिंग के माध्यम से अपने मत का प्रयोग कर चुके हैं।

10 जून, 2024 को हुई उप-चुनावों की घोषणा से राज्य के जिला हमीरपुर, देहरा व नालागढ़ विधानसभा क्षेत्रों में आचार संहित लागू हो जाने के बाद मतदान के दिन तक पुलिस, आयकर, राज्य कर एवं आबकारी, वन तथा उद्योग विभागों की प्रवर्तन एजेंसियों द्वारा की गई संयुक्त कार्यवाही में लगभग 3.4 करोड़ की जब्ती की गई।

मंगलौर विधानसभा सीट के उपचुनाव में खूनी संघर्ष

लिब्बरहेड़ी गांव के पोलिंग बूथ पर में भिड़े दो दलों के कार्यकर्ता

■ अमरनाथ तिवारी

रुड़की, 10 जुलाई (देशबन्धु)। हरिद्वार जिले की मंगलौर विधानसभा सीट पर आज उपचुनाव हो रहे हैं। सुबह से मतदान जारी है। इसी बीच मंगलौर के लिब्बरहेड़ी गांव से हिंसक झड़प की खबर आई है। यहां वोट डालने को लेकर आपस में दो दलों के कार्यकर्ताओं के बीच भिड़ंत हो गई। जानकारी के मुताबिक, लिब्बरहेड़ी गांव के बूथ नंबर 53-54 पर बसपा और भाजपा के कार्यकर्ताओं के बीच झड़प हो गई। दोनों ओर से जमकर लाठी डंडे चले। इस मारपीट में कई लोग घायल हुए हैं। घटना की जानकारी मिलते

■ लाठी-डंडे चलने से कई घायल

ही कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व विधायक काजी निजामुद्दीन भी वहां पहुंचे और घायलों को साथ लेकर अस्पताल के लिए निकले। दरअसल, हरिद्वार जिले के मंगलौर विधानसभा के लिब्बरहेड़ी गांव में वोट डालने को लेकर दो दल आपस में भिड़ गए। इस दौरान जमकर लाठी और डंडे भी चले। जिसमें कई लोग घायल हो गए। खुद कांग्रेस प्रत्याशी व पूर्व विधायक काजी निजामुद्दीन मौके पर पहुंचे और घायलों को अस्पताल पहुंचाया। इस घटना के बाद सूबे में सियासत गरमा गई है।

कांग्रेस नेता हरीश रावत का कहना है कि मंगलौर उपचुनाव में जिसकी कल्पना भी नहीं की गई थी, वो घटना देखने को मिली है। हिंसा की जानकारी मिलते ही मौके पर भारी पुलिस बल पहुंचा और किसी तरह मामले को शांत किया। सभी घायलों को उपचार के लिए रुड़की सिविल अस्पताल भेजा गया है। लिब्बरहेड़ी में मौजूद सिविल लाइन कोतवाली प्रभारी निरीक्षक आरके सकलानी ने बताया कि दो दलों में मारपीट हुई है, घायलों को उपचार के लिए अस्पताल भेजा गया है और मौके पर पुलिस फोर्स तैनात की गई है। कांग्रेस प्रदेश प्रवक्ता शीशपाल बिष्ट ने आरोप लगाया कि मतदान के दिन मंगलौर विधानसभा के लिब्बरहेड़ी में बीजेपी कार्यकर्ताओं ने जिस तरह से कांग्रेस समर्थकों पर लाठी डंडों से हमला किया गया, उस दौरान प्रशासन कहीं नजर नहीं आया। इस घटना को रोकने की बजाय मौन बना रहा। कांग्रेस दो बार चुनाव आयोग को ज्ञापन देकर मांग उठा चुकी थी कि मंगलौर विधानसभा में अन्य राज्यों के वाहन धड़ल्ले से घूम रहे हैं और उन वाहनों की चेकिंग नहीं की जा रही है। शीशपाल बिष्ट ने कहा कि मंगलौर विधानसभा में लोगों को धमकाया जा रहा है, लेकिन प्रशासन ने इसे गंभीरता से काम नहीं किया, जिसका नतीजा ये हुआ कि वहां मतदान के दिन मारपीट हो गई।

फायरिंग की घटना से प्रशासन का इनकार

रुड़की। ऐसा आरोप लगाया जा रहा था कि लिब्बरहेड़ी गांव में कई राउंड फायरिंग की गई। गोली लगने से कई ग्रामीण घायल हुए हैं। लेकिन मंगलौर फायरिंग प्रकरण में जिला प्रशासन हरिद्वार द्वारा पुष्टि की गई है कि मंगलौर उपचुनाव के दौरान मतदेय स्थल पर फायरिंग की सूचना पूर्ण रूप से तथ्यहीन है।

उत्तराखंड कांग्रेस ने इस घटना को बताया शर्मनाक

रुड़की। शर्मनाक घटना उत्तराखंड भाजपा सरकार में लोकतंत्र के पर्व वोटिंग के दौरान ऐसा माहौल होना भाजपा सरकार की विफलता को दर्शाता है। कांग्रेस प्रत्याशी काजी निजामुद्दीन जी घायलों की मदद कर उनको अस्पताल पहुंचने का कार्य कर रहे है, शासन प्रशासन सो रहा है।

सार संक्षेप

कोट ब्लॉक में खुलेगा प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्रः डॉ. धन सिंह

देहरादून। स्वास्थ्य सेवाओं के सुदृढ़ीकरण के दृष्टिगत पौड़ी जनपद के कोट ब्लॉक में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोला जायेगा। इसके लिये राज्य सरकार ने स्वास्थ्य उपकेन्द्र मुछियाली के उच्चीकरण को मंजूरी दे दी है। मुछियाली उपकेन्द्र के अपग्रेडेशन से नये प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र पर टीकाकरण से लेकर इलाज की सुविधा मिलेगी। इसके साथ ही ग्रामीणों को स्थानीय स्तर पर स्वास्थ्य सेवाओं का लाभ मिल सकेगा। सूबे के चिकित्सा स्वास्थ्य एवं चिकित्सा शिक्षा मंत्री डा. धन सिंह रावत ने बताया कि राज्य सरकार प्रदेश के मैदानी इलाकों से लेकर पर्वतीय अंचलों में आम लोगों बेहतर चिकित्सकीय सुविधाएं मुहैया कराने के लिये दृढ़ संकल्पित है। उन्होंने बताया कि पौड़ी जनपद में स्वास्थ्य सुविधाओं को विस्तार देते हुये कोट ब्लॉक में प्राथमिक स्वास्थ्य केन्द्र खोला जायेगा। इसके लिये राज्य सरकार ने स्वास्थ्य उपकेन्द्र मुछियाली के उच्चीकरण की मंजूरी दे दी है। शीघ्र ही शासन स्तर से इसका शासनादेश जारी कर दिया जायेगा।

शासन ने 6 महीने तक ऊर्जा निगम के कर्मचारियों की हड़ताल पर लगाई रोक

देहरादून। उत्तराखंड में ऊर्जा निगमों के कर्मचारियों को हड़ताल करने की इजाजत नहीं होगी। उत्तराखंड शासन ने प्रदेश के ऊर्जा कर्मचारियों के लिए आदेश जारी करते हुए अगले 6 महीनों में हड़ताल पर रोक लगा दी है। खास बात यह है कि ऊर्जा कर्मचारी हड़ताल पर ना जाए, इसके लिए शासन की तरफ से समय-समय पर कई बार आदेश जारी हो चुके हैं। प्रदेश में ऊर्जा कर्मचारी अगले 6 महीने तक हड़ताल नहीं कर सकेंगे। सचिव ऊर्जा आर मीनाक्षी सुंदरम ने इसके लिए आदेश जारी किया है। दरअसल, ऊर्जा निगम अति आवश्यक सेवाओं में शामिल है, ऐसे में निगमों में कर्मचारी हड़ताल न कर सके इसके लिए प्रबंधन और शासन स्तर पर भी लगातार प्रयास किए जाते हैं। खास बात यह है कि समय-समय पर कर्मचारियों की हड़ताल को प्रतिबंधित करने के लिए आदेश भी किए जाते रहे हैं।

फसल नुकसान की समस्या को लेकर उपायुक्त से मिले किसान

सिरसा। भारतीय किसान एकता व अन्य किसानों ने जंगली सुअरों से होनी वाली समस्या को लेकर उपायुक्त से मुलाकात की। किसानों ने बताया कि खंड रानियां, ऐलनाबाद व बढ़ागुड़ा के कई गांवों में जंगली सुअर उनके खेतों में खड़ी फसलों को नुकसान पहुंचा रहे हैं, वही खेत मे काम करने वाले किसान व मजदूर पर भी हमला कर देते हैं। उन्होंने उपायुक्त को बताया कि किसान सुअरों की समस्या से पिछले कई दिनों से परेशान हैं।

सुडोकू 6612 का हल

2	4	8	3	1	7	6	5	9
6	7	5	8	2	9	4	1	3
1	9	3	6	4	5	2	7	8
7	5	9	4	3	2	8	6	1
8	2	1	5	9	6	7	3	4
4	3	6	1	7	8	9	2	5
9	6	4	7	5	3	1	8	2
5	1	7	2	8	4	3	9	6
3	8	2	9	6	1	5	4	7

सुक्खू सरकार के दो मंत्रियों ने ईडी और सीबीआई को भाजपा का राजनीतिक हथियार बताया

शिमला, 10 जुलाई (देशबन्धु)। सुक्खू सरकार के दो कैबिनेट मंत्रियों जगत सिंह नेगी व हर्षवर्धन चौहान ने भाजपा पर निशाना साधते हुए कहा कि राजनीतिक विरोधियों के खिलाफ ईडी, सीबीआई और आयकर का उपयोग कर लाभ उठाना भाजपा का राष्ट्रीय एजेंडा बन गया

■ जिन गैर भाजपा शासित राज्यों में चुनाव होते हैं, ईडी, आयकर व सीबीआई मेहमानों की तरह आती है : हर्षवर्धन चौहान

■ ईडी और सीबीआई के सहारे राजनीतिक लाभ लेना भाजपा का नेशनल एजेंडा बना

है। जिन गैर भाजपा राज्यों में चुनाव आते हैं, वहां पर ईडी, सीबीआई और आयकर वाले छापेमारी करने के लिए पहुंच जाते हैं। देवभूमि के शांत माहौल में इस तरह की छापेमारी निंदनीय है और लोकतंत्र व संविधान के लिए घातक है।

सचिवालय में आयोजित पत्रकार वार्ता में राजस्व मंत्री जगत सिंह नेगी ने आरोप लगाया

कि भाजपा लोकतंत्र को नहीं मानती है। संविधान की भी परवाह नहीं करती है। ईडी और सीबीआई के सहारे राजनीतिक लाभ लेने का एजेंडा चलाया गया है। उनका कहना है कि जोर जबरदस्ती करके कांग्रेस नेताओं को फंसाया जा रहा है। इसी कड़ी में प्रदेश के हमीरपुर जिला में ईडी, आयकर और सीबीआई की छापेमारी हुई है। उनका कहना है कि राष्ट्रीय स्तर पर भाजपा ने ईडी, सीबीआई को पीछे लगाकर असम के वर्तमान मुख्यमंत्री को भाजपा में जाने के लिए मजबूर किया। इसी तरह से महाराष्ट्र में कई नेताओं को भयभीत होकर कांग्रेस छोड़कर भाजपा में जाना पड़ा। उन्होंने पूर्व मुख्यमंत्री जयराम ठाकुर द्वारा उपचुनाव में सरकारी मशीनरी के आरोपों पर पलटवार करते हुए कहा कि वर्तमान सरकार में ऐसा एक भी मामला सामने लाएं। जबकि वास्तविकता ये है कि पूर्व भाजपा सरकार के समय में विधानसभा चुनाव के दौरान आंगनबाड़ी, आशा वर्करों की डयूटी भाजपा के पक्ष में मतदान करने के लिए लगती थी। इससे पूर्व संसदीय कार्यमंत्री हर्षवर्धन चौहान ने कहा कि जिन राज्यों में चुनाव होते हैं, वहां पर ईडी और आयकर विभाग वाले महमानों की तरह आते हैं। इसी तरह से ईडी और आयकर वाले प्रदेश के तीन उपचुनाव के दौरान आए थे। सचिवालय में अपने कार्यालय में पत्रकारों से बात करते हुए उन्होंने कहा कि भाजपा का राष्ट्रीय स्तर पर एजेंडा रहा है कि गैर भाजपा सरकार को अस्थिर किया जाए। लेकिन भाजपा ये मान लें कि तीन उपचुनाव के परिणाम कांग्रेस के पक्ष में रहेंगे और सत्तारूढ़ कांग्रेस के विधायकों की संख्या बढ़कर 38 से 41 पहुंचेगी। उनका कहना था कि प्रदेश की जनता त्याग पत्र देकर भाजपा टिकट पर चुनाव लड़ रहे पूर्व विधायकों से पूछ रही कि उनको जनता ने पूरे पांच साल के लिए चुनकर भेजा था। ऐसी क्या मजबूरी थी कि उन्होंने त्याग पत्र दिया।

ईडी की जांच के दायरे में आए खनन कारोबारियों से संबंधों पर जवाब दें सुक्खू : जयराम ठाकुर

शिमला। शिमला में मीडिया के प्रतिनिधियों से बातचीत करते हुए नेता प्रतिपक्ष जयराम ठाकुर ने कहा कि प्रदेश में खनन से जुड़े कारोबारियों के यहां हुई छपेमारी में घपले की पुष्टि हुई है। लेकिन इन कारोबारियों की मुख्यमंत्री से नज़दीकी की बातें समाने आ रही हैं। मुख्यमंत्री को इस मामले में प्रदेश की जनता को जवाब देना चाहिए कि जांच एजेंसियां जिनके खिलाफ कार्रवाई की तैयारी कर रही हैं। उनका मुख्यमंत्री से क्या संबंध है? कांग्रेस सरकार ने विकास के बजाय घोटालों को तरजीह दी है। जनता के मुद्दे से सरकार को कोई सरोकार नहीं है। सरकार तानाशाही से विपक्ष की आवाज़ को दबाने का काम कर रही है। उपचुनाव जीतने के लिए सरकार ने सत्ता का जितना दुरुपयोग कर सकती थी, वह कर चुकी है। सरकार की तानाशाही के खिलाफ जनता में रोष है। जयराम ठाकुर ने कहा कि इस समय प्रदेश में

भ्रष्टाचार पर भ्रष्टाचार के मामले सामने आ रहे हैं। घोटालों से प्रदेश की छवि ख़राब हो रही है, माफिया सक्रिय हैं। क़ानून व्यस्था ध्वस्त है लेकिन मुख्यमंत्री अपनी सरकार बचाने में व्यस्त हैं। हाल ही में आयकर और प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) के द्वारा हिमाचल प्रदेश के कुछ कारोबारियों पर अनियमितता की जांच के लिए कार्रवाई की गई। समाचारों की मानें तो वहां पर भारी धांधली का मामला सामने आया है। ये जांच खनन कारोबारियों के खिलाफ दर्ज एफआईआर, शिकायतों और फील्ड वेरिफिकेशन रिपोर्ट के आधार पर शुरू की गई है। शुरुआती जांच में ही ईडी और इनकम टैक्स डिपार्टमेंट को कई ऐसे दस्तावेज मिले हैं जिससे पता चलता है कि ये दोनों सैकड़ों करोड़ के स्कैम में शामिल हैं। इतने गंभीर मामलों के आरोपी की हिमाचल के मुख्यमंत्री के साथ नज़दीकी की बात भी मीडिया के माध्यम से सामने आ रही है।

संजना सातरोड़ ने किया देवीगढ़ पूनिया में पौधारोपण

हिसार, 10 जुलाई (देशबन्धु)। विधानसभा चुनाव की तैयारी कर रहीं प्रमुख समाजसेवी संजना सातरोड़ ने पौधारोपण महाभियान के तहत बरवाला विधानसभा के गांव देवीगढ़ पूनिया में

■ महाभियान के तहत गांव देवीगढ़ पूनिया में किया पौधारोपण

■ टी-शर्ट और पीने के पानी के कैंपर भी वितरित किए

पौधरोपण किया। यह अभियान 25 जून से 15 जुलाई तक चल रहा है, जोकि पर्यावरणीय स्थिरता को बढ़ावा देने पर केंद्रित है। अपने दौरे के दौरान, संजना सातरोड़ ने स्थानीय निवासियों और अपनी टीम संजना सातरोड़ के साथ मिलकर पौधारोपण गतिविधियों में सक्रिय रूप से भाग लिया। उन्होंने पर्यावरण संरक्षण के महत्व और पारिस्थितिकी संतुलन बनाए रखने में प्रत्येक व्यक्ति की महत्वपूर्ण भूमिका पर जोर दिया। इस अवसर गांव देवीगढ़ पूनिया से बबलू, अन्नू, बबली, प्रभु और ज्योति देवी समेत अनेक गांववासी मौजूद थे। इस अभियान में संजना सातरोड़ ने ग्रामवासियों को टी-शर्ट वितरित की ताकि अधिक से अधिक लोगों को इस पहल में शामिल होने और एक हरे-भरे और स्वस्थ पर्यावरण के निर्माण में योगदान देने के लिए प्रोत्साहित किया जा सके। उनके इस अभियान की हर जगह सराहना की जा रही है। संजना सातरोड़ का व्यापक अभियान समुदाय से जुड़ने और स्थानीय पर्यावरणीय

मुद्दों का समाधान करने की कोशिश है। सार्वजनिक सेवा और स्थिरता के प्रति उनकी प्रतिबद्धता सभी को प्रेरित कर रही है।

कांग्रेसियों ने दिया एसपी देहात कार्यालय पर धरना

रुड़की, 10 जुलाई (देशबन्धु)। मंगलौर विधानसभा क्षेत्र में कांग्रेस समर्थक लोगों को वोट डालने से रोके जाने और गुंडागर्दी और मारपीट का आरोप लगाते हुए कांग्रेस प्रदेश अध्यक्ष नेता प्रतिपक्ष, सांसदों समेत प्रदेश के कई नेता एसपी देहात कार्यालय में धरने पर बैठ गए। इस दौरान उन्होंने आरोपियों की गिरफ्तारी की मांग की और बाहरी लोगों को चिन्हित कर प्रदेश की सीमा से बाहर भेजने को कहा। एसपी कार्यालय में धरने पर बैठे नेता प्रतिपक्ष यशपाल आर्य ने बताया कि चुनावी सभा के दौरान भाजपा के नेताओं ने जो कहा था वही आज मतदान के दिन देखने को मिल रहा है लोगों को वोट डालने से रोका जा रहा है और पुलिस प्रशासन का दुरुपयोग कर मतदान को प्रभावित करने का काम सरकार द्वारा करवाया जा रहा है उन्होंने कहा कि भाजपा लोकतंत्र को पूरी तरह समाप्त करना चाहती है आज का दिन उत्तराखंड के इतिहास के लिए अच्छा नहीं है। प्रदेश अध्यक्ष करण महारा ने कहा कि भाजपा सत्ता बल का जितना अधिक दुरूपयोग कर सकती है वह कर रही है। भाजपा के नेता खुलेआम मंगलोर विधानसभा क्षेत्र में घूम रहे हैं उनसे कोई रोक-टोक नही की जा रही है जबकि कांग्रेस के स्थानीय नेताओं तक को बूथों पर जाने से रोका जा रहा हैं। उन्होंने कहा कि भाजपा ने हरियाणा एवं अन्य प्रदेशों से गुंडे बुलाए है जिनके द्वारा मारपीट आदि की घटनाएं की गई है। उन्होंने कहा कांग्रेस कानूनी तरीके से अपनी लड़ाई लड़ेगी। कांग्रेस नेताओं ने इस दौरान जमकर नारेबाजी की और सुधीर नामक व्यक्ति की गिरफ्तारी की मांग की।

जोशीमठ में एक दिन में एक ही जगह पर दो बार हुआ लैंडस्लाइड

जोशीमठ, 10 जुलाई (देशबन्धु)। उत्तराखंड में लगातार बारिश और भूस्खलन की वजह से कई सड़क बंद हैं। मंगलवार को जोशीमठ बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर एक पहाड़ का बड़ा हिस्सा नीचे आ जाने की वजह से कई घंटे तक सड़क बंद रही थी। उसी स्थान पर फिर से शाम को भी लैंडस्लाइड हो गया और सड़क फिर बंद हो गई।

■ बद्रीनाथ एनएच पर मंडराया खतरा

इसके बाद प्रशासन ने जेसीबी लगाकर रास्ता खोलने का प्रयास किया। मानसून के दौरान उत्तराखंड के पहाड़ बेहद खतरनाक हो जाते हैं। समय-समय पर प्रशासन लगातार लोगों से यह अपील करता है कि वह किसी भी ऐसी जगह पर न जाएं, जहां पर पहाड़ गिरने या सड़क धंसने का भय हो। जोशीमठ बद्रीनाथ के रास्ते पर ऐसे कई प्वाइंट हैं, जहां पर लगातार पत्थर गिरते रहते हैं। मंगलवार को भी इसी रास्ते पर भारी भूस्खलन की तस्वीरें जब से सामने आईं तो हर कोई सहम गया। मंगलवार की सुबह जोशीमठ में भयानक लैंडस्लाइड हुआ। देखते ही देखते पूरा पहाड़ ढह कर बद्रीनाथ नेशनल हाईवे पर आ गिरा। इस कारण बद्रीनाथ नेशनल हाईवे कई घंटों तक बंद रहा।

अभी संबंधित विभाग पहाड़ से आए मलबे को हटाकर रास्ता क्लियर कर ही पाया था कि शाम को उनकी मेहनत पर पानी फिर गया। शाम को जोशीमठ में उसी जगह पर फिर से पहाड़ दरक गया। देखते ही देखते पहाड़ का बड़ा हिस्सा फिर से नेशनल हाईवे पर आ गिरा। बद्रीनाथ नेशनल हाईवे फिर से बंद हो गया। हालांकि गनीमत ये रही कि दोनों बार हुए लैंडस्लाइड में किसी तरह की जनहानि नहीं हुई। चमोली पुलिस के मुताबिक अभी यात्रियों के फंसने जैसी कोई बात नहीं है। हां यह जरूर है कि जो जाने वाले यात्री थे, उन्हें निकालने के लिए हम लगातार प्रयास कर रहे हैं। कुछ घंटे बाद यह मार्ग पूरी तरह से खोल दिया जाएगा। अत्यधिक बोल्डर आने की वजह से सड़क का एक बड़ा हिस्सा भी डैमेज हुआ है। फिलहाल वाली बारिश रुकी हुई है और कर्मचारी लगातार सड़क खोलने का प्रयास कर रहे हैं।

भाजपा कार्यालय में केदारनाथ विधायक को धामी सरकार ने दी श्रद्धांजलि

देहरादून, 10 जुलाई (देशबन्धु)। केदारनाथ विधानसभा से भाजपा विधायक शैलारानी रावत के निधन के बाद बुधवार को उत्तराखंड भाजपा मुख्यालय में उन्हें श्रद्धांजलि दी गई। उनके पार्थिव शरीर को मुख्यालय में अंतिम दर्शन के लिए रखा गया। सुबह से ही भाजपा समेत अन्य दलों और आम लोगों ने उनके अंतिम दर्शन करते हुए उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। मुख्यमंत्री धामी समेत कैबिनेट मंत्रियों और पार्टी के तमाम कार्यकर्ताओं ने उनके निधन पर शोक व्यक्त किया। रुद्रप्रयाग जिले के केदारनाथ विधानसभा से भाजपा विधायक

शैलारानी रावत का कल होगा अंतिम संस्कार

शैलारानी रावत का मंगलवार रात करीब 10रू30 बजे देहरादून के मैक्स अस्पताल में निधन हो गया। शैलारानी रावत दो दिन से मैक्स अस्पताल में वेंटिलेटर पर थीं। रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर के बाद हुई सर्जरी के बाद भी वह उबर नहीं पाईं थी। और देर रात उन्होंने अंतिम सांस ली। भाजपा प्रदेश मुख्यालय में उन्हें मुख्यमंत्री धामी, मंत्री धन सिंह रावत, मंत्री रेखा आर्य, मंत्री सौरभ बहुगुणा, मंत्री सुबोध उनियाल, मंत्री प्रेमचंद अग्रवाल ने श्रद्धांजलि दी। भाजपा के कई विधायक, पदाधिकारी व कार्यकर्ताओं ने भी उन्हें श्रद्धांजलि अर्पित की। गौर है कि आज शाम को दिवंगत विधायक के पार्थिव शरीर को देहरादून से उनके गृह जनपद रुद्रप्रयाग ले जाया जाएगा। शाम 4 बजे भाजपा जिला कार्यालय रुद्रप्रयाग में श्रद्धांजलि एवं शोक सभा आयोजित की गई है। जबकि शाम 6 बजे अगस्त्यमुनि आवास पर श्रद्धांजलि एवं शोक सभा होगी।

दून के मैक्स अस्पताल में ली अंतिम सांस

देहरादून। केदारनाथ विधायक शैलारानी रावत का मंगलवार रात उपचार के दौरान निधन हो गया। रीढ़ की हड्डी का ऑपरेशन सफल नहीं होने से उन्हें हायर सेंटर रेफर किया गया था। दरअसल 2017 के विधानसभा चुनाव के दौरान उनके साथ एक हादसा हो गया था। जिससे बाद से उनका स्वास्थ्य खराब बना हुआ था। केदारनाथ विधायक शैलारानी रावत दो दिन से मैक्स अस्पताल में वेंटिलेटर पर थीं। रीढ़ की हड्डी में फ्रैक्चर के बाद हुई सर्जरी के बाद भी वह उबर नहीं पाईं। उनके स्वास्थ्य में थोड़ा सुधार की स्थिति में उन्हें एयर लिफ्ट कर हायर सेंटर ले जाने की तैयारी की गई थी। लेकिन उनका शरीर साथ नहीं दे रहा था। जिसके बाद मंगलवार रात उपचार के दौरान लगभग रात्रि साढ़े दस बजे उनका निधन हो गया। उत्तराखंड में वर्ष 2017 में विधानसभा चुनाव प्रचार के दौरान शैलारानी रावत गिर गई थीं। इससे उन्हें आंतरिक चोट आई थी। चोट से मांस फटने के कारण उन्हें कैंसर भी हो गया था। करीब तीन वर्ष तक चले इलाज के बाद वह स्वस्थ्य होकर अपने घर लौटी थीं। फिर से राजनीति में सक्रिय हो गईं।

प्रादेशिकी

बिजली करंट लगने से युवक की दर्दनाक मौत

फर्रुखाबाद,10 जुलाई (देशबन्धु)। करंट लगने से ग्रामीण युवक की हालत गंभीर हो गई उसे परिजनों नें लोहिया अस्पताल में भर्ती कराया जहां मृत घोषित कर दिया गया। थाना जहानगंज के ग्राम पकरिया निवासी 30 वर्षीय राजकुमार पाल पुत्र राकेश चन्द्र बुधवार को सुबह पंखा चलानें के लिए तार लगा रहा था उसी दौरान उसके जोरदार करंट लग गया जिससे उसकी हालत नाजुक हो गई। जानकारी होने पर परिजनों में हड़कंप मच गया। पिता राकेश कुमार, राजकुमार को लेकर सुबह लोहिया अस्पताल पंहुचें जहां उसे मृत घोषित कर दिया गया। मृतक की पत्नी रतनेश व मां शान्ति देवी का रो-रो कर बुरा हाल हो गया। राजपूताना चौकी प्रभारी अच्छे लाल पाल ने शव का पंचनामा भरकर पोस्ट मार्टम के लिए भेजा।

पशुधन व दुग्ध प्रसंस्करण क्षेत्र में और शोध की जरूरत : धर्मपाल सिंह

■ पशुओं के कृत्रिम गर्भाधान का लक्ष्य तीन करोड़ किए जाने पर जोर

वर्तमान में प्रदेश में लगभग एक करोड़ अंडों का उत्पादन किया जा रहा है और तीन करोड़ अंडों की खपत है : धर्मपाल सिंह

लखनऊ, 10 जुलाई (देशबन्धु)। प्रदेश की अर्थव्यवस्था को वन ट्रिलियन डॉलर बनाए जाने के सम्बन्ध में पशुधन एवं दुग्ध विकास विभाग मंत्री धर्मपाल सिंह की अध्यक्षता में बुधवसार को यहां पशुपालन निदेशालय के सभाकक्ष में डेलॉयट इण्डिया के प्रतिनिधियों द्वारा एक प्रस्तुतीकरण दिया गया। प्रस्तुतीकरण के उपरान्त सिंह ने पशुओं हेतु पौष्टिक चारे, कृत्रिम गर्भाधान एवं उन्नतशील नस्ल को बढ़ावा देने, पशुपालकों एवं किसानों के प्रशिक्षण, डेयरी क्रेडिट, दुग्ध प्रसंस्करण, पीसीडीएफ के पुनरूर्थान और डेयरी काम्प्लेक्स की स्थापना के संबंध में अपने मार्गदर्शक सुझाव प्रतिनिधियों को दिए। सिंह ने कहा कि पशुधन और दुग्ध प्रसंस्करण क्षेत्रों में नवीन प्रयोगों और प्रयासों को बढ़ावा देते हुए शोध किए जाने की आवश्यकता है। पशुधन मंत्री ने कहा कि वर्तमान में प्रदेश में लगभग 1 करोड़ अंडों का उत्पादन किया जा रहा है और 3 करोड़ अंडों की खपत है। प्रदेश को अंडा उत्पादन और वितरण में आत्मनिर्भर बनाने के लिए नई कम्पनियों को प्रदेश में लाया जाना चाहिए, इससे न केवल दूसरे प्रदेशों पर निर्भरता खत्म होगी, बल्कि प्रदेश की अर्थव्यवस्था को भी लाभ होगा। धर्मपाल सिंह ने कहा कि दुग्ध उत्पादन में भी उत्तर प्रदेश देश में प्रथम स्थान पर है लेकिन दुग्ध उत्पादन और दुग्ध प्रसंस्करण के क्षेत्र में हमें और आगे बढ़ना होगा। पशुओं को पौष्टिक पशु आहार उपलब्ध कराए जाने और कृत्रिम गर्भाधान योजना के माध्यम से उन्नत नस्ल के दुधारू पशु प्राप्त होंगे, जिससे न केवल दुग्ध उत्पादन बढ़ेगा बल्कि स्वरोजगार का भी सृजन होगा। सिंह ने कृत्रिम गर्भाधान का लक्ष्य 3 करोड़ किये जाने के निर्देश दिये। बैठक में डेलायट के प्रतिनिधियों ने प्रदेश में पशुधन एवं दुग्ध विकास क्षेत्र में विभिन्न संभावनाओं पर विस्तृत प्रस्तुतीकरण दिया।

योगी ने पीलीभीत के बाढ़ प्रभावित क्षेत्रों का किया हवाई सर्वेक्षण

पीलीभीत। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने बुधवार को पीलीभीत में पूरनपुर तहसील क्षेत्र के बाढ़ प्रभावित क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया और पीड़ितों को खाद्य सामग्री वितरित कर उनकी समस्याओं को सुना। मुख्यमंत्री आदित्यनाथ योगी ने बाढ़ से पीड़ित बच्चों से बातचीत कर उनके हाल को जाना है। लगातार हुई मूसलाधार बारिश से जिले में बाढ की स्थिति बनी हुई है। हर जगह पानी पानी ही नजर आ रहा है। खेत खलिहानों के साथ घरों में कई फुट पानी भरा है जिसके चलते लोगों को काफी परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। बाढ पीडित धनाराघाट रोड के किनारे शरण लिए हुए हैं। घरों में पानी भरने से चूल्हे भी नहीं जल रहे हैं। क्षेत्रीय विधायक बाबूराम पासवान ने दो दिन पहले मुख्यमंत्री से मिलकर अपने क्षेत्र की बाढ़ समस्या को अवगत कराया था। बुधवार को मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दोपहर को पीलीभीत पहुंचे, जहां उन्होंने पूरनपुर क्षेत्र में बाढ प्रभावित क्षेत्र का हवाई सर्वेक्षण किया। इसके बाद चंदिया हजारा पहुंचे,जहां वह पीड़ित परिवारों से मिले और उनकी समस्याओं को सुना। इस दौरान उन्होंने आवश्यक खाद्य सामग्री वितरण की और उन्होंने पीड़ितों से हिम्मत बनाए रखने की भी अपील की।

आकाशीय बिजली गिरने से छत की दीवार, ट्रांसफार्मर फुका

किठौर,10 जुलाई (देशबन्धु)। कस्बा शाहजहाँपुर मे दोपहर लगभग 2 बजे तेज बिजली के चमक व गरज के साथ मुसलाधार बारिश हुई और आकाशीय बिजली भी गिरी,जिससे जनजीवन अस्त व्यस्त हो गया जगह- जगह सड़कों और गड्ढो मे पानी भर गया जिससे लोगो को आने जाने मे परेशानी का भी सामना करना पड़ा द्य आकाशीय बिजली गिरने से एक घर की दीवार गिर गयी

और एक मकान की छत मे दरारे आ गयी और साथ ही कस्बे मे तालाब के पास रखे 1000 केवीए के ट्रांसफॉर्मर का रेडियेटर भी क्षतिग्रस्त हो गया और ट्रांसफॉर्मर से धुंआ उठने लगा जिसकी सूचना आस पास के लोगो ने बिजलीकर्मियों को दी जिस पर कस्बे के अवर अभियंता ने जाँच करी और बताया कि ट्रांसफॉर्मर फुक गया है और समाचार लिखे जाने तक ट्रांसफॉर्मर को बदले जाने का कार्य प्रगति पर था।

कर्टनी लुटरमैन व रितु अरोड़ा ने की मुख्य सचिव से मुलाकात

लखनऊ, 10 जुलाई (देशबन्धु)। मुख्य सचिव मनोज कुमार सिंह से ऑटोडेस्क की निदेशक कर्टनी लुटरमैन और अमेरिका दूतावास में वरिष्ठ वाणिज्यिक विशेषज्ञ रितु अरोड़ा ने भेंट की। भेंट के दौरान अमेरिका-भारत परिवहन कार्यक्रम, हरित और स्मार्ट सड़कों व इमारतों आदि विषयों पर विस्तृत चर्चा की गई। अपने संबोधन में मुख्य सचिव ने प्रदेश में निर्मित व निर्माणाधीन एक्सप्रेसवेज, पाइप पेयजल परियोजना, स्मार्ट रोड्स, ड्रेनेज सिस्टम तथा एडवांस ट्रैफिक मैनेजमेंट व महाकुम्भ-2025 आदि के बारे में विस्तार से बताया। बैठक में ऑटोडेस्क की निदेशक कर्टनी लुटरमैन ने हरित और स्मार्ट रोड्स और बिल्डिंग की स्थापना में राज्य के प्रयासों में सहयोग करने की इच्छा व्यक्त की। उल्लेखनीय है कि ऑटोडेस्क एक अमेरिकन मल्टीनेशनल साफ्टवेयर कॉर्पोरेशन है, जो आर्किटेक्चर, इंजीनियरिंग, कंस्ट्रक्शन, मैन्यूफैक्चरिंग, मीडिया, एजुकेशन और इण्टरटेनमेंट इंडस्ट्रीज को सेवाएं प्रदान करता है। ऑटोडेस्क का मुख्यालय सेन फ्रांसिस्को कैलिफोर्निया में है। ऑटोडेस्क ने भारत और दुनियाभर में विभिन्न सड़क और राजमार्ग परियोजनाओं में काम किया है। बैठक में प्रमुख सचिव नगर विकास अमृत अभिजात, विशेष सचिव मुख्यमंत्री प्रथमेश कुमार सहित अन्य वरिष्ठ अधिकारीगण आदि उपस्थित थे।

■ अमेरिका-भारत परिवहन कार्यक्रम, हरित व स्मार्ट सड़कों व इमारतों आदि विषयों पर की विस्तृत चर्चा

सार संक्षेप

जल्द दुरुस्त हो जल निगम द्वारा तोड़ी गई सड़कें

मवाना। अमृत योजना के तहत नगर स्वच्छ पेयजल योजना के तहत पाइप लाइन बिछाने के लिए खोदी गई सड़कों का हाल विभागीय अधिकारियों की अनदेखी के चलते बारिश में बद से बदतर हो चुका है। लगातार हो रही शिकायतों के बाद भी जल निगम के अधिकारियों ने नगरवासियों को हो रही समस्या से मुंह मोड लिया है। आम लोगा को हो रही परेशानी के चलते बुधवार को जनहित संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने उप जिलाधिकारी को ज्ञापन दे कार्यवाही की मांग की। बता दें कि नगर क्षेत्र में पेयजल व्यवस्था बेहतर करने के लिए अमृत योजना के तहत पांच वाटर टैंकों के निर्माण के साथ विभिन्न क्षेत्रों में करीब 100 किलोमीटर से भी अधिक पाइप लाइन बिछाई जाने का कार्य चल रहा है। जल निगम द्वारा नगर में बिछाई जा रही पाइप लाइन के लिए जल निगम में नगर की तमाम सड़कें खोद डाली। जिसके चलते लोगों को आवागम में भारी दिक्कते हो रही है। नगरवासी मामले की शिकायत कई बार नगर पंचायत अधिकारियों के कर चुके है लेकिन कोई कार्यवाही नही की गई। बुधवार को जनहित संघर्ष समिति के पदाधिकारियों ने उपजिलाधिकारी के मुलाकात कर ज्ञापन दिया जिसमें जलनिगम द्वारा खोदी गई सडकें दुरुस्त करने की मांग की। यहां पर रिजवार, वसीम, साजिद, शादाब चौधरी आदि उपस्थित रहे।

हमीरपुर में शराब पार्टी के बाद युवक की हत्या

हमीरपुर। उत्तर प्रदेश में हमीरपुर जिले के बिवार क्षेत्र में शराब पार्टी के बाद शिक्षा मित्र के पति की धारदार हथियार से हत्या कर दी गयी। पुलिस ने बुधवार को विद्यालय के पीछे शव को बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक क्षेत्र के अतरार गांव निवासी संदीप सिंह (40) की पत्नी अर्चना सिंह प्राथमिक विद्यालय अतरार में शिक्षा मित्र पद पर नियुक्त है। उसी परिसर में पंचायत भवन है। बुधवार को संदीप का शव विद्यालय परिसरमें रक्त रंजित अवस्था में मिलने से हड़कंप मच गया। संदीप का गला काट कर हत्या की गयी है। पुलिस ने बताया कि मंगलवार रात में संदीप सिहं व उसके साथियों ने शराब पार्टी की है तभी किसी बात को लेकर विवाद हुआ है और उसकी हत्या कर दी गई है। पुलिस का कहना है कि मामले की जांच पडताल करने के बाद रिपोर्ट दर्ज की जायेगी।

अमेठी में बिजली गिरने से तीन की मौत

अमेठी। अमेठी जिले में अलग-अलग स्थानों पर आकाशीय बिजली गिरने से दो महिलाओं और एक युवक की मौत हो गई। जानकारी के अनुसार जायस थाना क्षेत्र के पूरे लोधन में माया देवी की आकाशीय बिजली की चपेट में आने से मौत हो गई है। दूसरी घटना में पीपर पुर थाना क्षेत्र के केशवपुर के गाजीपुर गांव निवासी युवराज पाल बकरी चराने गया था। अचानक आकाशीय बिजली गिरने से युवक बिजली की चपेट में आ गया। जिसके चलते उसकी मौत हो गई। इस दौरान एक बकरी की भी मौत हो गई। एक और घटना में मुंशीगंज थाना क्षेत्र के कुड़वा गांव निवासी गुड्डा देवी खेत में काम करने गई थी जो आकाशीय बिजली की चपेट में आ गई उसकी भी मौत हो गई। मौत की घटनाओं से परिजनों का रो-रो कर बुरा हाल है। असामयिक मौत की घटनाओं से जिले में हड़कंप मच गया।

पौधारोपण और संचारी रोग से बचाने को अंताक्षरी

मवाना,10 जुलाई (देशबन्धु)। आर्य कन्या इंटर कॉलेज मवाना के निर्माणाधीन भवन में आंवला, नीम, अमरूद व जामुन के 10 पौधे लगाए गए। इन पौधों की देखभाल की जिम्मेदारी छात्राओं को सौंपी गई। छात्राओं से कहा गया कि वे अपने जन्मदिन पर एक पेड़

अवश्य लगाएं तथा उसकी देखभाल करें। ऐसा करके हम आने वाले समय में पर्यावरण को सुरक्षित रखने का कार्य कर सकते हैं। चिकित्सा स्वास्थ्य एवं परिवार कल्याण विभाग की ओर से प्रेषित विशेष संचारी रोग नियंत्रण तथा दस्तक अभियान के अंतर्गत दिमागी बुखार एवं वेक्टर जनित रोगों में जल जनित रोगों से बचाव, रोकथाम और उपचार के संबंध में अंताक्षरी प्रतियोगिता आयोजित कराई गई। इस अवसर पर प्रधानाचार्या आशा भारती, पूजा सिंह, विनय कुमारी, स्वीटी ,अंतिमा, दीपा व सीमा शर्मा उपस्थित रहे।

वैंकटेश्वरा में राष्ट्रीय कार्यशाला आयोजित

मेरठ, 10 जुलाई (देशबन्धु)। बुधवार को राष्ट्रीय राजमार्ग बाईपास स्थित श्री वैंकटेश्वरा विश्वविद्यालय के विम्स (वैंकटेश्वरा इंस्टिट्यूट ऑफ मेडिकल साइंसेज) के चर्म रोग विभाग द्वारा मेलेनिन सिम्पोजियम विषय पर एक दिवसीय राष्ट्रीय कार्यशाला का शानदार आयोजन किया गया, जिसमे दिल्ली, मुंबई, चेन्नई, हैदराबाद, लखनऊ समेत देश के विभिन्न हिस्सों से आये वरिष्ठ डेर्मेटोलोजिस्ट (चर्म रोग विशेषज्ञों) ने मेलेनिन की असमान्यता (कमी या अधिकता) से होने वाले विभिन्न खतरनाक रोगों की सटीक जांच एवं नवीनतम उपचार तकनीकों पर व्यापक चर्चा करते हुए विभिन्न त्वचा रोगों के डायग्नोसिस पर प्रकाश डाला। वैंकटेश्वरा संस्थान के डा. बिधान चन्द्र राय सभागार में मेलेनिन सिम्पोजियम विषय पर आधारित एक दिवसीय राष्ट्रीय चिकित्सा कार्यशाला का शुभारम्भ समूह चेयरमैन डा. सुधीर गिरि, प्रतिकुलाधिपति डा. राजीव त्यागी, डीन मेडिकल डा. अतुल वर्मा, विम्स चर्म रोग विभाग की विभागाध्यक्ष डा. प्रज्ञा कुशवाहा, कार्यशाला संयोजक डा. रोहन त्यागी, डा. अरविन्द कृष्णा, डा. ए.बी.डेविड आदि ने सरस्वती माँ की प्रतिमा के सम्मुख दीप प्रज्वलित करके किया। अपने सम्बोधन में हैदराबाद से आये डा. ए.बी.डेविड ने कहा कि मेलेनिन एक प्राकृतिक रंग वर्णक है जो कि हमारी त्वचा को कलर प्रदान करता है द्य इसकी असमान्यता (कमी या अधिकता) से विटिलिगो, एल्बिनिज्म, मेलेसिमा जैसी गंभीर बीमारियाँ जन्म लेती है।

यदि समय से जाँच कराकर सही उपचार ना लिया जाये तो यह घातक बिमारी का रूप ले लेती है द्य जिसमे स्किन खराब होने के साथ-साथ भैंगापन एवं दृष्टिदोष भी उत्पन्न हो जाते है राष्ट्रीय कार्यशाला को डा. आकांक्षा आस्तिक, डा. दीक्षा अग्रवाल, डा. रोहन त्यागी, डा. अमरजीत वर्मा, डा. सचिन अग्रवाल, डा. जूही कैथवास, डा. प्रज्ञा कुशवाहा, डा. अनुराग प्रधान आदि ने भी सम्बोधित किया।

■ चर्म रोग रोगों की सटीक जांच व नवीनतम उपचार तकनीकों पर की चर्चा

शिकायत के बाद भी कूड़ा डालना बंद नहीं

किठौर,10 जुलाई (देशबन्धु)। नगर पंचायत किठौर मे आज भी 50 शैय्या संयुक्त चिकित्सालय से सटी जगह पर म्युनिसिपल वेस्ट को डंप किया जा रहा है। इस वजह से चिकित्सालय में गंदगी, मक्खी, बदबू की वजह से स्टाफ और रोगियों को भारी परेशानी हो रही है स रोगियों की संख्या में गिरावट आ रही है स गंदगी की वजह से चिकित्सालय बंद करने की स्थिति बन गई है। इस मामले में मुख्य चिकित्सा अधीक्षक डॉ विश्वास चौधरी ने तत्काल डम्पीग बंद कराने के लिए संज्ञान लिया। किठौर मेरठ ने आला अधिकारियों को भी अवगत करा दिया है मगर अभी तक नगर पंचायत द्वारा कूड़ा डालना बंद नहीं किया गया है बताते चलें वही इस कूड़े के करकट के ढेर से अस्पताल में भारी परेशानी पैदा हो रही है वही काशीराम योजना के मकान भी कूड़े के ढेर में दब चुके हैं मगर प्रशासन कोई ध्यान नहीं दे रहा है।

बदबू के कारण ग्रामीणों का जीना हुआ दूभर

■ भारतीय किसान संघ ने दिया ज्ञापन, चेतावनी दी

मवाना,10 जुलाई (देशबन्धु)। तहसील के ब्लाक माछरा के गांव कासमपुर में अस्थाई गौशाला से ग्रामीण परेशान हो गए हैं। खुली हुई अस्थायी गौशाला में आवारा कुत्ते के नोंचने से गोवंशों की मौत हो जाती है। गोवंशों की मौत हो जाने के बाद वातावरण में फैल रही बदबू के कारण ग्रामीणों का जीना दूभर हो गया है। भारतीय किसान संघ के पदाधिकारियों ने तहसील प्रशासन को ज्ञापन देकर अस्थायी गौशाला को तत्काल अन्यत्र स्थान पर हस्तांतरित कराने की मांग की है। ऐसा नहीं करने पर उन्होंने तहसील परिसर में अनिश्चितकालीन आंदोलन करने की चेतावनी दी है। माछरा ब्लाक के गांव कासमपुर में वर्ष 2018 में तत्कालीन एसडीएम अंकुर श्रीवास्तव ने निराश्रित गोवंशों के लिए अस्थाई गौशाला बनवाई थी। ग्रामीणों को आश्वासन दिया गया था कि कुछ समय बाद अस्थाई गौशाला को यहां से हटा दिया जाएगा। ग्रामीणों के अनुसार जिस स्थान पर अस्थाई गौशाला है, वहां पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र है और इमारत बनी हुई है। भारतीय किसान संघ मेरठ के पदाधिकारी यतेन्द्र, शिवनंदन त्यागी, लोमस कुमार, सतपाल भाटी, अखिल त्यागी, राकेश त्यागी ने कहा कि अस्थाई गौशाला की चाहर दीवारी नहीं होने के कारण आवारा कुत्ते गौवंशों को नुकसान पहुंचाते है। इस कारण गौवंशों की मौत हो जाती है।

शुकरुल्लापुर ओवर ब्रिज से गिरकर युवक की मौत

फर्रुखाबाद, 10 जुलाई (देशबन्धु)। शुकरुल्लापुर ओवर ब्रिज से नीचे गिरने से बाइक सवार तंदूर कारीगर की मौत हो गई जबकि दुर्घटना में उसके दो चचेरे भाई घायल हो गए। कोतवाली फतेहगढ़ क्षेत्र के ग्राम बुढनामऊ निवासी 28 वर्षीय विशाल जाटव पुत्र सुधीर कुमार तंदूर कारीगर था। अपने चचेरे भाई शोभित व सचिन के साथ मंगलवार को बाइक से शमशाबाद में तंदूर लगाने जा रहा था। जब बाइक सबार विशाल शुकरुल्लापुर ओवर ब्रिज पर पहुंचा। तभी बाइक अनियंत्रित होकर पुल से लगभग 25 फीट नीचे जा गिरी। बाइक चालक विशाल समेत तीनों युवक हेलमेट नहीं लगाए थे। जिसके चलते उनके सिर में गंभीर चोट आई। तीनों को लोहिया भेजा गया। ईएमओ डॉक्टर वैभव यादव ने विशाल का चिकित्सा परीक्षण कर उसे मृत घोषित कर दिया। घायल शोभित और सचिन का उपचार शुरू कर दिया गया। सचिन के सर में गंभीर चोट व शोभित का पैर टूट गया है। मृतक की मां सावित्री, भाई सूरज और लालू भी जिला अस्पताल लोहिया आ गए।जिनका रो-रो कर बुरा हाल हो गया।

उपभोक्ताओं तक नहीं पहुंच पर रहे हैं बिजली बिल

मवाना,10 जुलाई (देशबन्धु)। मवाना नगर में करीब 40 हजार बिजली उपभोक्ता है लेकिन मीटरों की रीडिंग लेने के बाद निजी संस्था के कर्मचारी मौके पर बिल उपलब्ध नहीं करा रहे हैं। ऐसे में उपभोक्ताओं को बिल जमा करने में परेशानी आ रही है, क्योंकि जनरेट बिल और मैसेज में आने वाली धनराशि में काफी अंतर आ रहा है। बिजली विभाग के अफसर इस ओर ध्यान नहीं दे रहे हैं। मवाना नगर व देहात क्षेत्र में मीटरों की रीडिंग लेने का ठेका विभाग ने एक निजी संस्था को छोड़ रखा है। संस्था के कर्मचारी बिजली रीड़िग लेने आते है लेकिन उपभोक्ताओं को मौके पर ही बिल उपलब्ध नहीं करा रहे हैं। उपभोक्ताओं के पास विभाग से बिल जमा करने का मैसेज आते है। इसमें गौर तलब बता यह है कि विभाग के एसएमएस मैसेज और जनरेट बिल की धनराशि में काफी अंतर होता है। इस कारण उपभोक्ता परेशान हो रहे है कि बिल कितनी धनराशि का जमा किया जाये। इस बारे में जून माह में एक उपभोक्ता का बिल मीटर रीड़र ने करीब 11 हजार रीडिंग का अधिक बनाकर 56 हजार रुपये का बिल भेज दिया। उपभोक्ता ने एमडी व मुख्य अभियंता से लिखित शिकायत की। काफी भागदौड़ करने के बाद उपभोक्ता का बिल ठीक कराया गया। इसके समाधान के लिए उपभोक्ता को एक सप्ताह भागदौड़ करनी पड़ी। विभाग के कर्मचारी बताते है कि बिलों की गलत रीड़िग को सुधरवाने के लिए रोजाना कार्यालय में दस से 12 उपभोक्ता आ रहे है।

■ कैसे जमा करें बिल, जनरेट बिल और मैसेज में अंतर

■ समस्याओं पर विभागीय अफसर नहीं कर रहे गौर

कार्रवाई *नहीं रुक रहा बिजली विभाग का भ्रष्टाचार*

सरकारी लाईनमैन के साथ हटाए गए लाईनमैन डाल रहे रेड

मेरठ, 10 जुलाई (देशबन्धु)। पश्चिमांचल विद्युत वितरण निगम लिमिटेड में आखिर भ्रष्टाचार पर कब अंकुश लगेगा। उधर एमडी ईशा दुहन भी विभाग भ्रष्टाचार से दूर करने की मुहिम में लगी तो हैं लेकिन उनकी इस मुहिम को उन्हीं के महकमें में तैनात अधिकारी कर्मचारी ही पलीता लगाने में जुटे हैं। इसकी बानगी उस समय देखने को मिली जब एक बिजली घर क्षेत्र में विभाग की टीम रेड डालने पहुंची तो उस टीम में दो ऐसे लाईनमैन भी नजर आए जिन्हें महिनों पहले दूसरे बिजली घर स्थनानांतरित किया गया था।

■ काजीपुर बिजली घर का मामला, उपभोक्कताओं के दस्तावेजों की जांच करते मिले लाईनमैन

मामला काजीपुर बिजली घर से जुड़ा है जहां से निविदा कर्मियों शहजाद व छमन को आउटसोर्सिंग कंपनी अधाना एंटरप्राईजेज द्वारा 21 मई 2024 को स्थानांतरित कर दिया गया था। कंपनी ने यह फैसला उपखण्ड अधिकारी के द्वारा दिनांक 02.04.2024 को लिखित प्रार्थना पत्र संख्या 105/विद्युत वितरण खण्ड प्रथम/ उत्तर प्रदेश उपखण्ड तृतीय दिये जाने के बाद लिया था। स्थानांतरण के लिए दिए गए आदेश में कंपनी ने स्पष्ट लिखा था कि यदि दोनों निविदाकर्मियों ने तीन दिन के भीतर नए स्थान पर जाकर ड्यूटी ज्वाईन नहीं की तो उन्हें हमेशा के लिए हटा दिया जाएगा। लेकिन उसके बावजूद ये दोनों लाईनमैन आज भी काजीपुर बिजली घर पर ही जमे हुए हैं और सरकारी लाईनमैन रामकुमार व टीजी-2 रॉकी और निविदाकर्मी अमन के साथ दो माह पूर्व हटाए गए निविदाकर्मी छम्मन व शहजाद बिभागीय रेड में भी शामिल हो रहे हैं। ऐसे में विभाग पर अब सवाल ये उठता है कि जिन प्राईवेट लाइनमैन को दो माह पूर्व ही स्थानांतरित कर दिया गया था वे लाईनमैन वर्तमान में तैनात सरकारी कर्मचारियों के साथ रेड कैसे डाल सकते हैं। क्या इससे चोरी पर अंकुश लगेगा या मामला कुछ ओर है। उधर इस संबंध में जब अधिशासी अभियंता मुकेश कुमार से बात की गई तो उन्होंने कहा कि दोनों प्राईवेट लाईमैन को पहले ही हटाया जा चुका है यदि कोई आगे की जानकारी लेनी है तो एसडीओ ही देंगे। जब एसडीओ शांतनु चौधरी से जानकारी चाही तो उन्होंने भी गोल मोल जवाब देकर मामले से पल्ड़ा झाड़ा। सूत्रों के अनुसार निविदकर्मी अमन के साथ मिलकर शहजाद व छममन क्षेत्र में अवैध वसूली भी करते देखे जा रहे हैं।

छेड़छाड़ का विरोध करने पर महिला से मारपीट

मवाना,10 जुलाई (देशबन्धु)। थाना क्षेत्र के गांव सटला में महिला ने गांव के ही एक युवक पर छेड़खानी करने का विरोध करने पर पड़ोसी युवक ने परिजनों के साथ डंडे से मारपीट कर दी। घटना की जानकारी पर मौके पर पहुंची थाना पुलिस ने घायलो को सीएचसी भर्ती कराया। पीडिता ने आरोपी और उसके परिजनों के खिलाफ थाने पर मुकदमा पंजीकृत कराया। वारदात के बाद से आरोपित फरार है। जानकारी के अनुसार सटला निवासी शआना ने बताया कि मंगलवार को पीडिता अपने पुत्र के साथ गांव के तालाब में पुश नहलाने रही थी। तभी गांव के रहने वाले युवक आफाक ने पीडिता से छेडछाड का प्रयास किया। महिला ने विरोध किया तो आरोपी ने महिला और उसके पुत्र के साथ मारपीट करने लगा। महिला के विरोध करने पर आरोपी के परिजज लाटी डंडे से मारपीट करना शुरू कर दी। मां को बचाने पहुंची बेटी को भी दोनों ने जमकर पीटा। घटना के दौरान महिला और उसके पुत्र को गंभीर चोट आई है।

दुनिया रंग-बिरंगी

देशबन्धु नई दिल्ली, गुरुवार, 11 जुलाई, 2024, डाक पंजीयन संख्या :- DL (ND)-11/6176/2015-16-17

मैं अपने कामों को बारीकी से देखता हूं व गलती होने पर सुधारता हूं : इमरान हाशमी

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अपनी अदाकारी से लोगों के दिलों पर राज करने वाले एक्टर इमरान हाशमी इंडस्ट्री में 'किसर किंग' के नाम से जाने जाते हैं। अपनी दमदार एक्टिंग के दम पर उन्होंने कई हिट फिल्में दी हैं। उनका कहना है कि वह हमेशा अपने काम को पहले देखते हैं और जब उन्हें लगता है कि उन्होंने कुछ गलत किया है, तो वह उसे सुधारने की कोशिश करते हैं। इमरान इन दिनों अपनी अपकमिंग वेब सीरीज 'शोटाइम' को लेकर चर्चा में हैं। वह रघु खन्ना का किरदार निभा रहे हैं। एक्टर ने अपनी कमजोरियों और उनसे खुद को कैसे जोड़ते हैं, इस बारे में खुलकर बात की है। इमरान ने कहा, 'हम सभी के जिंदगी में ऐसे पल आते हैं, जब हमसे गलतियां होती हैं। हमने शायद उस मॉडल कोड को तोड़ा है, जिसे हमने अपने लिए अलग रखा था और मुझे लगता है कि अंत में, हम इंसान हैं, हम गलतियां करते हैं।'

स्तन कैंसर के उपचार में नर्व डैमेज का पूर्वानुमान लगाने वाले उपकरण बनाए

नई दिल्ली, 9 जुलाई (एजेंसियां)। स्वीडिश शोधकर्ताओं ने एक ऐसा उपकरण विकसित किया है, जो स्तन कैंसर के उपचार से प्रत्येक व्यक्ति में नर्व डैमेज (तंत्रिका क्षति) के जोखिम का पूर्वानुमान लगा सकता है। स्तन कैंसर की पुनरावृत्ति को रोकने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली कीमोथेरेपी दवा टैक्सेन का उपयोग करके स्तन कैंसर का इलाज कराने वाली कई महिलाओं को अक्सर नर्व डैमेज में दुष्प्रभावों का अनुभव होता है। स्वीडन के लिंकोपिंग विश्वविद्यालय के शोधकर्ताओं द्वारा विकसित नया उपकरण, डॉक्टरों को सबसे अधिक जोखिम वाले लोगों में लगातार होने वाले दुष्प्रभावों से बचने के लिए उपचार में मदद कर सकता है। यूनिवर्सिटी की क्रिस्टीना एंगवाल ने बताया कि स्तन कैंसर के लिए टैक्सेन से उपचार के बाद तंत्रिका क्षति एक बहुत ही आम दुष्प्रभाव है। ये अक्सर कई सालों तक बने रहते हैं।

उन्होंने कहा, 'इससे प्रभावित लोगों के लिए यह अत्यंत तनावपूर्ण है और इसका जीवन की गुणवत्ता पर बहुत बुरा प्रभाव पड़ता है।' एनपीजे प्रिसिजन आंकोलाजी पत्रिका में प्रकाशित शोध के लिए टीम ने स्तन कैंसर के लिए इस्तेमाल होने वाली दो सबसे आम टैक्सेन दवाएं डोसेटेक्सेल या पैक्लिटैक्सेल से उपचारित 337 रोगियों के दुष्प्रभावों का सर्वेक्षण किया। दो से छह साल के बीच चार में से एक से ज्यादा मरीजों ने पैरों में ऐंठन की शिकायत की, जो तंत्रिका क्षति या परिधीय तंत्रिकाविकृति का सबसे आम दुष्प्रभाव है। जार खोलने में कठिनाई, पैरों में सुन्नता, पैरों में झुनझुनी और सीढ़ियां चढ़ने में कठिनाई अन्य दुष्प्रभाव थे। पूर्वानुमान मॉडल विकसित करने के लिए शोधकर्ताओं ने रोगियों के जीन को अनुक्रमित किया और फिर ऐसे मॉडल बनाए जो आनुवंशिक विशेषताओं को टैक्सेन उपचार के विभिन्न दुष्प्रभावों से जोड़ते हैं। शोधकर्ताओं ने मशीन लर्निंग का उपयोग करके पैरों में लगातार सुन्नता और झुनझुनी के जोखिम को मॉडलिंग करने में सफलता प्राप्त की। दोनों मॉडलों ने मरीजों को दो समूहों में विभाजित किया, इनमें से एक समूह में लगातार दुष्प्रभावों का उच्च जोखिम था, तथा दूसरा समूह सामान्य जनसंख्या में परिधीय न्यूरोपैथी की आवृत्ति के अनुरूप था।

नया उपकरण, डॉक्टरों को सबसे अधिक जोखिम वाले लोगों में लगातार होने वाले दुष्प्रभावों से बचने के लिए उपचार में मदद कर सकता है

कालानमक धान का बढ़ा क्रेज

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। कालानमक धान को सिद्धार्थनगर का ओडीओपी (एक जिला एक उत्पाद) घोषित किया गया है। तब से ही इसका क्रेज बढ़ता जा रहा है। पिछले साल की तुलना में बीज की बिक्री में करीब 20 फीसदी की वृद्धि इसका सबूत है। स्वाद, सुगंध और पौष्टिकता में बेमिसाल होने के नाते अन्य राज्यों में भी इसका विस्तार हो रहा है। इस साल छत्तीसगढ़, बिहार, एमपी, राजस्थान, महाराष्ट्र, उत्तराखंड और हरियाणा से भी बीज की अच्छी मांग आई है। कालानमक धान पर दो दशक से काम कर रहे पद्मश्री से सम्मानित कृषि वैज्ञानिक डॉ. आरसी चौधरी के अनुसार, उनके पास जितने बीज की मांग जीआई टैग वाले पूर्वांचल के 11 जिलों से आई है, लगभग उतनी ही मांग छत्तीसगढ़ से भी आने का अनुमान है। बीज की बढ़ी मांग की तस्दीक गोरखपुर के बड़े बीज बिक्रेता उत्तम बीज भंडार के श्रद्धानंद तिवारी भी करते हैं। तिवारी के मुताबिक, पिछले साल के मुकाबले कालानमक धान के बीज की मांग ज्यादा है। इसी वजह से आपूर्तिकर्ता कंपनियों की संख्या भी कफी बढ़ी है। लोगों का कहना है कि आज कालानमक धान का जो भी क्रेज है, उसकी एकमात्र वजह मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का निजी प्रयास है। उत्तर प्रदेश की बात करें तो जीआई टैग वाले जिलों के अलावा बलिया, आजमगढ़, जौनपुर, सुल्तानपुर, प्रयागराज, उन्नाव, प्रतापगढ़ आदि वे जिले हैं जहां से कालानमक धान के बीज की अच्छी मांग निकली है। वैज्ञानिक डॉ. आरसी चौधरी के मुताबिक, पिछले साल कालानमक धान का रकबा सिर्फ़ जीआई टैग वाले जिलों में करीब 80 हजार हेक्टेयर था। 2024 में बीज बिक्री के अब तक के आंकड़ों के अनुसार, यह एक लाख हेक्टेयर तक पहुंच जाएगा। अन्य जिलों और प्रदेशों को शामिल कर लें तो यह रकबा उम्मीद से बहुत अधिक होगा।

जितने बीज की मांग जीआई टैग वाले पूर्वांचल के 11 जिलों से आई है, लगभग उतनी ही मांग छत्तीसगढ़ से भी आने का अनुमान है। बीज की बढ़ी मांग की तस्दीक गोरखपुर के बड़े बीज बिक्रेता उत्तम बीज भंडार के श्रद्धानंद तिवारी भी करते हैं

मात्र सात साल में इसके रकबे में करीब चार गुना वृद्धि हुई। 2016 में इसका रकबा सिर्फ 2200 हेक्टेयर था, जो 2022 में बढ़कर 70 हजार हेक्टेयर से ज्यादा हो गया। 2024 में इसके एक लाख हेक्टेयर से ज्यादा होने की उम्मीद है।

मुख्यमंत्री ने सिद्धार्थनगर में कालानमक धान के लिए कॉमन फैसिलिटी सेंटर (सीएफसी) का लोकार्पण भी किया था। इसमें कालानमक के ग्रेडिंग, पैकिंग से लेकर हर चीज की अत्याधुनिक सुविधा एक ही छत के नीचे मिल जाती है। सरकार के इन सारे प्रयासों का नतीजा सबके सामने है। यही नहीं, दो साल पहले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कालानमक को लोकप्रिय बनाने के लिए वहां के तत्कालीन जिलाधिकारी दीपक मीणा को सम्मानित भी किया था।

उत्तर प्रदेश और बिहार के किसानों के बीच काम करने वाली संस्था सस्टेनेबल ह्यूमन डेवलेपमेंट को इंटरनेशनल राइस रिसर्च इंस्टीट्यूट ने पिछले साल कालानमक की 15 प्रजातियों को एक जगह छोटे-छोटे रकबे में डिमांस्ट्रेशन के लिए उपलब्ध कराया है। एनबीआरआई भी कालानमक पर एक शोध प्रोजेक्ट पर काम कर रहा है।

जान्हवी कपूर ने 'उलझ' के दो नए पोस्टर किए जारी, कहा-'हर चेहरा एक कहानी बयां करता है'

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। बॉलीवुड एक्ट्रेस जान्हवी कपूर ने बुधवार को इंस्टाग्राम पर अपकमिंग फिल्म 'उलझ' के दो नए पोस्टर जारी किए, जो रहस्यमयी दुनिया की झलक पेश करते हैं। पहली तस्वीर में गुलशन देवैया, राजेश तैलंग, रोशन मैथ्यू और मेयांग चांग सहित पूरी स्टार कास्ट सीरियस सिचुएशन में दिखाई दे रही है। दूसरे पोस्टर में अकेली जान्हवी नजर आ रही हैं, उन्होंने ब्राउन कलर का ब्लेजर पहना हुआ है और उस पर तिरंगा का बैच लगा हुआ है। साथ ही हाथ में एक फाइल पकड़ी हुई हैं, जिस पर कॉन्फिडेंशियल लिखा हुआ है। जान्हवी ने इन दो पोस्टर्स को शेयर करते हुए कैप्शन में लिखा, 'हर चेहरा एक कहानी बयां करता है, और हर कहानी एक जाल है! इस 'उलझ' को सुलझाओ... 2 अगस्त से आपके नजदीकी सिनेमाघरों में!' 'उलझ' की कहानी परवेज शेख और सरिया ने लिखी है और डायलॉग अतिका चौहान के हैं। यह फिल्म इंडियन फॉरेन सर्विस (आईएफएस) के अधिकारी और एक युवा डिप्लोमैट के जीवन पर आधारित है, जो उसके करियर और निजी जीवन में आने वाली चुनौतियों को दर्शाती है।

फिल्म का निर्माण जंगली पिक्चर्स ने किया है। इसमें आदिल हुसैन, राजेश तैलंग, मेयांग चांग, राजेंद्र गुप्ता और जितेंद्र जोशी लीड रोल में हैं। वर्कफ्रंट की बात करें तो जान्हवी कपूर जल्द ही 'देवरा' पार्ट 1' में नजर आएंगी। वह इस फिल्म के जरिए तेलुगु इंडस्ट्री में डेब्यू कर रही हैं। इसमें उनके साथ सुपरस्टार जूनियर एनटीआर और बॉलीवुड एक्टर सैफ अली खान दिखाई देंगे। इसके अलावा, वह वरुण धवन के साथ 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' में भी नजर आएंगी।

यह जोड़ी फिल्म 'बवाल' में स्क्रीन पर पहले भी दिख चुकी है। इस फिल्म में रोहित सराफ, सान्या मल्होत्रा और अक्षय ओबेरॉय भी लीड रोल में हैं। 'सनी संस्कारी की तुलसी कुमारी' 18 अप्रैल, 2025 को सिनेमाघरों में रिलीज होगी।

बाढ़ ने बढ़ाई परेशानी, नाव पर निकली बारात

गोपालगंज, 10 जुलाई (एजेंसियां)। अब तक आपने घोड़ी, बड़े वाहनों पर बारात निकलते देखा और सुना होगा, लेकिन बिहार के बाढ़ग्रस्त इलाको में बारात भी अब नाव पर निकल रही है। ऐसा ही नजारा गोपालगंज जिले के मांझागढ़ थाना क्षेत्र के एक बाढ़ प्रभावित गांव में देखने को मिला, जहां सज-धजकर दूल्हे के साथ पूरी बारात एक नाव पर सवार होकर एक ऊंचे स्थान तक आई और फिर वाहनों पर सवार होकर पूरी बारात अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई।

दरअसल, गोपालगंज जिले के माझागढ़ थाना के भृगुन राउत टोला गांव गंडक नदी में आई बाढ़ से पूर्ण रूप से प्रभावित हो चुका है। पूरे गांव में बाढ़ का पानी फैल चुका है। इस गांव के विकास यादव की बारात जानी थी। बाढ़ के कारण किसी वाहन का गांव तक पहुंचना आसान नहीं था। विकास ने सज-धजकर नाव की सवारी की और दो किलोमीटर का सफर तय करके बारात लेकर रवाना हुए। यही नहीं पूरा सामान भी नाव पर ही रखा गया। बारात में शामिल निमुइया पंचायत के सरपंच चंद्रिका यादव कहते हैं कि दूल्हा विकास यादव की शादी है। बारात लेकर पूर्वी चंपारण के मलाही गांव जा रहे हैं। इनका विवाह मलाही गांव के सत्येंद्र यादव की पुत्री के साथ होना तय है। अचानक बाढ़ के पानी के आने के कारण घर भृगुन राउत टोला से गौसिया तक नाव की सवारी करनी पड़ी। विकास मामले को लेकर कुछ भी बोलने को तैयार नहीं हैं। बारात में शामिल लोगों का कहना है कि जब दुल्हन की विदाई कराकर बारात वापस आएगी तो दुल्हन भी नाव से ही गांव पहुंचेगी।

सज-धजकर दूल्हे के साथ पूरी बारात एक नाव पर सवार होकर एक ऊंचे स्थान तक आई और फिर वाहनों पर सवार होकर पूरी बारात अपने गंतव्य की ओर रवाना हुई

यूपी में एक ही दिन में लगाए जाएंगे 36.46 करोड़ पौधे, बनेगा नया रिकॉर्ड

लखनऊ, 10 जुलाई (एजेंसियां)। उत्तर प्रदेश के मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को अपने सरकारी आवास पर 'पेड़ लगाओ-पेड़ बचाओ जन अभियान-2024' की समीक्षा की। उन्होंने कहा कि 'एक पेड़ मां के नाम' अभियान के अंतर्गत उत्तर प्रदेश को इस वर्ष 36.46 करोड़ से अधिक पौधे लगाने का लक्ष्य मिला है। मुख्यमंत्री योगी ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिया कि आपसी समन्वय से इस लक्ष्य को हर हाल में 20 जुलाई को पूरा करें। उन्होंने कहा कि प्रदेशव्यापी पौधरोपण महाअभियान के लिए विभागवार व जनपदवार लक्ष्य निर्धारित करते हुए कार्य किया जाए। बैठक में उन्होंने प्रदेश सरकार के मंत्रियों व विभिन्न विभागाध्यक्षों को दिशा-निर्देश भी दिए। मुख्यमंत्री ने कहा कि छह वर्ष में 168 करोड़ से अधिक पौधे रोपित किए जा चुके हैं। इनमें 2017-18 में 5.72 करोड़, 2018-19 में 11.77 करोड़, 2019-20 में 22.60 करोड़, 2020-21 में 25.87 करोड़, 2021-22 में 30.53 करोड़, 2022-23 में 35.49, 2023-24 में 36.16 करोड़ पौधरोपण किए गए।

आलिया ने शुरू की 'अल्फा' की शूटिंग, सुपर एजेंट के रोल के लिए चार महीने ली कड़ी ट्रेनिंग

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। वाईआरएफ की स्पाई यूनिवर्स का हिस्सा बनीं एक्ट्रेस आलिया भट्ट ने फिल्म 'अल्फा' की शूटिंग शुरू कर दी है। इसमें वह सुपर एजेंट के किरदार में नजर आएंगी। इसके लिए उन्होंने चार महीने की कड़ी ट्रेनिंग ली है। एक्ट्रेस की एक तस्वीर सोशल मीडिया पर वायरल हो रही है। इसमें आलिया सेट पर जाती हुई दिखाई दे रही हैं। उन्होंने व्हाइट शर्ट और ब्लू पैंट पहनी हुई है। इस दौरान उनके साथ एक क्रू भी है, जो उनकी छतरी पकड़े हुए है। एक सूत्र ने बताया कि 'अल्फा' में आलिया पहले कभी नहीं देखे गए अवतार में दिखाई देंगी। उन्होंने सुपर एजेंट की भूमिका निभाने के लिए खुद को तैयार करने के लिए लगभग चार महीने तक ट्रेनिंग ली। सूत्र ने आगे बताया कि फिल्म में एक्ट्रेस के कई हाई-ऑक्टेन एक्शन सीक्वेंस हैं। 'फिल्म में उनके पांच से छह मेजर एक्शन सीक्वेंस हैं और उन्हें पूरी तरह से फिट रहना होगा। उन्होंने अपने बॉडी को इतना फिट बना दिया है कि उन्हें स्क्रीन पर पावरफुल दिखना है।' स्पाई यूनिवर्स फिल्म का ऑफिशियल तौर पर 5 जुलाई को टाइटल दिया गया। इसमें एक्ट्रेस शरवरी वाघ भी सुपर एजेंट का रोल निभाती नजर आएंगी, जो 'मुंज्या' और 'महाराज' के साथ अपनी हालिया सफलताओं को एन्जॉय कर रही हैं। मेकर्स द्वारा शेयर किए गए वीडियो में केवल आलिया की आवाज है, इसमें वह कहती हैं, 'ग्रीक अल्फाबेट का सबसे पहला अक्षर और हमारे प्रोग्राम का मोटिव... सबसे पहले, सबसे तेज, सबसे वीर। ध्यान से देखो तो हर शहर में एक जंगल है और जंगल में हमेशा राज करेगा अल्फा!' 'अल्फा' को शिव रावल डायरेक्ट करेंगे, जो स्ट्रीमिंग सीरीज 'द रेलवे मेन' डायरेक्ट कर चुके हैं। इसका निर्माण वाईआरएफ के तहत किया जा रहा है।

आईएफएफएम 2024 : शाहरुख, रणवीर ममूटी बेस्ट एक्टर की दौड़ में शामिल

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। इंडियन फिल्म फेस्टिवल ऑफ मेलबर्न (आईएफएफएम) का 15वां एडिशन 15 अगस्त से शुरू होने वाला है, जो 25 अगस्त तक चलेगा। इसकी तैयारियां शुरू हो चुकी हैं। फेस्टिवल के अवॉर्ड कैटेगरी में स्टार्स के नामों पर चर्चा होने लगी है। बेस्ट एक्टर की कैटेगिरी में बॉलीवुड सुपरस्टार शाहरुख खान, रणवीर सिंह और दिलजीत दोसांझ के नाम हैं, जबकि 'जवान' और '12वीं फेल' जैसी कई अन्य फिल्मों को बेस्ट फिल्म के लिए नॉमिनेट किया गया है। बेस्ट एक्टर, बेस्ट फिल्म, बेस्ट फिल्म क्रिटिक चॉइस, बेस्ट एक्ट्रेस, बेस्ट डायरेक्टर और बेस्ट ओटीटी एक्टर व एक्ट्रेस समेत कई अन्य कैटेगिरी के लिए नोमिनेशन की घोषणा की गई है। '12वीं फेल', 'अमर सिंह चमकीला', 'चंदू चैंपियन','डुंक', 'जवान', तमिल फिल्म 'महाराजा', मलयालम फिल्म 'प्रेमलु' और 'रॉकी और रानी की प्रेम कहानी' बेस्ट फिल्म कैटेगरी के लिए नॉमिनेटेड हैं। शाहरुख खान, दिलजीत दोसांझ, फहद फासिल, कार्तिक आर्यन, ममूटी, मिथुन चक्रवर्ती, रणवीर सिंह, स्पर्श श्रीवास्तव, विक्की कौशल और विक्रांत मैसी समेत 10 हीरो बेस्ट एक्टर कैटेगरी में हैं। बेस्ट एक्ट्रेस के लिए आलिया भट्ट, अलीजेह अग्निहोत्री, बीना आर. चंद्रन, ज्योतिका, नितांशी गोयल, पार्वती थिरुवोथु, प्रतिभा रांटा, प्रीति पाणिग्रही, सान्या मल्होत्रा और स्वाति रेड्डी शामिल हैं। बेस्ट डायरेक्टर कैटेगरी के लिए इम्तियाज अली, कबीर खान, करण जौहर, निथिलन समिनाथन, राहुल सदाशिवन, राजकुमार हिरानी और विधु विनोद चोपड़ा को चुना गया है। ओटीटी कैटेगरी में बेस्ट एक्टर में अर्जुन माथुर, बाबिल खान, गुलशन देवैया, जितेंद्र कुमार, नवीन चंद्रा, आर. माधवन, रोशन मैथ्यू और सुविंदर विक्की शामिल हैं। ओटीटी कैटेगरी में बेस्ट एक्ट्रेस में हरलीन सेठी, करिश्मा तन्ना, नीना गुप्ता, निमिषा सजयन, पार्वती थिरुवोथु, श्रिया पिलगांवकर और शोभिता धुलिपाला शामिल हैं। आईएफएफएम ऑस्ट्रेलिया में विक्टोरियन सरकार द्वारा समर्थित और प्रस्तुत किया जाता है। यह इंडिया सिनेमा का एनुअल सेलिब्रेशन है, जिसमें भारत की बेस्ट फिल्में, डिजिटल सीरीज और टैलेंट प्रदर्शित किए जाते हैं। आईएफएफएम 2024 अवॉर्ड्स के विजेताओं की घोषणा फेस्टिवल के दौरान 16 अगस्त को एनुअल गाला नाइट में की जाएगी और इसका आयोजन मेलबर्न के पैलेस थिएटर में किया जाएगा।

बहरेपन में स्टेम सेल के इलाज का लंदन में प्रशिक्षण लेकर लौटे ईएनटी सर्जन डॉ. बीपी त्यागी

गाजियाबाद, 10 जुलाई (देशबन्धु)। बहरेपन में स्टेम सेल के इलाज का लंदन में प्रशिक्षण लेकर वरिष्ठ ईएनटी सर्जन डॉ. बीपी त्यागी लौट आये हैं। जिन्होंने लंदन स्थित रॉयल कॉलेज ऑफ सर्जन्स ऑफ इंग्लैंड में प्रशिक्षण लेने लेने के लिए गए थे। डॉ. बीपी त्यागी ने बुधवार को बधिरता में स्टेम सेल के उपयोग की प्रशिक्षण यात्रा और वर्कशॉप के कुछ तस्वीरें मीडिया के साथ साझा करते हुए बताया कि वो अपने देश के नागरिकों का स्टेम सेल से बहरेपन का इलाज करने के लिए काफ़ी उत्साहित हैं। उन्होंने बताया कि स्टेम सेल,अविभेदित कोशिकाएं होती हैं जिनमें रक्त, तंत्रिका, मांसपेशियों, हृदय, ग्रंथियों और त्वचा कोशिकाओं सहित शरीर की 200 प्रकार की कोशिकाओं में से एक बनने की क्षमता होती है। कुछ स्टेम सेल को शरीर की किसी भी प्रकार की कोशिका बनने के लिए ट्रिगर किया जा सकता है। उन्होंने बताया कि स्टेम कोशिकाएं विभाजित होती हैं तब तक और अधिक स्टेम कोशिकाएं निर्मित करती हैं, जब तक कि वे विशेषज्ञता के लिए ट्रिगर नहीं हो जातीं। फिर जैसे-जैसे उनका विभाजित होना जारी रहता है, वे अधिक से अधिक विशिष्ट होती जाती है जब तक कि वे एक प्रकार की कोशिका के अलावा कुछ भी होने की क्षमता खो न दें।

देश के नागरिकों का स्टेम सेल से बहरेपन का इलाज करने के लिए उत्साहित

उन्होंने उम्मीद जताई कि पार्किंसन रोग, डायबिटीज़ और रीढ़ की हड्डी की चोट जैसे विकारों से क्षतिग्रस्त या नष्ट हुई कोशिकाओं या टिशूज़ की मरम्मत या उन्हें बदलने के लिए स्टेम सेल का उपयोग किया जा सकेगा। उन्होंने यह भी बताया कि शोधकर्ता अब तक भ्रूण गर्भनाल रक्त बच्चों या वयस्कों का बोन मैरो से स्टेम सेल प्राप्त करने में सक्षम हैं। स्वनिर्मित प्लुरिपोटेंट स्टेम सेल (वयस्कों में कुछ कोशिकाएं जिन्हें स्टेम सेल की तरह कार्य करने के लिए बदला जा सकता है) ऐसे में इस बात को लेकर उत्सुकता बनती है की बहरेपन के इलाज में पीआरपी इंजेक्शन के बाद स्टेम सेल रोगियों के लिए एक वरदान साबित होने जा रहा है।

डॉ बी पी त्यागी के साथ उनके जूनियर डॉक्टर अर्जुन भी साथ में प्रशिक्षण प्राप्त कर रहे हैं, ऐसी उम्मीद की जा सकती है डॉ बीपी त्यागी के सानिध्य में भारत में अब स्टेम सेल से इलाज करने वाले कुछ डॉक्टरों की सूची तैयार हो जाएगी। यह तकनीक कोचलीयर इंप्लांट जैसे महंगे ऑपरेशन से छोटे बधिर बच्चों व वयस्कों को बचाएगी जो की काफी महंगा भी है।

[अर्थ जगत]

पेट्रोल और डीजल की कीमतें अपरिवर्तित

नई दिल्ली। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर कच्चे तेल की कीमतों में तेजी जारी रहने के बावजूद घरेलू स्तर पर पेट्रोल और डीजल के दाम अपरिवर्तित रहे, जिससे दिल्ली में पेट्रोल 94.72 रुपए प्रति लीटर तथा डीजल 87.62 रुपए प्रति लीटर पर पड़े रहे। तेल विपणन करने वाली प्रमुख कंपनी हिन्दुस्तान पेट्रोलियम कार्पोरेशन की वेबसाइट पर जारी दरों के अनुसार, देश में आज पेट्रोल और डीजल की कीमतों में कोई बदलाव नहीं हुआ है। दिल्ली में इनकी कीमतों के यथावत रहने के साथ ही मुंबई में पेट्रोल 104.21 रुपए प्रति लीटर पर और डीजल 92.15 रुपए प्रति लीटर पर रहा।

सर्वाधिक बढ़ने वाले शेयर

एशियन पेंट	3.10 प्रतिशत
पावरग्रिड	1.53 प्रतिशत
एनटीपीसी	1.22 प्रतिशत
हिंदुस्तान यूनिलीवर	0.82 प्रतिशत
अडाणी पोर्ट्स	0.71 प्रतिशत

सर्वाधिक घटने वाले शेयर

महिंद्रा एंड महिंद्रा	6.62 प्रतिशत
टाटा स्टील	2.21 प्रतिशत
टीसीएस	2.05 प्रतिशत
एचसीएल टेक	1.58 प्रतिशत
एसबीआई	1.38 प्रतिशत

सर्राफा

सोना (प्रति दस ग्राम)स्टैंडर्ड	74,220
बिटुर	47,320
गिन्नी (प्रति आठ ग्राम)	39,795
चांदी (प्रति किलो) टंच हाजिर	74400
वायदा	70,857
चांदी सिक्का लिवाली	900
बिकवाली	880

मुद्रा विनिमय

मुद्रा	क्रय	विक्रय
अमेरिकी डॉलर	67.77	78.57
पौंड स्टर्लिंग	90.94	105.45
यूरो	76.54	88.78
चीन युआन	08.24	13.38

अनाज

देसी गेहूँ एमपी	2400-3000
गेहूं दड़ा	2600-2700
आटा	2800-2900
मैदा	2900-2950
चोकर	2000-2100

मोटा आनाज

बाजरा	1300-1305
मक्का	1350-1500
ज्वार	3100-3200
जौ	1430-1440
काबुली चना	3500-4000

शुगर

चीनी एस	3740-3840
चीनी एम	4000-4100
मिल डिलीवरी	3620-3720
गुड़	4400-4500

दाल-दलहन

चना	6100-6200
दाल चना	7100-7200
मसूर काली	7550-7650
उड़द दाल	10600-10700
मूंग दाल	9850-9950
अरहर दाल	11700-11800

टेलीकॉम उपकरणों की मैन्युफैक्चरिंग बिक्री 50 हजार करोड़ रुपए के पार

- योजना से 17,800 प्रत्यक्ष व कई अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा हुई
- देश के टेलीकॉम के आयात-निर्यात के बीच अंतर हुआ कम

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। प्रोडक्शन लिंक्ड स्कीम के तहत घरेलू स्तर पर बने टेलीकॉम उपकरणों की बिक्री 50,000 करोड़ रुपए के आंकड़े को पार कर गई है। इससे 17,800 प्रत्यक्ष नौकरियां और कई अप्रत्यक्ष नौकरियां पैदा हुई हैं। बुधवार को सरकार की ओर से यह जानकारी दी गई। संचार मंत्रालय की ओर से कहा गया कि टेलीकॉम क्षेत्र में पीएलआई स्कीम को शुरू हुए करीब तीन वर्ष पूरे हो चुके हैं। इस दौरान करीब 3,400 करोड़ रुपए का निवेश इस सेक्टर में देखने को मिला है। ऐसे में 50,000 करोड़ रुपए (10,500 करोड़ रुपए के निर्यात सहित) का आंकड़ा एक माइलस्टोन है।

पीएलआई का फायदा लेने वाली टेलीकॉम और नेटवर्किंग कंपनियों की बिक्री में वित्त वर्ष 2019-20 के मुकाबले वित्त वर्ष 2023-24 में 370 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। केंद्र द्वारा

दी गई जानकारी के मुताबिक, देश के टेलीकॉम के आयात-निर्यात के बीच अंतर भी कम हुआ है। वित्त वर्ष 2023-24 में टेलीकॉम उपकरण और मोबाइल मिलाकर 1.49 लाख करोड़ रुपए का निर्यात हुआ है, जबकि इस दौरान 1.53 लाख करोड़ रुपए का आयात हुआ है।2014-15 में भारत को बड़े मोबाइल आयातकों में गिना जाता था और केवल 5.8 यूनिट्स का ही उत्पादन किया जाता था और 21 करोड़ यूनिट्स आयात किए जाते थे। वित्त वर्ष 2023-24 में 33 करोड़ यूनिट्स का उत्पादन किया गया है, जबकि केवल 0.3 करोड़ यूनिट्स का ही आयात किया गया है।

गांव को गोद लेकर इंटेलिजेंट गांव बनाए टीएसपी : डॉ. मित्तल

नई दिल्ली। दूरसंचार सचिव सचिव डॉ. नीरज मित्तल ने उद्योग और टेलीकॉम सेवा प्रदाताओं (टीएसपी) से गांवों को गोद लेने तथा प्रौद्योगिकी का उपयोग कर इन गांवों को इंटेलिजेंट गांव के रूप में विकसित करने की अपील की है। ग्रामीण क्षेत्रों के जीवन में क्रांति लाने के लिए 5जी जैसी भविष्य की प्रौद्योगिकियों की परिवर्तनकारी क्षमता पर आज यहां एक कार्यशाला आयोजित की गई जिसके शुभारंभ के अवसर डॉ मित्तल ने यह अपील की। कार्यशाला का फोकस 'ग्रामीण परिदृश्य में बदलाव: 5जी इंटेलिजेंट गांवों को आकार देना' रहा।ग्रामीण विकास की गति को बढ़ाने की सरकार की प्राथमिकता पर जोर देते हुए कार्यशाला में ग्रामीण जीवन की गुणवत्ता में उल्लेखनीय सुधार लाने के लिए कनेक्टिविटी, डिजिटल साक्षरता और टिकाऊ प्रथाओं में बदलाव के उद्देश्य से की गई पहलों को प्रदर्शित किया गया।डॉ. मित्तल ने कहा कि इंटेलिजेंट गांवों के लक्ष्य को प्राप्त करने के लिए सहयोगात्मक प्रयासों की आवश्यकता है। उन्होंने 'स्मार्ट' और 'इंटेलिजेंट' गांवों की अवधारणा पर चर्चा करते हुए इन समुदायों की आपसी संवाद कायम करने, अपने परिवेश को समझने, डेटा संचारित करने और ज्ञान प्राप्त करने की क्षमता पर जोर दिया, ताकि वे जानकारी आधारित निर्णय लेने में सक्षम हों। उन्होंने उद्योग और टीएसपी से आग्रह किया कि वे आगे आएं, गांवों को अपनाएं और उन्हें इंटेलिजेंट गांव बनाने के लिए प्रौद्योगिकी का उपयोग करें।

भारत में डाइवर्सिटी हायरिंग 33 प्रतिशत बढ़ी

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में डायवर्सिटी हायरिंग में सालाना आधार पर जून में 33 प्रतिशत की बढ़त देखने को मिली है। इसमें फाइनेंस सर्विसेज और इंश्योरेंस (बीएफएसआई) और आईटी-सॉफ्टवेयर सर्विसेज सेक्टर सबसे आगे रहे हैं। हाल ही में आई एक रिपोर्ट में यह जानकारी दी गई।

दिल्ली, मुंबई और बेंगलुरु में सबसे ज्यादा भर्तियां देखी गई है, जो दिखाता है कि कंपनियों में भर्ती को लेकर सकारात्मक रुझान बना हुआ है। डाइवर्सिटी हायरिंग उस प्रक्रिया को कहते हैं, जिसमें कंपनी भर्ती के दौरान व्यक्ति को केवल उसके स्किल और काम के आधार पर बिना किसी पूर्वाग्रह के नौकरी देती है। टैलेंट प्लेटफॉर्म फाउंडइट की रिपोर्ट में बताया गया कि जून 2024 में कुल भर्तियों में सालाना आधार पर 12 प्रतिशत की बढ़त दर्ज की गई है। वहीं, मासिक आधार पर यह बढ़त 2 प्रतिशत थी। रिपोर्ट में 2024 के आउटलुक को सकारात्मक बताते हुए कहा गया कि पिछले छह महीने में भर्तियों में 15 प्रतिशत की तेजी देखने को मिली है। फाउंडइट के सीईओ शेखर

- फाइनेंस व आईटी क्षेत्र रहे सबसे आगे
- दिल्ली, मुंबई व बेंगलुरु में सबसे ज्यादा भर्तियां

गरिसा ने कहा कि डाइवर्सिटी हायरिंग में सालाना आधार पर 33 प्रतिशत का इजाफा हुआ है। विविधता और समावेशन (डी एंड आई) नीतियां आज भारत के कार्यबल को आकार देने में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं। हम उम्मीद करते हैं कि कंपनियां लीडरशिप और मेंटरशिप प्रोग्राम के तहत पूर्वाग्रह ट्रेनिंग और कम प्रतिनिधित्व वाले ग्रुप पर फोकस करेंगी। भारतीय कंपनियों ने विविधता वाले ग्रुप जैसे महिला, एलजीबीटीक्यूआईए+और दिव्यांग उम्मीदवारों को काम पर रखने पर जोर दिया है।

म्यूचुअल फंड्स में जून में हुआ 40,608 करोड़ का शुद्ध निवेश

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। इक्विटी म्यूचुअल फंड योजनाओं में जून में शुद्ध निवेश मासिक आधार पर 17 प्रतिशत बढ़कर 40,608.19 करोड़ रुपए हो गया है, जोकि मई में 34,697 करोड़ रुपए था। एसोसिएशन ऑफ म्यूचुअल फंड्स इन इंडिया (एएमएफआई) की ओर से जारी किए गए डेटा में यह जानकारी मिली।

एयूएम 60 लाख करोड़ के पार

जून में म्यूचुअल फंड के जरिए एसआईपी से होने वाले निवेश में भी बढ़त देखने को मिली है। बीते महीने 21,262 करोड़ रुपए की एसआईपी हुई है। मई में यह आंकड़ा 20,904 करोड़ रुपए और अप्रैल में 20,371 करोड़ रुपए पर था। बड़ी मात्रा में निवेश आने के कारण जून में पहली बार म्यूचुअल फंड इंडस्ट्री का एसेट्स अंडर मैनेजमेंट (एयूएम) 60 लाख करोड़ रुपए के स्तर के पार हो गया है। 30 जून 2024 को यह 61.16 लाख करोड़ रुपए पर था। केयरएज रेटिंग में सीनियर डायरेक्टर संजय अग्रवाल का कहना है कि बीते 40 महीनों से इक्विटी फंड्स में इनफ्लो मजबूत बना हुआ है।

रियल एस्टेट सेक्टर में 2025 तक 20 प्रतिशत बढ़ेगा एफडीआई

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारत में रियल एस्टेट सेक्टर तेजी से उभर रहा है और इसमें प्रत्यक्ष विदेशी निवेश 2025 तक बढ़कर 20 प्रतिशत तक पहुंच सकता है। इंडस्ट्री एक्सपर्ट्स की ओर से बुधवार को यह जानकारी दी गई।

एसोचैम के इवेंट में हरियाणा रेरा के सदस्य संजीव कुमार अरोड़ा ने कहा कि रियल एस्टेट क्षेत्र सबसे बड़ा रोजगार देने वाले सेक्टर के रूप में उभरा है और तेजी से हो रहे शहरीकरण, स्मार्ट सिटी, सभी के लिए घर और एफडीआई नियमों में ढील से इस क्षेत्र को और बूस्ट मिलेगा।

अरोड़ा ने कहा कि भारत सरकार की ओर से रेरा एक्ट, 2016 में लॉन्च किया गया था। इसका उद्देश्य सेक्टर

रियल एस्टेट क्षेत्र सबसे बड़ा रोजगार देने वाले सेक्टर के रूप में उभरा है : संजीव कुमार अरोड़ा

में नियमित वृद्धि लाने के साथ पारदर्शिता लाना था। इस एक्ट के लागू होने के बाद से अब तक 1.25 लाख प्रोजेक्ट्स पूरे भारत में रेरा के तहत पंजीकृत हो चुके हैं। सिग्नेचर ग्लोबल (इंडिया) के चेयरमैन और एसोचैम में रियल एस्टेट, हाउसिंग और अर्बन डेवलपमेंट के चेयरमैन, प्रदीप अग्रवाल ने कहा कि 2047 तक विकसित भारत के सपने को पूरा करने के लिए हाउसिंग और रियल एस्टेट सेक्टर को सहायता की आवश्यकता है। यह सेक्टर बड़ी संख्या में रोजगार पैदा करता है। अग्रवाल ने आगे कहा कि हर परिवार को घर और नौकरी देना सरकार का विजन है। ऐसे में रियल एस्टेट सेक्टर की भूमिका अहम हो जाती है। रियल एस्टेट सेक्टर का मार्केट साइज 24 लाख करोड़ रुपए है और देश की जीडीपी में इसका योगदान 13.8 प्रतिशत का है। सभी को अपना घर देने के उद्देश्य से प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत सरकार ने ग्रामीण और शहरी इलाकों में 3 करोड़ घर देने का फैसला किया है।

सार संक्षेप

एसबीआई ने इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड से 10हजार करोड़ जुटाए

नई दिल्ली। देश के सबसे बड़े ऋणदाता भारतीय स्टेट बैंक (एसबीआई) ने अपने छठे इंफ्रास्ट्रक्चर बॉन्ड के माध्यम से 7.36 प्रतिशत की कूपन दर पर 10,000 करोड़ रुपए जुटाए। बैंक ने यहां जारी बयान में कहा कि इस निर्गम को निवेशकों से जबरदस्त प्रतिक्रिया मिली और 18,145 करोड़ रुपए से अधिक की बोलियां प्राप्त हुईं तथा यह 5,000 करोड़ रुपए के आधार निर्गम आकार के मुकाबले लगभग 3.6 गुना अधिक अभिदानित हुआ। प्राप्त बोलियों की कुल संख्या 120 थी, जो बोलियों की विविधता के साथ व्यापक भागीदारी को दर्शाती है। निवेशक भविष्य निधि, पेंशन निधि, बीमा कंपनियों, म्यूचुअल फंड, कॉरपोरेट आदि से थे। बॉन्ड की आय का उपयोग इंफ्रास्ट्रक्चर और किफायती आवास खंड के वित्तपोषण के लिए दीर्घकालिक संसाधनों को बढ़ाने में किया जाएगा। बैंक ने 15 वर्ष की अवधि के लिए सालाना देय 7.36 प्रतिशत की कूपन दर पर 10,000 करोड़ रुपये स्वीकार करने का निर्णय लिया है।

उड़द के थोक भावों में तीन प्रतिशत तक की नरमी

नई दिल्ली। सरकार ने बुधवार को कहा कि उपभोक्ता मामलों के विभाग की ओर से उठाए गए कदमों के परिणामस्वरूप उड़द के बाजार-भाव में कमी आ गई है साथ ही खरीफ फसलों की बुवाई के मौजूदा दौर में उड़द की खेती का रकबा भी बढता दिख रहा है। उपभोक्ता मामलों के विभाग के अनुसार सरकार की पहलों के कारण 06 जुलाई को इंदौर और दिल्ली के बाजारों में उड़द की थोक कीमतों में साप्ताहिक आधार पर क्रमशः 3.12 प्रतिशत और 1.08 प्रतिशत की गिरावट देखी गई है। सरकार का कहना है कि घरेलू कीमतों के अनुरूप, आयातित उड़द की कीमतों में भी गिरावट का रुख है। उपभोक्ता कार्य, खाद्य एवं सार्वजनिक वितरण मंत्रालय की ओर से जारी एक विज्ञप्ति में कहा है कि उपभोक्ताओं के लिए मूल्य स्थिरता की दृष्टि से सरकार ने प्रभावी सक्रिय कदम उठाए हैं, साथ ही किसानों को उनकी उपज का पर्याप्त मूल्य मिले, यह भी सुनिश्चित किया गया है।

भारतीय बाजार मे फिर से विभोर खाद्य तेल

नई दिल्ली। कृषि सामग्रियों का कारोबार करने वाली दुनिया की प्रमुख कंपनियों में से एक एलडीसी ने भारत में अपना खाद्य तेल विभोर को फिर से लॉन्च किया है। कंपनी ने कहा कि यह रिलॉन्च वैल्यू चेन में अपनी पहुंच का विस्तार करने की एलडीसी की विस्तृत रणनीति के अनुरूप किया गया है। भारत में 25 सालों से मौजूद एलडीसी ने अपनी विशेषज्ञता और स्थानीय बाजार की समझ के साथ विभोर ब्रांड को फिर से पेश किया है। इसका उद्देश्य भारत में तेजी से बढ़ते खाद्य तेल बाजार में अपनी स्थिति को मजबूत करना है क्योंकि यह बाजार 2024 में 34.75 अरब डॉलर तक पहुंचने और 2024 से 2029 तक प्रतिवर्ष 4.94 प्रतिशत की दर से बढ़ने की उम्मीद है।

मुनाफावसूली के दबाव से लुढ़का बाजार

- सेंसेक्स 0.53 प्रतिशत का गोता लगाकर 79,924.77 अंक पर
- निफ्टी 0.45 प्रतिशत टूटकर 24,324.45 अंक पर बंद

मुंबई, 10 जुलाई (एजेंसियां)। विश्व बाज़ार के मिलेजुले रुख के बीच स्थानीय स्तर पर ऊंचे भाव पर हुई मुनाफावसूली के दबाव में आज शेयर बाजार क़रीब आधे प्रतिशत तक लुढ़क गया।

बीएसई का तीस शेयरों वाला संवेदी सूचकांक सेंसेक्स 426.87 अंक अर्थात 0.53 प्रतिशत का गोता लगाकर 79,924.77 अंक रह गया। इसी तरह नेशनल स्टॉक एक्सचेंज (एनएसई) का निफ्टी 108.75 अंक यानी 0.45 प्रतिशत टूटकर 24,324.45 अंक पर बंद हुआ। इस दौरान बीएसई का मिडकैप 0.19 प्रतिशत उतरकर 47,450.68 अंक और स्मॉलकैप 0.69 प्रतिशत की गिरावट लेकर 53,779.98 अंक पर आ गया।

इस दौरान बीएसई में कुल 4021 कंपनियों के शेयरों में कारोबार हुआ, जिनमें से 2576 में मुनाफावसूली जबकि 1363 में लिवाली हुई वहीं 82 में कोई बदलाव नहीं हुआ। इसी तरह निफ्टी की 27 कंपनियों में गिरावट जबकि 23 में तेजी रही। बीएसई में एफएमसीजी, तेल एवं गैस, हेल्थकेयर, पावर और यूटिलिटीज समूह की 0.69 प्रतिशत तक की बढ़त को छोड़कर शेष 15 समूहों

में मुनाफावसूली हुई। इससे कमोडिटीज 0.87, सीडी 0.78, ऊर्जा 0.12, वित्तीय सेवाएं 0.34, इंडस्ट्रियल्स 0.62, आईटी 0.99, दूरसंचार 0.44, ऑटो 1.65, बैंकिंग 0.64, कैपिटल गुड्स 0.44, कंज्यूमर ड्यूरेबल्स 0.26, धातु 1.60, रियल्टी 0.07, टेक 0.76 और सर्विसेज समूह के शेयर 0.25 प्रतिशत टूट गए। अंतरराष्ट्रीय स्तर पर मिलाजुला रुख रहा। इस दौरान ब्रिटेन का एफ़टीएसई 0.60, जर्मनी का डैक्स 0.79 और जापान का निक्केई 0.61 प्रतिशत मजबूत रहा वहीं हांगकांग का हैंगसेंग 0.29 और चीन के शंघाई कम्पोजिट में 0.68 प्रतिशत की नरमी रही।

शुरूआती कारोबार में सेंसेक्स 130 अंक की तेजी के साथ 80,481.36 अंक पर खुला और यही इसका दिवस का उच्चतम स्तर भी रहा। वहीं, मुनाफावसूली होने से यह दोपहर से पहले 79,435.76 अंक के निचले स्तर तक लुढ़क गया। अंत में पिछले दिवस के 80,351.64 अंक के मुकाबले 0.53 प्रतिशत गिरकर 79,924.77 अंक पर आ गया।

अंत में पिछले सत्र के 24,433.20 अंक की तुलना 0.45 में उतरकर 24,324.45 अंक रह गया। इस दौरान सेंसेक्स की नुक़सान में रही कंपनियों में महिंद्रा एंड महिंद्रा 6.62, टाटा स्टील 2.21, टीसीएस 2.05, एचसीएल टेक 1.58, एसबीआई 1.38, जेएसडब्ल्यू स्टील 1.07, टाटा मोटर्स 0.92, कोटक बैंक 0.89, एचडीएफसी बैंक 0.63, इंफ़ोसिस 0.58, इंडसइंड बैंक 0.55, आईसीआईसीआई बैंक 0.46, रिलायंस 0.42, एलटी 0.42, अल्ट्रासिमको 0.40, प्रतिशत शामिल रही। वहीं, एशियन पेंट 3.10, पावरग्रिड 1.53, एनटीपीसी 1.22, हिंदुस्तान यूनिलीवर 0.82, अदाणी पोर्ट्स 0.71, सन फार्मा 0.71, भारती एयरटेल 0.68, टाइटन 0.43, एक्सिस बैंक 0.11 और बजाज फिनसर्व के शेयर 0.06 प्रतिशत लाभ में रहे।

खादी ग्रामोद्योग ने वित्त वर्ष 24 में दर्ज की रिकॉर्ड बिक्री

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। खादी और ग्रामोद्योग आयोग (केवीआईसी) ने वित्त वर्ष 2023-24 में 15.7 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि के साथ 1.55 लाख करोड़ रुपए की बिक्री हासिल की है। इस दौरान ग्रामीण इलाकों में 10.17 लाख नए रोजगार के अवसर पैदा हुए हैं। सरकार की ओर से जारी किए गए आधिकारिक आंकड़ों से यह जानकारी मिली है।

केवीआईसी के चेयरमैन मनोज कुमार ने कहा कि पिछले 10 वर्षों के मोदी सरकार के कार्यकाल में खादी और ग्रामीण इंडस्ट्री के उत्पादों की ब्रिकी पांच गुना बढ़कर वित्त वर्ष 2023-24 में बढ़कर 1,55,673.12 करोड़ रुपए हो गई है, जो कि 2013-14 में 31,154.2 करोड़ रुपए थी।

कुमार ने आगे कहा कि वित्त वर्ष 2013-14 के मुकाबले वित्त वर्ष 2023-24 में बिक्री में 400 प्रतिशत, उत्पादन में 314.79 प्रतिशत, नए रोजगार सृजन में 80.96 प्रतिशत का उछाल दर्ज किया गया है। केवीआईसी का यह योगदान भारत को दुनिया की तीसरी सबसे बड़ी

- लोगों का खादी के उत्पादों पर बढ़ा विश्वास

अर्थव्यवस्था और 2047 एक विकसित भारत बनाने में एक अहम भूमिका निभाएगा। उन्होंने आगे कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ओर से खादी को बढ़ावा दिया जा रहा है, जिससे लोगों का खादी के उत्पादों पर विश्वास बढ़ा है। आज के समय में खादी भारतीय युवाओं के बीच एक नई स्टेटस सिंबल के रूप में उभरा है। खादी और ग्रामीण इंडस्ट्री के उत्पादों की मांग बाजार में बढ़ रही है, जिसका असर हमारे प्रदर्शन पर भी दिख रहा है। आगे कहा कि पिछले 10 वर्षों में खादी और ग्राम उद्योग के प्रोडक्शन को बढ़ाने के लिए कई बड़े फैसले लिए गए हैं।

खाद्य तेल सहित सभी जिंसों में रहा टिकाव

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। विदेशी बाजारों में जारी गिरावट के बीच स्थानीय स्तर पर उठाव सुस्त रहने से आज दिल्ली थोक जिंस बाजार में खाद्य तेल समेत सभी जिंसों में टिकाव रहा।

तेल-तिलहन : वैश्विक स्तर पर मलेशिया के बुरसा मलेशिया डेरिवेटिव एक्सचेंज में जुलाई का पाम ऑयल वायदा 15 रिंगिट गिरकर 4000 रिंगिट प्रति टन पर आ गया। इसी तरह जुलाई का अमेरिकी सोया तेल वायदा 0.20 सेंट उतरकर 46.11 सेंट प्रति पौंड बोला गया।

इस दौरान घरेलू बाजार में खाद्य तेलों में टिकाव रहा। सरसों तेल, मूंगफली तेल, सूरजमुखी तेल, सोया रिफाइंड, पाम ऑयल और वनस्पति तेल के भाव में कोई बदलाव नहीं हुआ।

गुड़-चीनी : मीठे के बाजार में स्थिरता रही। इस दौरान चीनी और गुड़ के भाव पिछले कारोबारी दिवस के स्तर पर टिके रहे।

दाल-दलहन : दाल-दलहन के बाजार में टिकाव रहा। चना, दाल चना, मूंग दाल, मसूर दाल, उड़द दाल और अरहर दाल में कोई बदलाव नहीं हुआ और वे पिछले स्तर पर पड़ी रही।

अनाज : अनाज मंडी में भाव स्थिर रहे। इस दौरान चावल और गेहूं के दाम में कोई बदलाव नहीं हुआ।

वित्त वर्ष 25 में मजबूत रहेगी इलेक्ट्रिक बसों की मांग

- सरकार क्लीन एनर्जी के इस्तेमाल को दे रही बढ़ावा
- सरकार ने लॉन्च की थी पीएम ई-बस सेवा स्कीम

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। केंद्र और राज्य सरकारों की ओर से क्लीन एनर्जी पर जोर दिए जाने के कारण देश में इलेक्ट्रिक बसों की मांग चालू वित्त वर्ष में मजबूत रह सकती है। बुधवार को जारी की गई एक रिपोर्ट में यह जानकारी मिली है।

पिछले साल, सरकार ने पीएम ई-बस सेवा स्कीम लॉन्च की थी। इसके तहत 169 शहरों में 10,000 इलेक्ट्रिक बस चलाने के लिए 2.4 अरब डॉलर का फंड आवंटित किया गया था। केयरएज रेटिंग्स की ओर से जारी की गई रिपोर्ट में बताया गया कि कमर्शियल वाहनों के मार्केट में छोटी हिस्सेदारी होने के बावजूद भी वित्त वर्ष 21 से लेकर वित्त वर्ष 24 में ईवी सेगमेंट में बढ़त देखने को मिली है।

रिपोर्ट में बताया गया कि सेगमेंट में वृद्धि

दर दिखाने वाले इंडिकेटर जैसे ईवी इंफ्रास्ट्रक्चर, मार्केट शेयर में वृद्धि और ईवी अपनाने की दर में इजाफा हो रहा है। यह बदलाव ई-बस और लाइट कमर्शियल व्हीकल (एलसीवी) कैटेगरी में दिख रहा है।

वित्त वर्ष 24 मे बड़ी इलेक्ट्रिक बस यानी हैवी पैसेंजर व्हीकल (ई-एचपीवी) के पंजीकरण में इजाफा देखने को मिला। इस दौरान करीब 3,400 इलेक्ट्रिक बसों का पंजीकरण हुआ। वित्त वर्ष 21 में यह आंकड़ा 217 यूनिट्स का था। वहीं, इस दौरान लाइट पैसेंजर व्हीकल (ई-एलपीवी) का पंजीकरण बढ़कर 10,500 यूनिट्स हो गया है जो कि पहले 360 यूनिट्स था।

दूसरी तिमाही में बढ़ी पुरानी कारों की मांग

नई दिल्ली। चालू वर्ष की दूसरी तिमाही में पुरानी कारों की मांग में तेजी रही। ऑटो टेक कंपनी कार्स 24 ने 2024 की दूसरी तिमाही के लिए अपनी ड्राइवटाईम क्वार्टरली रिपोर्ट जारी की है। अप्रैल से जून की अवधि वेतनभोगी

कर्मचारियों के लिए अच्छी रही, इस अवधि के दौरान उन्हें प्रोमोशन, बोनस और करियर में तरक्की के अवसर मिले। रिपोर्ट में कहा गया है और तिमाही के दौरान कार खरीदने वाले 48.5 फीसदी खरीददार वेतनभोगी थे, जिन्होंने अपने करियर की उपलब्धियों का जश्न अपनी खुद की कार खरीद कर मनाया। आज के दौर में कार एक ज़रूरत बन गई है, ज़्यादातर कॉर्पोरेट कर्मचारी रोज़मर्रा में आने-जाने और लाइफ स्टाइल को बेहतर बनाने के लिए अपनी खुद की कार खरीद रहे हैं।

खेल जगत

लॉर्ड्स में तेज गेंदबाजी के एक युग का समापन होगा

लंदन। विश्व क्रिकेट के बेहतरीन तेज़ गेंदबाज़ जेम्स एंडरसन द्वारा संन्यास की घोषणा करने के बाद आख़िरकार उनके आख़िरी मैच का भी समय आ ही गया। बुधवार से वेस्इंडीज के खिलाफ लॉर्ड्स में खेले जाने वाला टेस्ट मैच उनका आखिरी टेस्ट मैच है। हालांकि उन्होंने स्वीकार किया कि वह अगली एशेज सीरीज़ तक खेलने को देख रहे थे, लेकिन उस समय वह 43 साल के होते, तो उन्होंने सोचा यही सही समय है। मैच से पहले उन्होंने कहा कि मुझे अभी भी महसूस होता है कि मैं उतना ही फिट हूं जितना पहले था। मैं उसी तरह गेंदबाज़ी कर रहा हूं, जैसे मैंने हमेशा की है। 35 की उम्र के बाद मेरे रिकॉर्ड बेहतर हुए हैं। मैं अभी भी सोचता हूं कि मैं यह काम कर सकता हूं, जो मैं कई सालों से करता आ रहा हूं। लेकिन उसी समय मैं यह भी समझता हूं कि किसी बिंदु पर अंत तो होना ही है और मैं पूरी तरह से इस कारण को स्वीकार करता हूं।

गंभीर संभालेंगे श्रीलंका की सीरीज से कमान

■ सत्येन्द्र पाल सिंह

नई दिल्ली, 10 जुलाइ (देशबन्धु)। पूर्व सलामी बल्लेबाज गौतम गंभीर को उम्मीदों के मुताबिक भारतीय सीनियर क्रिकेट टीम का नया हेड कोच नियुक्त किया गया है। द्रविड़ का भारत को टी-20 क्रिकेट विश्व कप जिताने के बाद टीम इंडिया के हेड कोच के रूप में कार्यकाल पूरा हो गया। गंभीर अब द्रविड़ की जगह भारत के नए हेड कोच की जिम्मृदारी संभालेंगे। गौतम गंभीर को अशोक मल्होत्रा, जतिन परांजपे और सुश्री सुलक्षणा नाइक की क्रिकेट एडवाइजरी कमिटी (सीएसी) ने मंगलवार को सर्वसम्मित से भारतीय सीनियर

■ निगाहें अब टीम इंडिया को आगामी टूर्नामेंटों में कामयाबी दिलाने पर : गंभीर

■ गंभीर का भारत के हेड कोच के रूप में कार्यकाल साढ़े तीन बरस का होगा

क्रिकेट टीम का नया हेड कोच नियुक्त करने की सिफारिश की। गंभीर इसी महीने 27 जुलाई से मेजबान श्रीलंका के खिलाफ शुरू होने वाली तीन वनडे अंतरराष्ट्रीय मैचों और तीन टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों की क्रिकेट सीरीज से तीनों फॉर्मेट में भारत के हेड क्रिकेट कोच की जिम्मेदारी संभालेंगे। गंभीर का भारत के हेड कोच के रूप में कार्यकाल साढ़े तीन बरस का होगा और वह 2027 तक के लिए यह जिम्मेदारी संभालेंगे। बीसीसीआई ने भारत के नए हेड कोच के लिए आवेदन निकालने के साथ ही यह घोषणा कर दी थी कि नए हेड कोच का कार्यकाल 2027 तक के लिए होगा। गंभीर ने महेन्द्र सिंह धोनी की अगुआई वाली भारतीय टीम को 2007 में पहला आईसीसी टी20 क्रिकेट विश्व कप और 2011 में आईसीसी वनडे क्रिकेट विश्व कप जिताने में अहम भूमिका निभाई थी। गंभीर के पाकिस्तान के खिलाफ 2007 के टी-20 विश्व कप के फाइनल में 75 और 2011 में श्रीलंका के खिलाफ आईसीसी वनडे विश्व कप फाइनल में मुंबई मे 97 की पारी से भारत ने जीत के साथ खिताब जीते थे। गंभीर की कप्तानी में कोलकाता नाइट राइडर्स (केकेआर) ने 2012 और 2014 में आईपीएल खिताब जीते ही साथ ही बतौर मेंटर उन्होंने 2024 में केकेआर को खिताब जिताया। गंभीर को बतौर मेंटोर और कोच उनके कड़े और सख्त तेवरों के लिए जाना है और वह हमेशा अपने दिल की बात खुल कर कहने में यकीन रखते हैं। गंभीर ने भारतीय क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त जाने पर कहा कि अपने अपने तिरंगे, अपने लोगों, अपने देश की सेवा करने का मौका मिलना मेरे लिए बड़े सम्मान की बात है। मैं इस मौके परअपने पूर्ववर्ती राहुल द्रविड़ और उनके पूरे सपोर्ट स्टाफ की टीम को भारतीय टीम के साथ उनके अनुकरणीय प्रदर्शन के लिए बधाई देना चाहता हूं। मैं टीम इंडिया के हेड कोच की जिम्मेदारी पाकर बहुत सम्मानित और उत्साहित हूं। मैंने भारत के लिए भारतीय जर्सी मे खेल कर हमेशा फख्र महसूस किया और अब अपनी टीम इंडिया के हेड कोच के रूप में नई भूमिका में कुछ अलग नहीं ऐसा ही महसूस करुंगा। क्रिकेट मेरा जुनून रहा है। मेरी निगाहें अब बीसीसीआई, हेड ऑफ क्रिकेट-वीवीएस लक्ष्मण, सपोर्ट स्टाफ और सबसे ज्यादा अहम के खिलाड़ियों के साथ मिलकर टीम इंडिया कोआगामी टूर्नामेंटों में कामयाबी दिलाने पर लगी हैं। गंभीर के सामने टीम इंडिया के हेड कोच के रूप में सबसे बड़ी चुनौती खास तौर पर मौजूदा कप्तान रोहित शर्मा, विराट कोहली जैसे दुनिया के बेहतरीन बल्लेबाजों के साथ तालमेल बैठा कर कदमताल करने की चुनौती होगी। ऐसा इसलिए है क्योंकि भारत के इन सुपरस्टारों को ज्ञान देने से पहले इन सभी के साथ गंभीर को टकराव की बजाय कदमताल कर चलना ज्यादा मुनासिब लगा था। भारतीय क्रिकेट कंट्रोल बोर्ड (बीसीसीआई) ने 13 मई को राहुल द्रविड़ की जगह भारत के हेड कोच के लिए आवेदन आमंत्रित किए थे, जिनका कार्यकाल आईसीसी टी20 क्रिकेट विश्व कप के बाद खत्म हो रहा था। बीसीसीआई ने राहुल द्रविड़ का भारत को हेड कोच के रूप में शानदार योगदान और उसे आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 जिताने, 2023 में भारत में हुए आईसीसी वन डे विश्व कप और 2023 में ही आईसीसी वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप (डब्ल्यूटीसी) में उपविजेता बनाने के लिए आभार जताया। द्रविड़ ने भारत को हेड कोच के रूप में कई द्विपक्षीय टेस्ट, वन डे और टी-20 क्रिकेट सीरीज भी जिता अपनी एक अलग छाप छोड़ी ही साथ ही युवा प्रतिभाओं को तैयार करने, उनमें अनुशासन और खेल भावना भी भरी। बीसीसीआई ने साथ ही विक्रम राठौर (बल्लेबाजी कोच), पारस म्हाम्ब्रे (गेंदबाजी कोच) , टी दिलीप (क्षेत्ररक्षण कोच) को भी उनके कामयाब कार्यकाल के लिए बधाई दी। बीसीसीआई ने कहा कि वह इन सभी कोचों के बहुमूल्य योगदान का बहुत सम्मान उनके सुखद भविष्य की कामना करता है। बीसीसीआई ने साथ ही कहा कि वह गौतम गंभीर का भारतीय क्रिकेट टीम के नए हेड कोच की भूमिका में

गंभीर के नेतृत्व में टीम इंडिया भारत का गौरव बढ़ाएगी : बिन्नी

बीसीसीआई के अध्यक्ष रॉजर बिन्नी ने कहा कि बीसीसीआई पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ के भारतीय क्रिकेट टीम के साथ उनके शानदार कार्यकाल के लिए आभार जताता है। टीम इंडिया अब नए हेड कोच गौतम गंभीर के मार्गदर्शन में नया सफर शुरू करेगी। गौतम गंभीर की भारत के नए हेड कोच के रूप नियुक्ति से भारतीय क्रिकेट का नया अध्याय शुरू होगा। गौतम गंभीर के अनुभव, समर्पण और क्रिकेट के दर्शन ने हेड कोच के रूप में भारतीय टीम को आगे ले जाने का सही पात्र बनाया। हमें पूरा विश्वास है कि गंभीर के नेतृत्व में टीम इंडिया चमकदार प्रदर्शन कर भारत का गौरव बढ़ाएगी।

गंभीर को कोच बनाना बीसीसीआई का मास्टर प्लान!

नई दिल्ली। गौतम गंभीर टीम इंडिया के नए मुख्य कोच बन चुके हैं। करीब-करीब आठ साल बाद गौतम गंभीर टीम इंडिया के ड्रेसिंग रूम में श्रीलंका में वापसी करेंगे। बस फर्क यह है कि वो इस बार बतौर खिलाड़ी नहीं, बल्कि कोच की भूमिका में नजर आएंगे। अब सवाल यह है कि डायरेक्ट कोचिंग का अनुभव नहीं होने के बावजूद भी आखिर वो क्या वजहें हैं, जो बीसीसीआई गंभीर को ही कोच बनाना चाहती थी। वैसे तो गौतम गंभीर ने आईपीएल में लगातार तीन साल टीमों के मेंटॉर की भूमिका निभाई है, लेकिन उन्हें किसी भी स्तर पर डायरेक्ट कोचिंग का अनुभव नहीं है। मगर उनकी विनिंग मेंटैलिटी (यानी दिमाग में जीतने का जज्बा और यकीन) ने उनकी काबिलियत साबित की है। 2007 और 2011 के विश्व कप फाइनल्स को कौन भूल सकता है? 2011 विश्व कप फाइनल में 97 रनों की पारी आज भी फैंस के जेहन में ताजा है। वहीं, उनकी आईपीएल टीम केकेआर में उनका जज्बा जिसने अपने दम पर टीम को दो बार चैंपियन बनाया। दिलचस्प बात यह है कि केकेआर ने तीसरी बार भी गौतम गंभीर के नेतृत्व में ट्रॉफी जीती, बस फर्क इतना था कि वो इस बार मेंटॉर की भूमिका में थे। गंभीर पहले भी कई बार कह चुके हैं कि उनके दिमाग में सिर्फ जीत चलती है, जिसके लिए वो कुछ भी करने को तैयार रहते हैं। गंभीर का रिकॉर्ड भी इसका गवाह है।

गंभीर टीम इंडिया के खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने में कामयाब रहेंगे: जय शाह

बीसीसीआई के मानद सचिव जय शाह ने कहा कि हम पूर्व हेड कोच राहुल द्रविड़ और उनकी सपोर्ट स्टाफ की टीम की सेवाओं और अपने कार्यकाल में टीम इंडिया के शानदार प्रयास के लिए आभार जताते हैं। द्रविड़ के मार्गदर्शन में टीम इंडिया ने क्रिकेट के तीनों फॉर्मेट में आईसीसी टी20 विश्व कप 2024 खिताब जीतने सहित शानदार कामयाबी हासिल की, जिसे देश लंबे समय तक याद रखेगा। अब बतौर हेड कोच कमान गंभीर को सौंपी गई है, जो कि श्रीलंका के खिलाफ आगामी क्रिकेट सीरीज से यह जिम्मेदारी संभालेंगे। गंभीर बेहतरीन रणनीतिकार और कड़े प्रतिस्पद्धी रहे हैं। हमारा मानना है की वह टीम इंडिया के हेड कोच के रूप में वही दृढ़ता और नेतृत्व लाएंगे। गंभीर का हेड कोच की नई भूमिका में भी टीम इडिया खिलाड़ियों से सर्वश्रेष्ठ प्रदर्शन कराने में कामयाब रहेंगे।

भारत ने जिम्बाब्वे को 23 रनों से हराया

हरारे, 10 जुलाई (एजेंसियां)। कप्तान शुभमन गिल (66) और ऋतुराज गायकवाड़ (49) रनों की शानदार पारियों के बाद वॉशिंगटन सुंदर (तीन विकेट) की बेहतरीन गेंदबाजी के दम पर भारत ने बुधवार को तीसरे टी-20 मैच में जिम्बाब्वे को 23 रनों से हरा कर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से बढ़त

बना ली हैं। 183 रनों के लक्ष्य का पीछा करने उतरी जिम्बाब्वे की शुरुआत अच्छी नहीं रही और उसने महज 3.1 ओवर में 19 के स्कोर पर अपने तीन विकेट गवां दिये। वेस्ले मधेवीरे (1), तड़िवनाशे मारुमानी (13) और ब्रायन बेनेट (4)रन बनाकर आउट हुये। इसके बाद डिओन मेयर्स और कप्तान सिकंदर रजा ने पारी को संभालने का प्रयास किया। सातवें ओवर में वॉशिंगटन सुंदर ने सिकंदर रजा (15) को आउट कर पवेलियन भेज दिया। इसी ओवर की आखिरी पर सुंदर ने जोनाथन कैंपबेल (1) रन को भी आउट कर दिया। डिओन मेयर्स और क्लाइव मडांडे के बीच 77 रनों की महत्वपूर्ण साझेदारी करते हुए मैच का रुख मोड़ने का प्रयास किया। मडांडे ने 26 गेंदों में दो चौके और दो छक्के लगाते हुये 37 रन बनाये। डिओन मेयर्स ने 49 गेंदों मे सात चौके और एक छक्के की मदद से नाबाद (65) रनों की पारी खेली। वेलिंग्टन मसाकाट्जा 10 गेंदों में (18) रन बनाकर नाबाद रहे। जिम्बाब्वे 20 ओवर में छह विकेट पर 159 रन ही बना सकी और 23 रन से मुकाबला हार गई।

भारत की ओर से वॉशिंगटन सुंदर ने 15 रन देकर तीन विकेट लिए। आवेश खान को दो विकेट मिले। खलील अहमद ने एक बल्लेबाज को आउट किया। इससे पहले आज यहां भारतीय टीम के कप्तान शुभमन गिल ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करने का फैसला किया। बल्लेबाजी करने उतरी यशस्वी जयसवाल और शुभमन गिल की सलामी जोड़ी ने अच्छी शुरुआत करते हुए पहले विकेट के लिये 67 रन जोड़े। नौंवे ओवर में सिकंदर रजा ने यशस्वी जयसवाल को ब्रायन

■ भारत ने जिम्बाब्वे को हराकर पांच मैचों की श्रृंखला में 2-1 से बढ़त बना ली हैं

के हाथों कैच आउट कराकर जिम्बाब्वे को पहली सफलता दिलाई। जयसवाल ने 27 गेंदों में चार चौके और दो छक्कों की मदद से (36) रन बनाये। इसके बाद बल्लेबाजी करने आये पिछले मैच के शतकवीर अभिषेक शर्मा (10) सिकंदर रजा के शिकार बन गये। 18वें ओवर में मुजराबानी ने शुभमन गिल को रजा के हाथों कैच आउट करा कर जिम्बाब्वे के लिए तीसरा विकेट हासिल किया। गिल ने 49 गेंदों में सात चौके और तीन छक्के लगाते हुये सर्वाधिक (66) रन बनाये। ऋतुराज गायकवाड़ ने 28 गेंदों में चार चौके और तीन छक्कों की मदद से (49) रन बनाये। संजू सैमसन सात गेंदों में (12) और रिंकू सिंह (1) रन पर नाबाद रहे। निर्धारित 20 ओवरों में भारत ने चार विकेट पर 182 रन बनाये और जिम्बाब्वे को जीत के लिए 183 रनों का लक्ष्य दिया।

राष्ट्रपति मुर्मू ने प्रतिष्ठित डूरंड कप ट्रॉफी का अनावरण किया

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारत की राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने बुधवार को राष्ट्रपति भवन सांस्कृतिक केंद्र (आरबीसीसी) में आयोजित एक कार्यक्रम में ऐतिहासिक फुटबॉल टूर्नामेंट डूरंड कप के 133वें संस्करण के लिए ट्रॉफियों का अनावरण किया। तीन ट्रॉफियों के अनावरण के बाद कार्यक्रम में उपस्थित सभी गणमान्य व्यक्तियों के साथ एक समूह फोटो ली गई। फोटो सत्र के बाद, राष्ट्रपति, उपस्थित सभी

लोगों के साथ, डूरंड कप ट्रॉफी दौरे की शुरुआत करने ध्वजारोहण समारोह के लिए बाहर निकलीं। राष्ट्रपति ने कहा कि डूरंड कप भारत का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसमें विजेता तीन ट्रॉफी जीतता है: डूरंड कप, प्रेसिडेंट कप और शिमला ट्रॉफी। यह टूर्नामेंट लगभग 135 वर्षों से चल रहा है। मुझे बताया गया है कि शिमला ट्रॉफी 1904 में शिमला के स्थानीय लोगों द्वारा खिलाड़ियों को प्रदान की गई थी। भारत के पहले राष्ट्रपति डॉ. राजेंद्र प्रसाद ने टूर्नामेंट के 1950 के संस्करण के विजेताओं को प्रेसिडेंट कप दिया था और तब से हर विजेता को यह पुरस्कार मिलता है। तीनों ट्रॉफियां एक परंपरा है। कार्यक्रम में कई हाई प्रोफाइल मेहमानों के बीच भारतीय फुटबॉल के सर्वकालिक अग्रणी स्कोरर सुनील छेत्री भी मौजूद थे। एक महीने पहले फुटबॉल से संन्यास लेने वाले पूर्व भारतीय कप्तान ने डूरंड कप की काफी सराहना की। बहुत समय पहले इसी डूरंड कप में मुझे पता चला

डूरंड कप भारत का सबसे पुराना फुटबॉल टूर्नामेंट है। यह एक ऐसा टूर्नामेंट है जिसमें विजेता तीन ट्रॉफी जीतता है: डूरंड कप, प्रेसिडेंट कप और शिमला ट्रॉफी : द्रौपदी मुर्मू, राष्ट्रपति

था। दिल्ली में एक छोटे बच्चे के रूप में, मुझे यहीं खोजा गया और मुझे बड़ा ब्रेक मिला और इस तरह मेरी यात्रा शुरू हुई। छेत्री ने कार्यक्रम में कहा कि यह सिर्फ कोई टूर्नामेंट नहीं है, यह बहुत सारे इतिहास, परंपरा और संस्कृति के साथ एक बहुत ही महत्वपूर्ण टूर्नामेंट है और मैं इस मंच पर डूरंड कप के बारे में बात करते हुए इससे अधिक खुश नहीं हो सकता। टूर्नामेंट का 2024 संस्करण चार शहरों विवेकानंद युवा भारती क्रीड़ांगन और किशोर भारती क्रीड़ांगन (कोलकाता), जेआरडी टाटा स्पोर्ट्स कॉम्प्लेक्स (जमशेदपुर), जवाहरलाल नेहरू स्टेडियम (शिलांग), और एसएआई स्टेडियम (कोकराझार) में होगा।

सार संक्षेप

'आखिरी कुछ मैचों का लुत्फ उठा रहा हूं' : मेसी

ईस्ट रदरफोर्ड (यूएस)। अर्जेंटीना ने कनाडा के खिलाफ 2-0 की जीत हासिल करते हुए कोपा अमेरिका फाइनल में एंट्री की। इस जीत के बाद कप्तान लियोनल मेसी ने संन्यास लेने का बड़ा संकेत देते हुए कहा कि वह अर्जेंटीना की जर्सी में आखिरी 'कुछ लड़ाइयों' का लुत्फ उठा रहे हैं। मौजूदा कोपा अमेरिका टूर्नामेंट मेसी के लिए व्यक्तिगत रूप से ज्यादा अच्छा नहीं रहा। उन्हें गोल करने के लिए संघर्ष करना पड़ा, लेकिन एक अहम मुकाबले में उन्होंने अपने इस सूखे को खत्म किया। जूलियन अल्वारेज़ (22%) और मेसी के (51%) के गोलों की मदद से अर्जेंटीना ने कनाडा को 2-0 से हराकर 2021 में कोपा अमेरिका और 2022 में कतर में फीफा विश्व कप के बाद किसी बड़े टूर्नामेंट के फ़ाइनल में जगह बनाई। मैच के बाद के अपने साक्षात्कार में, मेसी ने अर्जेंटीना जर्सी में हर पल को संजोने के बारे में बताया और माना कि उनके खेलने के दिन हमेशा के लिए नहीं रहेंगे। मुझे पता है कि ये आखिरी कुछ मुकाबले हैं, इसलिए मैं इसका भरपूर आनंद ले रहा हूं।

पाओलिनी ने इटली के लिए रचा इतिहास

लंदन। पांचवीं वरीयता प्राप्त दानिल मेदवेदेव ने विश्व के नंबर एक खिलाड़ी जानिक सिनर को विम्बलडन में पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में हरा दिया जबकि महिला वर्ग में फ्रेंच ओपन फाइनलिस्ट जैस्मीन पाओलिनी ने उलटफेर भरी जीत के साथ पहली बार ग्रास कोर्ट के ग्रैंड स्लैम विम्बलडन के सेमीफाइनल में प्रवेश कर लिया। ऑस्ट्रेलियन ओपन फाइनल में 2-0 से आगे रहने के बाद पांच सेटों में पराजित पांचवीं वरीयता प्राप्त मेदवेदेव ने मंगलवार को पुरुष एकल क्वार्टर फाइनल में सिनर पर पांच सेटों के रोमांचक मुकाबले में 6-7(7), 6-4, 7-6(4), 2-6, 6-3 से शानदार जीत दर्ज की। मेदवेदेव ने 55 विनर लगाकर वर्ल्ड नंबर 1 को सीजन की चौथी हार दी। अपनी चार घंटे की रोमांचक जीत के साथ, मेदवेदेव ने जोड़ी के करियर मुकाबले में 7-5 का सुधार किया।

फ्रांस पर जीत के साथ स्पेन यूरो के फाइनल में

म्यूनिख। लैमिन यामल और दानी ओल्मो के त्वरित गोलों की बदौलत स्पेन ने मंगलवार देर रात यूरो कप 2024 के सेमीफाइनल में फ्रांस पर 2-1 से जीत हासिल की और खिताबी मुकाबले में स्थान बना लिया। 16 वर्षीय उभरते सितारे यामल यूरो में सबसे कम उम्र के गोल करने वाले खिलाड़ी बन गए। स्पेन ने शानदार शुरुआत की और मैच का पहला मौका तब मिला जब फैबियन रुइज़ ने लगभग पांच मिनट के बाद सुदूर पोस्ट पर हैडर लगाया। 9वें मिनट में, फ्रांस, जो ओपन प्ले से स्कोर किए बिना अंतिम चार में पहुंच गया था, ने गतिरोध तोड़ दिया जब किलियन एमबाप्पे के इन-स्विंगिंग क्रॉस पर रान्डल कोलो मुआनी को करीब से गोल कर दिया।

पीसीबी ने चयनकर्ता वहाब और रज्जाक को किया बर्खास्त

लाहौर, 10 जुलाई (एजेंसियां)। पाकिसतान क्रिकेट बोर्ड ने टी-20 विश्वकप के निराशाजनक अभियान के बाद चयनकर्ताओं वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक को बर्खास्त कर दिया है। रज्जाक पाकिस्तान की महिला टीम के भी चयनकर्ता थे और उन्हें पद से हटा दिया गया। इन दोनों की विदाई का आधिकारिक ऐलान इस सप्ताह के आखिर में होगा। वहाब को पीसीबी चैयरमैन मोहसिन नकवी का बहुत करीबी माना जाता है। वहाब रियाज और अब्दुल रज्जाक को हटाए जाने के बाद पाकिस्तान की चयन समिति में मोहम्मद युसुफ, असद शफीक और डेटा एनालिस्ट बिलाल अफजल बचे हैं। ऐसा माना जा रहा है कि चयन समिति का पुर्नगठन होगा और समिति में एक मुख्य चयनकर्ता भी होगा। इस चयन समिति के सदस्यों की संख्या भी सात से कम होगी। उल्लेखनीय है कि पाकिस्तान पिछले चार वर्षो में छह मुख्य चयनकर्ता देख चुका है। वहाब से पहले हारून राशिद, शाहिद अफरीदी, इंजमाम उल हक, मोहम्मद वसीम और मिस्बाह उल हक भी छोटे-छोटे कार्यकाल में चयनकर्ता बन चुके हैं।

बीसीसीआई से मिले अतिरिक्त बोनस को द्रविड़ ने ठुकराया

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। क्रिकेट को जेंटलमैन गेम कहा जाता है। यह बात तो हर कोई जानता है, लेकिन इस सोच को सच साबित करते हैं राहुल द्रविड़ जैसे दिग्गज जो पैसों को नहीं बल्कि स्पिरिट ऑफ गेम को अहमियत देते हैं। टीम इंडिया के पूर्व मुख्य कोच द्रविड़ से जुड़ी एक ऐसी जानकारी सामने आ रही है, जिससे एक बार फिर उन्होंने फैंस का दिल जीत लिया है। द्रविड़ ने कई बार अपनी निस्वार्थ शैली के लिए प्रशंसा बटोरी है। क्रिकेट की दुनिया में राहुल द्रविड़ की पहचान अपने खेल के दिनों से एक शानदार खिलाड़ी के साथ-साथ एक अच्छे इंसान के रूप में भी है। बतौर, कोच भी उनका सफर शानदार रहा। चाहे खिलाड़ी युवा हो या अनुभवी हर कोई उनके व्यक्तित्व की सराहना करता है। अपनी निस्वार्थ शैली का ताजा उदाहरण पेश करते हुए द्रविड़ ने एक और मिसाल कायम की है। राहुल द्रविड़ के कार्यकाल के दौरान उनकी कोचिंग में टीम इंडिया ने तीन आईसीसी फाइनल खेला। दो बार बेहद करीब से ट्रॉफी से चुकने के बाद आखिरकार टीम इंडिया ने टी-20 विश्व कप 2024 जीतकर अपने कोच को यादगार विदाई दी। इस खुशी के मौके पर बीसीसीआई द्वारा टी20

विश्व कप जीतने वाली भारतीय टीम के लिए घोषित 125 करोड़ रुपये की राशि में से 5 करोड़ रुपए की पुरस्कार राशि विजेता टीम के मुख्य कोच यानी राहुल द्रविड़ को देने का ऐलान किया लेकिन द्रविड़ ने पुरस्कार राशि का आधा हिस्सा छोड़ने का फैसला किया है। जानकारी के अनुसार, मुख्य कोच राहुल द्रविड़ को 5 करोड़ रुपये मिले थे। जबकि टीम के अन्य कोचों को 2.5 करोड़ रुपए दिए जाने थे। ऐसे में द्रविड़ ने फैसला किया है कि वह भी अन्य कोचों की ही तरह 2.5 करोड़ लेंगे। यानी द्रविड़ ने अपने सहयोगी स्टाफ के बराबर बोनस लेने का फैसला किया। केंसिंग्टन ओवल में फाइनल में दक्षिण अफ्रीका पर सात रन की रोमांचक जीत के साथ भारत द्वारा 2024 पुरुष टी-20 विश्व कप जीतने के एक दिन बाद, बीसीसीआई सचिव जय शाह ने कहा कि टीम को कुल 125 करोड़ रुपए का नकद पुरस्कार दिया जाएगा।

बीसीसीआई, जय शाह ने गावस्कर को 75वें जन्मदिन पर दी बधाई

नई दिल्ली, 10 जुलाई (एजेंसियां)। भारत के दिग्गज सलामी बल्लेबाज सुनील गावस्कर बुधवार को अपना 75वां जन्मदिन मना रहे हैं। टेस्ट क्रिकेट में 10,000 रन बनाने वाले दुनिया के पहले बल्लेबाज बने गावस्कर को सोशल मीडिया पर बधाई देने वालों का तांता लगा हुआ है। बीसीसीआई सचिव जय शाह ने एक्स पर लिखा, जन्मदिन की शुभकामनाएं, सुनील गावस्कर! आपकी बल्लेबाजी तकनीक इतनी बेहतरीन थी कि आप आक्रामक और रक्षात्मक दोनों तरह से समान रूप से खेल सकते थे। हर चीज के लिए शुभकामनाएं, और आपका आने वाला साल शानदार रहे! बीसीसीआई ने अपने 'एक्स' अकाउंट पर लिखा कि 1983 विश्व कप विजेता, 233 अंतरराष्ट्रीय मैच, 13,214 अंतरराष्ट्रीय रन, टेस्ट में 10,000 रन बनाने वाले पहले बल्लेबाज। पूर्व टीम इंडिया कप्तान और बल्लेबाजी के दिग्गज, सुनील गावस्कर को जन्मदिन की हार्दिक शुभकामनाएं। आईपीएल के अध्यक्ष अरुण धूमल ने कहा कि पूर्व भारतीय राष्ट्रीय क्रिकेट टीम के कप्तान को जन्मदिन की बहुत-बहुत शुभकामनाएं! भारत की पूर्व दिग्गज तेज गेंदबाज झूलन गोस्वामी ने भी लिटिल मास्टर्स के विशेष दिन पर अपनी हार्दिक शुभकामनाएं दीं, उन्होंने लिखा, जन्मदिन की शुभकामनाएं, सर! आप एक क्रिकेट आइकन हैं, 10,000 टेस्ट रन बनाने वाले पहले खिलाड़ी और 108 कैच के साथ एक शीर्ष क्षेत्ररक्षक हैं। आपकी उपलब्धियां हम सभी को प्रेरित करती हैं। अपने विशेष दिन का आनंद लें। 16 साल से अधिक के अंतरराष्ट्रीय करियर में, गावस्कर ने 233 मैच खेले और इंग्लैंड में 1983 का वनडे विश्व कप भी जीता। उन्होंने 125 टेस्ट और 108 वनडे मैच खेले, जिनका औसत क्रमश: 51.12 और 35.13 रहा। उन्होंने अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में 35 शतक लगाए, इसके अलावा 72 अर्द्धशतक (45 टेस्ट में और 27 वनडे में) और 1970 के दशक के अंत से 1980 के दशक की शुरुआत तक कुछ मौकों पर भारत की कप्तानी भी की।

सुनील गावस्कर, 75 साल की उम्र में भी फिट

नई दिल्ली। भारतीय टीम के पूर्व कप्तान और लीजेंड सुनील गावस्कर आज 75 साल के हो गए हैं। उनका जन्म 10 जुलाई 1949 को महाराष्ट्र के मुंबई में हुआ था। क्रिकेट इतिहास के सर्वश्रेष्ठ बल्लेबाजों में से एक गावस्कर आज भी अपनी बेबाक बोली के लिए मशहूर हैं। अक्सर उनकी बातें क्रिकेट के गलियारों में हलचल पैदा करती हैं। सुनील गावस्कर का नाम दुनिया के सबसे सफल बल्लेबाजों में लिया जाता है। उनके नाम क्रिकेट करियर में कई ऐतिहासिक रिकॉर्ड दर्ज हैं। जब उन्होंने क्रिकेट के पिच पर कदम रखा था तब टेस्ट में वेस्टइंडीज की पेस बैटरी की तूती बोलती थी, लेकिन भारतीय क्रिकेट का यह दिग्गज बेखौफ अंदाज में बल्लेबाजी करता था और बड़े से बड़े सूरमाओं की धज्जियां उड़ाने का माद्दा रखता था। गावस्कर ने साल 1971 में वेस्टइंडीज दौरे पर पोर्ट ऑफ स्पेन में अपना टेस्ट डेब्यू किया था। अपने डेब्यू में ही इस दिग्गज बल्लेबाज ने वेस्टइंडीज के खूंखार गेंदबाजों की जमकर क्लास लगाई। वेस्टइंडीज खेमा इस तूफानी बल्लेबाजी को देखकर 'त्राहिमाम' कर रहा था।